* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

30 जुलाई, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 280

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

हेमंत सोरेन की बेल को चुनौती देनेवाली इडी की याचिका खारिज

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

आवेदन फॉर्म नि:शुल्क

किसे मिलेगा लाभ...

- झारखण्ड की निवासी
- 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम आयु
- आधार से जुड़ा सिंगल (एकल) बैंक खाता
- जिनका बैंक खाता आधार से जुड़ा नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर-2024 तक उठा सकती हैं, उसके पश्चात बैंक खाता को आधार से जुड़वाना जरूरी है
- मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड
- झारखण्ड राज्य के राशन कार्डधारी परिवार*
  - पीला राशन कार्ड (अंत्योदय अन्न योजना)
  - गुलाबी राशन कार्ड (पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड)
  - सफेद राशन कार्ड (K-Oil राशन कार्ड)
  - हरा राशन कार्ड

आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका द्वारा घर-घर जाकर आवेदन फॉर्म नि:शुल्क दिया जायेगा

3 से 10 अगस्त तक विहित प्रपत्र में आवेदन जमा करने हेतु विशेष कैम्प का आयोजन:

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक पंचायत भवन
- शहरी क्षेत्र में संबंधित जिला उपायुक्त द्वारा चयनित केंद्र

अधिक जानकारी के लिए
1800-890-0215
टोल फ्री नंबर

फॉर्म डाउनलोड करने के लिए
स्कैन करें

https://www.jharkhand.gov.in/wcd

हर बहना को हर साल ₹12 हजार

खुशियों का उपहार

21 से 50 वर्ष तक की उम्र की बहनों को हर महीने ₹1000 की सम्मान राशि

हर महीने की 15 तारीख तक बैंक खाते में राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष कैंप के बाद भी अपना आवेदन नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में कभी भी जमा कर सकते हैं

P.R 331109 (Women, Child Development & Social Security) 24-25

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,500 रु./10 ग्राम
चांदी	85,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 30 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

राजनीतिक नहीं, सामाजिक समस्या है घुसपैठ

■ तीन दशक से जारी है संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशियों की घुसपैठ

■ पहली बार 2001 में राज्य के गृह विभाग ने सरकार के संज्ञान में यह मामला लाया था

■ इसके बाद 2009 में गृह विभाग ने राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी थी

■ झारखंड के हित के खिलाफ है यूनियन टेरिटरी की मांग करना

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले इन दिनों राज्य में घुसपैठियों का मुद्दा बेहद गरम है। दो दिन पहले पाकुड़ में हुई घटना और उसके बाद आदिवासी युवाओं का सड़क पर उतरना इसी मुद्दे का एक पहलू है। पाकुड़ की घटना के बाद राजनीति भी तेज हो गयी है और सत्ता पक्ष और विपक्ष इसे अपने-अपने नजरिये से देख रहा है, राजनीति कर रहा है। लेकिन यह हकीकत है कि झारखंड में घुसपैठियों की समस्या राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। यह समस्या हेमंत सोरेन की सरकार के समय उत्पन्न नहीं हुई है, बल्कि तीन दशक से भी अधिक समय से यह पैदा हुई है। झारखंड की भौगोलिक संरचना ही ऐसी है कि यहां के 24 में से 22 जिले जहां दूसरे राज्यों की सीमा से मिलते हैं, वहीं संथाल परगना का साहिबगंज और पाकुड़ जिला बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है। राज्य में घुसपैठ की समस्या नयी नहीं है, बल्कि अलग राज्य बनने से एकीकृत बिहार के समय से ही इस तरफ सरकारों का ध्यान खींचा गया था। झारखंड बनने के बाद पहली बार 2001 में घुसपैठ सामने आयी थी, जब जनगणना के दौरान साहिबगंज में एक वर्ग विशेष की आबादी में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गयी थी। झारखंड अलग राज्य बनने के बाद कम से कम तीन बार राज्य के गृह विभाग ने सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराया। सबसे पहले 2001 में राज्य के गृह विभाग ने सरकार के संज्ञान में या मामला लाया, फिर 2009 में इसकी विकरालता के बारे में जानकारी दी गयी, लेकिन कभी किसी सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। 2018 में राज्य में मिनी एनआरसी लागू करने की बात भी इसीलिए कही गयी थी, लेकिन फिर इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। अब एक बार फिर यह मुद्दा उठा है, तो सभी राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि इसके लिए सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेवार हैं। सबसे दुखद तो यह है सत्ता हासिल करने के इरादे से कुछ लोग या दल इस पर हाय-तौबा मचा रहे हैं। चुनाव खत्म होते ही यह आवाज बंद हो जायेगी। अलबत्ता इसी बीच पाकुड़ की घटना ने एकबारगी सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह पहली बार हुआ है, जब वहां के छात्र संगठन और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लिखित रूप से प्रशासन के सामने इस समस्या को उठाया है। इस पर राजनीति नहीं, बल्कि सभी को आत्ममंथन करने की जरूरत है। इसके लिए सिर्फ हेमंत सरकार को दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं होगा, क्योंकि जिस सीमा से बांग्लादेशी घुसपैठिये घुसते हैं, उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। सवाल सीमा की सुरक्षा करनेवालों से भी है कि जब वे दावा करते हैं कि सुरक्षा इतनी है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता, फिर ये घुसपैठिये कैसे घुस जाते हैं। ऐसा बिहार के कुछ जिलों में भी हुआ है और पश्चिम बंगाल में भी। घुसपैठ की पीड़ा असम के लोग भी झेल चुके हैं। अगर इस पर सभी दलों ने चिंतन-मनन नहीं किया और समाधान नहीं निकला, तो क्या हो सकता है इसका सामाजिक असर, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

दो दिन पहले पाकुड़ में हुई घटना से फिर साबित हो गया है कि झारखंड में घुसपैठ की समस्या गंभीर है। महेशपुर के गायबथान में 18 जुलाई को जिस तरह आदिवासी परिवार के साथ मारपीट की गयी, उससे आदिवासी समाज के लोग आक्रोशित हो गये। इस घटना के विरोध में पाकुड़ की सड़कों पर जिस तरह आदिवासी युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया और डीसी-एसपी को ज्ञापन सौंपा, उसने घुसपैठ की समस्या को न केवल रेखांकित किया है, बल्कि इसके खतरनाक सामाजिक परिणाम की तरफ भी इशारा किया है।

हाइकोर्ट ने भी जतायी है चिंता

इसी महीने झारखंड हाइकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर वापस भेजने की योजना बनाने का निर्देश दिया। उससे पहले हाइकोर्ट ने केंद्र सरकार से भी यह पूछा कि इसका समाधान कैसे निकलेगा। इसके बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्या केंद्र सरकार यहां सीएए के तहत सीधे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। कोर्ट ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इस पर केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार के साथ मिल कर काम करने की जरूरत है।

आदिवासियों की आबादी में बदलाव

विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी आंकड़ों के अनुसार संथाल परगना में आदिवासियों की संख्या धीरे-धीरे घट रही है। उनका अस्तित्व खतरे में है। जनसंख्या के सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि संथाल परगना प्रमंडल के छह जिलों दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, जामताड़ा और देवघर की डेमोग्राफी में काफी बदलाव आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इन छह जिलों में 1951 में आदिवासियों की आबादी 44.66 प्रतिशत थी, जो 2011 में घट कर 28.11 फीसदी हो गयी, वहीं मुस्लिमों की आबादी 9.44 से बढ़ कर 22.73 प्रतिशत हो गयी। साल 2000 में राज्य बने झारखंड की आबादी 1951 की जनगणना में करीब 97 लाख थी, जो 2011 में बढ़ कर 3 करोड़ 30 लाख हो गयी। जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि संथाल परगना के इन सभी छह जिलों में आबादी में औसत सात से आठ लाख का इजाफा हुआ है। कुछ लोगों का आरोप है कि घुसपैठ के बिना इतनी तेजी से आबादी का बढ़ना नामुमकिन है। पाकुड़ की घटना को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है कि कैसे एक आदिवासी की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है।

कैसे होती है घुसपैठ

संथाल परगना के कुछ जिले बांग्लादेश की सीमा से महज 40-50 किलोमीटर दूर हैं। इनमें पाकुड़ सबसे नजदीक है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का मोहदीपुर बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है। इस इलाके में कहीं बाड़ है, तो कहीं सीमा खुली हुई भी है। मोहदीपुर से पश्चिम बंगाल के कालियाचक होते हुए एनटीपीसी फरक्का मोड़ से राजमहल के लिए सीधी सड़क है। इस रास्ते में कोई चेकपोस्ट नहीं है। कालियाचक से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर बांग्लादेश की सीमा है। सीमा पार कर कोई अगर बंगाल के कालियाचक आ जाये, तो वह नाव से साहिबगंज में आसानी से दाखिल हो सकता है। फरक्का के तालतला घाट से नाव के सहारे साहिबगंज जिले के उधवा नाला पहुंचने का भी एक जरिया है। इन इलाकों में पर्याप्त चेकिंग नहीं होती है। घुसपैठिये पूरे सिस्टमेटिक तरीके से आते हैं। इस इलाके में सभी जगह घुसपैठ करानेवाले एजेंट हैं। घुसपैठियों को सिस्टमेटिक ढंग से यहां बसाया जाता है। झारखंड में अधिकांश बांग्लादेशी फरक्का, उधवा, पियारपुर, बेगमगंज, फुदकलपुर, अमंथ, श्रीधर, दियारा, बेलूग्राम, चांदशहर और प्राणपुर से आते हैं। पुलिस का भी मानना है कि बांग्लादेशियों के आने से अपराध और देशविरोधी गतिविधियां बढ़ी हैं। इन घुसपैठियों ने दलालों और स्थानीय लोगों की मदद से वोटर आइडी, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तक बनवा रखा है। उधवा पक्षी अभ्यारण्य और वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। साहिबगंज और पाकुड़ समेत अन्य जिलों की डेमोग्राफी में पिछले तीन दशक में जबरदस्त बदलाव रिकॉर्ड किया गया है।

अधिकारी की भविष्यवाणी

अब बात एक भविष्यवाणी की। वह वर्ष 2015 था। झारखंड सरकार के गृह विभाग के एक वरीय अधिकारी ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान बताया कि झारखंड में घुसपैठ की समस्या अगले 10 साल में इतनी विकराल होनेवाली है कि इससे पार पाना मुश्किल हो जायेगा। उन्होंने सरकारी आंकड़े के हवाले से बताया कि झारखंड में करीब 15 लाख ऐसे लोग आकर बस गये हैं, जो भारत के नागरिक नहीं हैं। उस अधिकारी ने 2022 में एक बार फिर संपर्क किया और झारखंड के छोटे-छोटे जिलों में हुए सांप्रदायिक हिंसा के बाद पैदा हुए तनाव का जिक्र करते हुए सात साल पहले दी गयी अपनी चेतावनी की याद दिलायी। और आज उस अधिकारी की भविष्यवाणी एकदम सटीक साबित होती हुई नजर आ रही है। पाकुड़ की घटना ने उस भविष्यवाणी की याद बरबस ही दिला दी है। उस अधिकारी ने कहा था कि पहले रांची, जमशेदपुर और हजारीबाग जैसे शहर सांप्रदायिक दृष्टिकोण से संवेदनशील माने जाते थे, लेकिन अब तो पाकुड़, गोड्डा, लोहरदगा, सिमडेगा और बरही जैसे शहरों में तनाव पसरने लगा है। अधिकारी की इस चेतावनी और झारखंड में घुसपैठ की समस्या को समझने और उसके समाधान के लिए सबसे पहले यह मानना होगा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या है।

किसी सरकार ने कुछ नहीं किया

यह एक हकीकत है कि बांग्लादेशी हों या फिर रोहिंग्या मुसलमान, भारत के विभिन्न भागों में दोनों की घुसपैठ गंभीर समस्या है। देश का शायद ही कोई राज्य हो, जहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोग अवैध रूप से ना बसे हों। राष्ट्रीय स्तर पर यह मामला उठता ही रहता है और स्वाभाविक रूप से झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। राज्य का प्रायः हर जिला कमोबेश इससे प्रभावित है। प्रशासन को पता है कि संथाल परगना के जिलों और कस्बों में भारी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिये आ गये हैं और उन्हें वैध नागरिकता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जा रहे हैं। पूरी दुनिया जानती है कि भारत में यह घुसपैठ बांग्लादेश गठन के बाद से चली आ रही है और पिछले कुछ वर्षों में इसमें बहुत तेजी आयी है। चूंकि संथाल परगना की सीमा बांग्लादेश से लगती है, तो यहां घुसपैठ और बसने की सुविधा अधिक है। अविभाजित बिहार में ऐसी घुसपैठ की सुध नहीं ली गयी। फिर झारखंड का गठन हुआ, लेकिन इस मुद्दे को गंभीरता से लिया ही नहीं गया। पहली बार 2001 में जब राज्य सरकार के गृह विभाग ने यह मामला तत्कालीन सरकार के संज्ञान में लाया, तो पूरे मामले को ही दबा दिया गया। इसके बाद 2009 में गृह विभाग ने एक रिपोर्ट सरकार को सौंपी, जिसमें संथाल परगना ही नहीं, गढ़वा, लोहरदगा और कोडरमा जिलों में घुसपैठियों के बसने की बात कही गयी थी। उस रिपोर्ट को भी कहीं ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

2018 में हुई थी एनआरसी लागू करने की सिफारिश

इस समस्या पर नियंत्रण के लिए 2018 में असम की तर्ज पर झारखंड में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (एनआरसी) लागू करने की सिफारिश पर राज्य पुलिस ने बल दिया था। राज्य पुलिस मुख्यालय ने एनआरसी की जरूरतों और बांग्लादेशियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी थी। इसमें जिक्र था कि बांग्लादेशी नागरिक बिहार और बंगाल के रास्ते झारखंड में शरण ले रहे हैं। झारखंड में अवैध प्रवासियों की संख्या उस समय 10-15 लाख बतायी गयी थी। इस समय यह संख्या 26 लाख के करीब बतायी जा रही है। अवैध प्रवासियों की बढ़ती आबादी से सांस्कृतिक और सुरक्षात्मक खतरे उत्पन्न हुए हैं। रिपोर्ट में अवैध प्रवासियों को चिह्नित करने के लिए सर्किल, जिला और राज्य स्तर पर टास्क फोर्स गठित करने की सिफारिश भी की गयी थी। टास्क फोर्स में वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त लोकसेवक या पुलिस अधिकारी को रखने की सिफारिश थी। लेकिन इस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, क्योंकि इसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील माना गया था।

फिर झारखंड पुलिस की विशेष शाखा ने 2 जून, 2023 को राज्य के सभी जिलों के डीसी और एसपी को एक पत्र लिख कर बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से प्रवेश करने की सूचना दी थी। 13 दिसंबर, 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक दस्तावेज जारी कर कहा था कि 120 से अधिक नकली वेबसाइट के जरिये फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाये जा रहे हैं। इसे लेकर झारखंड को विशेष रूप से आगाह किया गया था।

यह सही है कि घुसपैठिये नागरिकता प्रमाण पत्र हासिल कर रहे हैं और उन्हें संरक्षण भी मिल रहा है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि यह सिलसिला झारखंड बनने के पहले से चल रहा है। इन घुसपैठियों ने स्थानीय स्तर पर इतनी गहरी पैठ बना ली है कि अब इनकी पहचान लगभग असंभव हो गयी है। घुसपैठियों ने स्थानीय स्तर पर सामाजिक रिश्ते कायम कर लिये हैं, जमीन खरीद ली है और आधार कार्ड-वोटर आइडी तक हासिल कर लिया है। उनके बच्चे झारखंड के स्कूलों में पढ़ रहे हैं और कई लोग तो सरकारी नौकरी में भी हैं।

सियासत नहीं, समाधान जरूरी

झारखंड में घुसपैठ की समस्या पर सियासत उचित नहीं है। राजनीतिक दलों द्वारा एक-दूसरे पर दोषारोपण करने से इसका समाधान नहीं हो सकता। हकीकत यही है कि झारखंड की यह समस्या पांच साल की नहीं है, बल्कि बहुत पुरानी है। इसलिए इसकी जिम्मेदारी हर राजनीतिक दल को लेनी होगी। केंद्र सरकार को भी मामले की संवेदनशीलता को समझना होगा, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ रोकने की पहली जिम्मेवारी उसकी ही है। इसके बाद राजनीतिक दलों के गांव स्तर के कार्यकर्ताओं को किसी बाहरी व्यक्ति के गांव में बसने पर ध्यान देना होगा, ताकि समय पर इसकी सूचना अधिकारियों को दी जा सके। इसके लिए एक सशक्त अभियान चलाने की जरूरत है, ताकि लोग जागरूक हो सकें। जब तक घुसपैठ की समस्या को सामाजिक नजरिये से नहीं देखा जायेगा, इसका समाधान नामुमकिन है। यही नहीं, झारखंड के कुछ जिलों और बंगाल बिहार के कुछ जिलों को मिला कर यूनियन टेरिटरी बनाने की मांग भी गलत है। झारखंड ऐसे ही दबा हुआ है, जरूरत इसे वृहद करने की है, न कि यूनियन टेरिटरी बनाने की।

पाकुड़ : टाउन थाना इंचार्ज और एएसआइ निलंबित

आदिवासी छात्रों के साथ झड़प कांड की जांच करने हॉस्टल पहुंचे डीआइजी

कार्तिक कुमार

पाकुड़ (आजाद सिपाही)। संथाल परगना रेंज के डीआइजी संजीव कुमार सोमवार को पाकुड़ में आदिवासी कल्याण छात्रावास में हुई झड़प की घटना को ले जांच करने पहुंचे। डीआइजी सीधे के-केएम कॉलेज के आदिवासी कल्याण छात्रावास पहुंच कर बारी-बारी से छात्रों से बात की और उनकी शिकायतों को सुना। तकरीबन एक घंटे से अधिक

समय तक डीआइजी ने छात्र नायक सहित छात्रावास में 26 जुलाई की रात की घटना में पीड़ित छात्रों से भी बात की। हॉस्टल से जांच कर डीआइजी एसपी ऑफिस पहुंचे और मीडिया को बताया कि वह पाकुड़ में 26 और 27 जुलाई को हुई घटना की जांच के सिलसिले में यहां आये हैं। छात्रों की शिकायत को सही पाया गया है। तत्काल प्रभाव से टाउन थाना के इंचार्ज और घटना के दिन हॉस्टल गये पुलिस अफसर को निलंबित कर दिया गया है और थाना के अन्य अफसर और कर्मी जो उस दिन की घटना में थे, उन्हें हटा दिया गया है। डीआइजी ने बताया कि छात्रों की लिखित शिकायतों की एक-एक बिंदु पर जांच होगी। किसी ने भी कानून हाथ में लेने या तोड़ने का प्रयास किया तो उन पर कार्रवाई होगी। एक सवाल पर डीआइजी ने बताया कि अपहरण के बिंदु पर भी जांच चल रही है। इस संबंध में जांच पूरी होने के पश्चात आगे कुछ कह पायेंगे। डीआइजी के साथ जांच के दौरान एसपी प्रभात कुमार, एसडीपीओ दयानंद आजाद मौजूद भी थे।

दो महीने में पेसा नियमावली को अधिसूचित करे सरकार: हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पेसा कानून को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। राज्य में अब तक पेसा कानून लागू नहीं किये जाने पर हाइकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। अदालत ने राज्य सरकार को दो महीने में पेसा नियमावली को अधिसूचित करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में आदिवासी बुद्धिजीवी मंच सहित अन्य की ओर से हाइकोर्ट में याचिका दाखिल की गयी थी। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता तान्या सिंह ने बहस की। हाइकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई।

क्या है पेसा नियमावली

पंचायत उपबंधन (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम महत्वपूर्ण कानून है, जो 24 दिसंबर, 1996 को पारित किया गया था। इसका उद्देश्य कुछ अपवादों और संशोधनों के साथ संविधान के भाग नौ में उल्लिखित प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित करना है। झारखंड में पेसा कानून को लागू करने के लिए इससे संबंधित नियमावली का ड्राफ्ट पंचायती राज विभाग ने तैयार कर लिया है। इस नियमावली में ग्राम सभाओं को और शक्तिशाली और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर जोर दिया गया है। प्रस्तावित नियमावली के तहत ग्राम सभा की बैठकों की अध्यक्षता मानकी मुंडा आदि पारंपरिक प्रधान करेंगे। ग्राम सभा की सहमति के बिना सरकार जमीन का अधिग्रहण नहीं कर सकेगी। आदिवासियों की जमीन खरीद बिक्री मामले में भी ग्राम सभा की सहमति की बाध्यता होगी। इस नियमावली में पुलिस की भूमिका निर्धारित करते हुए किसी की गिरफ्तारी के 48 घंटे के अंदर गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी ग्राम सभा को देने की बाध्यता तय की गयी है। ग्राम सभा को आदिवासियों की जमीन वापस करने का अधिकार भी दिया गया है। साथ ही ग्राम सभा में अन्न कोष, श्रम कोष, नकद कोष आदि गठित किये जाने का प्रावधान किया गया है, जिनमें दान, प्रोत्साहन राशि, दंड शुल्क, वन उपज, रॉयल्टी, तालाब, बाजार, सैरात आदि से मिलने वाली राशि जमा की जायेगी। ग्राम सभा में अधिकतम 10 हजार रुपये तक की राशि रखने की अनुमति होगी। इससे अधिक की राशि बैंक खाते में जमा की जायेगी।

30 जुलाई, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 280

सांसद नवीन जिंदल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान मिला

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLAGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLAGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी रहा हंगामा, कार्यवाही शुरू होते ही खत्म

घुसपैठ मामले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

■ सदन के अंदर और बाहर एक-दूसरे को घेरा

■ प्रश्नकाल समेत अन्य कार्यवाही नहीं चल सकी

■ हंगामे के बीच 4833.39 करोड़ का पहला अनुपूरक पेश

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है। सोमवार को सत्र की दूसरी बैठक थी। सदन के अंदर और बाहर घुसपैठ के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे को घेरा। इसके कारण सदन की कार्यवाही पूरी तरह बाधित रही। प्रश्नकाल, शून्यकाल समेत अन्य कार्यवाही नहीं चल सकी। हंगामे के बीच ही सरकार ने 4833.39 करोड़ रुपये का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। उधर, सदन के बाहर भी दोनों पक्षों के विधायकों ने प्रदर्शन किया और एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा ने सरकार को बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर घेरने का प्रयास किया। सदन की कार्यवाही 11 बजे शुरू होते ही भाजपा विधायकों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो के कहने पर भी जब वे शांत नहीं हुए, तो उन्होंने सदन की कार्यवाही 12.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद कार्यवाही शुरू होते ही फिर हंगामा होने लगा और सदन नहीं चल सका।

आदिवासी अस्मिता खतरे में है : बाउरी

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड में आदिवासी की अस्मिता खतरे में है। यहां की माटी, रोटी खतरे में है। इसके खिलाफ आवाज उठानेवालों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देनेवाली राज्य सरकार रात के अंधेरे में घुस कर लहूलुहान करके हॉस्पिटलाइज करने का काम कर रही है। मामले को घुमाने के लिए आदिवासी हित का मुखौटा पहने राज्य सरकार ने युवाओं पर लाठियां चलवायीं, उन्हें लहुलूहान किया, ताकि मुखौटा गिर न जाये। मुझे पूरा विश्वास है कि पूरे संथाल में हूल का बिगुल बज चुका है। इन बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध और इनको संरक्षण देनेवाले जेएमएम, कांग्रेस के विरोध में हूल कर दिया है।

डेमोग्राफी से आदिवासियों की जनसंख्या घट रही : बाबूलाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 26 जुलाई की रात को पाकुड़ में पुलिस ने केकेएम कॉलेज के छात्रों को बेरहमी से पीटा और उन्हें लहूलुहान कर दिया। इसका केवल एक ही कारण था कि कॉलेज के लड़के और संथाल के ट्राइबल ऑर्गेनाइजेशन संथाल में मिल कर 27 जुलाई को बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ धरना पर बैठनेवाले थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संथाल में डेमोग्राफी बदल रही है और खासकर आदिवासियों की जनसंख्या घट रही है, उससे आज आदिवासी प्रताड़ित हो रहे हैं। मामले को दबाने के लिए पुलिस ने देर रात जाकर छात्रों को पीटा।

मुझे शर्म आती है कांग्रेस की सोच पर: बिरंची नारायण

भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के बयान पर कहा कि इसका सबसे अच्छा जवाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर हैं, जो बिहार से आते हैं। इसका मतलब वह घुसपैठी हैं। मंत्री रामेश्वर उरांव भी बिहार से ही हैं, तो उनको भी घुसपैठी कह देंगे। मुझे शर्म आती है कांग्रेस की सोच पर और मैं इस बयान की घोर निंदा करता हूं।

संथाल की डेमोग्राफी चेंज करने में सरकार लगी है: रणधीर

भाजपा विधायक रणधीर सिंह ने कहा कि सिर्फ झारखंड ही नहीं, बल्कि जहां-जहां इंडी गठबंधन की सरकार है, वहां पर ये लोग बांग्लादेश की सीमा को खोल देते हैं। इनको वोट बैंक बढ़ाना है। सारठ विधानसभा क्षेत्र में अब बांग्लादेश से लोग भर चुके हैं। पूरे संथाल की डेमोग्राफी चेंज करने में यहां की सरकार लगी हुई है। वहां पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करके जल्द से जल्द नियम लागू करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी हमेशा से झारखंड-बिहार के लोगों को अलग करने का काम करती रही है। कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाया है। यदि बिहार या अन्य प्रदेशों से लोग यहां आये हैं और यहां के नागरिक हैं, तो उनका वोट भी चाहिए कांग्रेस को चाहिए कांग्रेस उन्हें गाली भी देगी। उन्होंने कहा कि शिल्पी नेहा तिर्की को बांग्लादेश और बिहार-उत्तरप्रदेश में फर्क ही नजर नहीं आ रहा।

सत्ता पक्ष ने दिया जोरदार तरीके से जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विपक्ष का हंगामा देख कर सत्ता पक्ष ने सदन के अंदर-बाहर जोरदार तरीके से जवाब दिया। सत्ता पक्ष के सदस्य विपक्ष पर पलटवार करने के नहीं चूके। उन्होंने जहां घुसपैठिये के मुद्दे पर विपक्ष को जवाब दिया, वहीं सांसद निशिकांत दूबे के बयान पर भी घेरने का प्रयास किया।

अमित शाह से करिये सवाल कैसे हो रही घुसपैठ : राजेश

कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि भाजपा शुरू से ही डिवाइड एंड रूल की पॉलिसी पर विश्वास करती है। झारखंड में भी वह डिवाइड रूल की पॉलिसी को लाना चाहती है। भाजपा की मानसिकता ही है, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भी उनके पूर्वजों ने भी अंग्रेजों का साथ दिया था और गुलामी की थी। उस समय के स्वतंत्रता सेनानी को भी डिवाइड एंड रूल से बांटने की कोशिश की थी। यही पॉलिसी भाजपा देश और झारखंड में करना चाहती है। घुसपैठ का मामला भाजपा का इस बार प्रमुख मुद्दा है। भाजपा वाले अमित शाह को क्यों नहीं गाली दे रहे हैं। अमित शाह पर झारखंड के विधायक और सांसद को विश्वास नहीं है क्या। जब अमित शाह के जिम्मे बॉर्डर की सुरक्षा है, अमित शाह की पूरी फोर्स वहां लगी हुई है। जिसके नाम पर वो राजनीति करते हैं, बांग्लादेश का नाम सामने आ रहा है और यदि आप बांग्लादेश घुसपैठियों की बात कर रहे हैं तो आप अमित शाह पर सवाल उठा रहे हैं। आखिर विदेशी बिना परमिशन कैसे आ रहे हैं। आप अमित शाह से सवाल कीजिए।

घुसपैठ भाजपा का चुनावी स्टंट: हफीजुल हसन

भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि संथाल परगना को सिर्फ चुनाव को प्रभावित करने के लिए विपक्ष आधार बना रहा है। हम भी देखना चाहते हैं कि बांग्लादेशी कैसे होते हैं। अभी तक हमने एक भी बांग्लादेशी झारखंड में नहीं देखा। बिहारी घुसपैठ कैसे करेंगे। पहले झारखंड बिहार का हिस्सा था। उस वक्त हर कोई बिहारी था। जब हमारा जन्म हुआ, तब हम भी बिहारी थे। उन्होंने बाबूलाल मरांडी के बयान पर कहा कि राज्य में घुसपैठ का कोई मामला नहीं है। यह भाजपा का सिर्फ चुनावी स्टंट है। हमें एक भी आदमी घुसपैठिया दिखा दें। उन्होंने कहा कि संथाल में भाजपा का जनाधार चूक गया है। इसलिए बौखला कर भाजपा इस तरह का काम कर रही है।

झारखंड का अस्तित्व मिटाना चाहती है भाजपा: प्रदीप

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने भाजपा पर झारखंड का विभाजन करने का आरोप लगाया। उनका इशारा भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर था। उन्होंने कहा कि झारखंड के अस्तित्व को भाजपा मिटाना चाहती है। जम्मू-कश्मीर को भी इन लोगों ने बांटने की कोशिश की। चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो जायेगा।

आदिवासी महिलाओं का अपमान कर रही है भाजपा: नेहा तिर्की

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भाजपा के नेता कहते हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिये आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं, बच्चा पैदा कर रहे हैं। फिर उन्हें छोड़ दे रहे हैं। ऐसा कह कर भाजपा के लोग पूरे देश में आदिवासी महिलाओं की छवि खराब कर रहे हैं। ये आदिवासी महिलाओं का अपमान है। इसके लिए इन्हें क्षमा मांगनी होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में बिहार और उत्तरप्रदेश के लोग घुसपैठ कर चुके हैं। वे यहां की जमीन और अन्य सभी जगहों पर कब्जा जमा रहे हैं। आप रामगढ़ जाइये, देखियेगा कि वहां बिहार का व्यक्ति मुखिया बना है। मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा कि राज्य में कहां घुसपैठिये हैं। केंद्र सरकार की कोई एजेंसी इसकी जांच कर रिपोर्ट दे।

न्यूज रील्स

सांसद निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा ने किया किनारा

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा ने सांसद निशिकांत दुबे के बयान से खुद को किनारा कर लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने निशिकांत के बयान पर कहा कि वह उनका व्यक्तिगत बयान है, पार्टी का नहीं। हम हिंदू मुसलमान नहीं कर रहे हैं। जो बांग्लादेशी घुसपैठिये घुस आये हैं, रोहिंग्या घुस आये हैं, उनको निकालने की बात कर रहे हैं। हेमंत सरकार उन्हें पाल पोस रही है। वहीं, प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी ने भी पार्टी सांसद निशिकांत के बयान को व्यक्तिगत बताया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत बयान की जवाबदेही उनकी खुद की है। झारखंड में भी कांग्रेस ने एक बयान दिया है और उसे भी बहुत लोग नकार रहे हैं। व्यक्तिगत बयान को व्यक्तिगत रूप से ही देखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से झारखंड के मुख्यमंत्री को मिली बड़ी राहत

हेमंत की जमानत को चुनौती देनेवाली इडी की याचिका खारिज

● कोर्ट ने कहा हाइकोर्ट ने सभी तथ्यों को जांच-परख कर जमानत दी है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इडी की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाइकोर्ट के द्वारा हेमंत सोरेन को जमानत दिये जाने के आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें हस्तक्षेप करने की गुंजाइश नहीं है। हाइकोर्ट ने सभी तथ्यों को जांच परख कर हेमंत सोरेन को जमानत दी है। हाइकोर्ट ने जमानत दिये जाने के दौरान सभी तथ्यों पर गौर करते हुए अपना निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में अपना ऑब्जरवेशन देते हुए कहा कि इस आदेश से निचली अदालत में चल रहा ट्रायल प्रभावित नहीं होगा।

हाइकोर्ट से 28 जून को मिली थी राहत : मुख्यमंत्री को 28 जून को झारखंड हाइकोर्ट ने जमानत दी थी। हेमंत की जमानत के खिलाफ इडी की एसएलपी में कहा कि झारखंड हाइकोर्ट का आदेश गैर-कानूनी है। यह पीएमएलए एक्ट के प्रावधानों के खिलाफ है। हाइकोर्ट के आदेश में कई प्रक्रियागत चूक और अनदेखी है। जमानत आदेश में हाइकोर्ट की टिप्पणियों पर भी इडी ने आपत्ति जाहिर की थी। सुप्रीम कोर्ट में इडी की याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने हाइकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप से इंकार कर दिया।

न्यायालय सर्वोपरि है, यहां अंधकार नहीं होता: हेमंत सोरेन

रांची (आजाद सिपाही)। सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रतिक्रिया सामने आयी है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि सोरेन परिवार पर बहुत तरीके के लांछन लगे। मेरा कीमती समय भी इन लोगों ने जाया किया। न्यायालय सर्वोपरि है। यहां अंधकार नहीं होता। कुछ समूह ऐसे हैं, जो न्यायालय के समय को बर्बाद करते हैं और बेवजह समाज में काम करनेवाले लोगों की आवाज को बंद करने का प्रयास कर रहे हैं, अपनी शक्तियों का दुरूपयोग कर रहे हैं। आज न्यायालय के आदेश से ये बात साबित हो गयी।

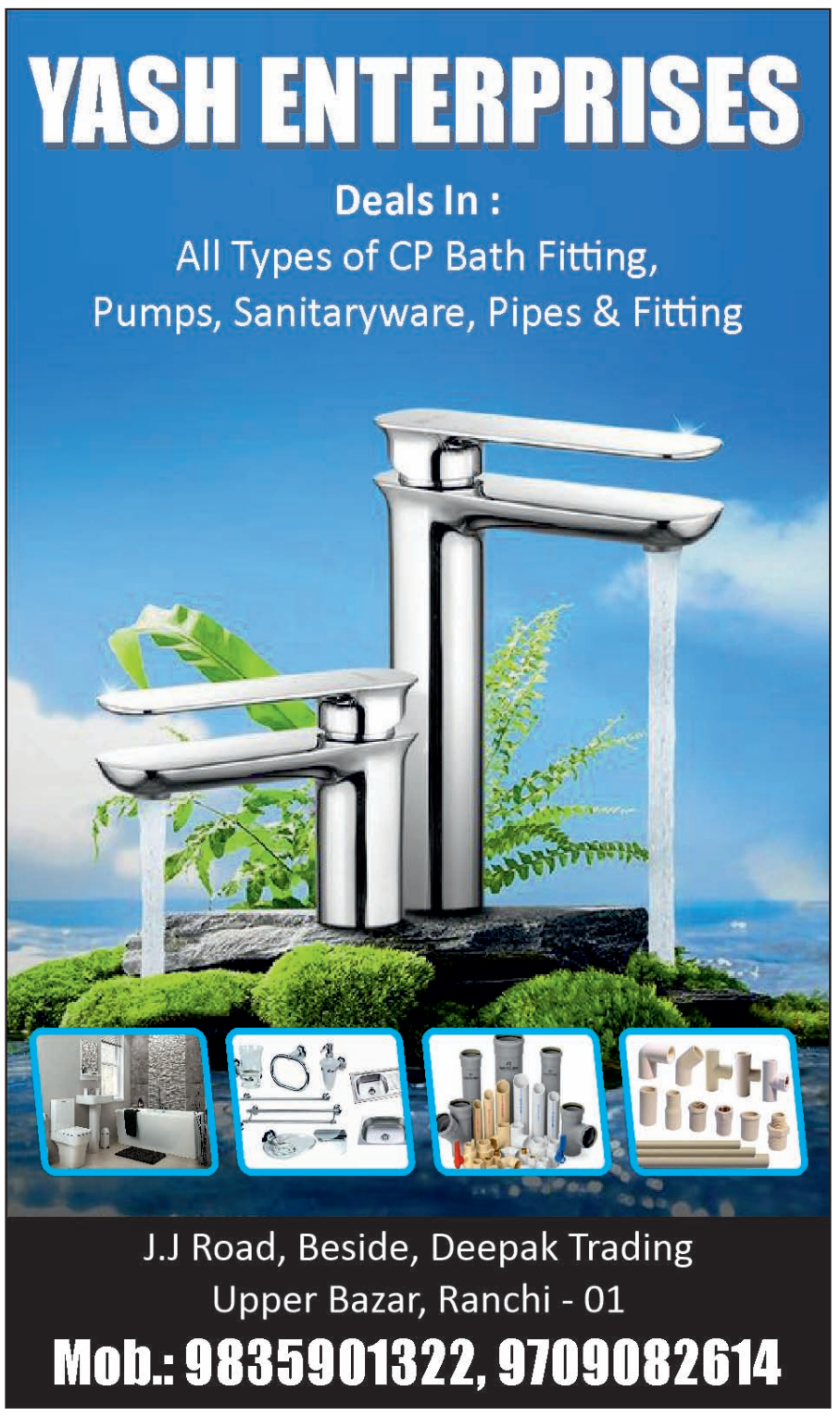

झारखंड के पूर्व मंत्री बच्चा सिंह का निधन

● बाबूलाल मरांडी की सरकार में थे नगर विकास मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड के पूर्व मंत्री बच्चा सिंह का धनबाद में सोमवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। कुछ माह पहले ही उन्हें दिल्ली में इलाज के लिए ले जाया गया था। उस वक्त वह बाथरूम से गिर गये थे। बच्चा सिंह सूर्यदेव सिंह के भाई थे। बिहार से अलग होकर जब झारखंड बना, तो वह बाबूलाल मरांडी की सरकार में मंत्री थे। बच्चा सिंह झरिया से विधायक रह चुके हैं। वह कभी सिंह मेंशन के स्तंभ हुआ करते थे। उन्होंने पहली बार विधानसभा का चुनाव साल 1991 में लड़ा, लेकिन आबो देवी के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 1995 में उन्होंने दोबारा झारखंड विधानसभा से अपनी किस्मत आजमायी, लेकिन फिर हार गये। साल 2000 में उन्होंने पहली बार जीत का स्वाद चखा और विधायक बने। इसके बाद उन्हें बाबूलाल मरांडी की सरकार में नगर विकास मंत्री बनाया गया। उनके नधिन पर राजनीतिक दलों के नेताओं समेत आम लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

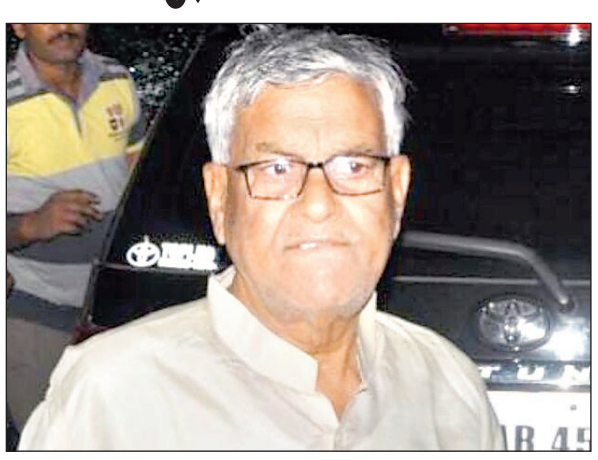

सीएम हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया

पूर्व विधायक बच्चा सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझे बच्चा सिंह जी के बारे में दु:खद समाचार मिला। वे हमेशा मजदूरों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ते रहे। परमात्मा दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 30 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in
04

कमलेश से पांच दिन तक पूछताछ करेगी इडी, कोर्ट ने दी अनुमति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जमीन दलाल कमलेश कुमार की रिमांड पर सोमवार को रांची प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए 10 दिनों की रिमांड दी जाये, जिसके बाद कोर्ट ने इडी को कमलेश को पांच दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमति दी है। इससे पहले शनिवार को कोर्ट ने कमलेश को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार भेज दिया था। लैंड स्कैम से जुड़े केस में इडी ने पिछले महीने कमलेश के घर पर छापेमारी की थी, जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपये कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे। इडी ने पूछताछ के बाद कमलेश को शुक्रवार की देर रात गिरफ्तार किया था।

अनुसूचित जाति समन्वय समिति का धरना 31 को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को अनुसूचित जाति समाज के 21 उपजाति के सभी लोग झारखंड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के आरक्षण और संविधान विरोधी कार्यों एवं नीतियों के खिलाफ 28 जुलाई से पुतला दहन कर आंदोलन की शुरुआत की गयी है। चौकीदार बहाली में अनुसूचित जाति वर्गों के सीटों को शून्य करने, वनरक्षक और सहायक के 170 पदों पर नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में अनुसूचित जाति के लिए एकमात्र सीट आरक्षित करना, (जबकि आरक्षण रोस्टर के तहत कम से कम 17 सीटें होनी चाहिए थीं) अनुसूचित जाति आयोग को 5 वर्षों से खाली रखना ,नगर निकाय में अनुसूचित जाति के सीटों को साजिश पूर्वक हटाना और चुनाव नहीं करना, नेतराहट विद्यालय में शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारीओं को ओल्ड पेंशन स्कीम लागू नहीं करना इत्यादि के साथ अनुसूचित जाति के राज्य में रह रहे 50 लाख लोगों के साथ लगातार असंवैधानिक कार्य करने के खिलाफ राजभवन के समीप अनुसूचित जाति समाज के लोग 31 जुलाई को एकदिवसीय महाधरना का आयोजन करेंगे। जिसमें राज्यभर से अनुसूचित जाति समाज के लोग एवं विधायक के साथ सभी जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से उपेंद्र कुमार रजक, प्रदीप कुमार, रवि पासवान, युवराज पासवान, नीरज नायक, गोविंद वाल्मीकि, रणधीर रजक, नायक, राम लखन राम, विनोद राजन, करण नायक, रेणुका पासवान, राकेश राम सहित कई लोग उपस्थित थे।

महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक, लिये गये कई निर्णय

प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पार्टी को डॉ कुमार राजा करेंगे मजबूत

अगस्त महीने के अंत तक सभी बूथ समिति की बैठक होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महानगर कांग्रेस कमिटी की सोमवार को पार्टी कार्यालय में बैठक हुई। बैठक महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगस्त के मध्य तक सभी वार्डों और बूथों की कमिटी का नये सिरे से पुनर्गठन का काम पूरा कर लिया जाये। इसके अलावा अगस्त महीने के अंत तक सभी बूथ समिति की बैठक आयोजित करने पर भी सहमति जतायी गयी। राजा ने कहा क लोकसभा चुनाव में हुई कमियों को दूर करते हुए पार्टी पूरी ताकत से विधानसभा चुनाव लड़ेगी और पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता अभी से ही चुनावी तैयारी में जुट गये हैं। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने संगठन के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि किसी पार्टी की ताकत उसके संगठन और कार्यकर्ताओं में ही निहित है और कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है। जहां समर्पित भाव से ही सभी कार्यकर्ता आज भी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जल्दी ही राज्य के सभी प्रमंडलों में कांग्रेस की ओर से जन संवाद यात्रा शुरू की जायेगी जिसके तहत कांग्रेस के कार्यकर्ता घर घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उनसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। झारखंड में चुनाव जल्द होने की चर्चा करते हुए उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है और 2019 के एक के मुकाबले इस बार 2 सीटें जीती है तो वहीं पार्टी 16 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही।

लोगों में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ा है : डॉ कुमार राजा

डॉ कुमार राजा ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश के समान ही झारखंड में भी कांग्रेस के प्रति लोगों में विश्वास बढ़ा है और पार्टी लगातार जनमुद्दों पर लोगों के साथ संघर्ष कर रही है, उनसे जुड़ रही है। हमारे राष्ट्रीय नेता श्री राहुल गांधी जी से प्रेरणा लेकर पार्टी का एक एक कार्यकर्ता,युवाओं,महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों व श्रमिकों से जुड़कर उनकी बातों को सुनने का प्रयास कर रहा है। झूठे वायदों की जगह कांग्रेस केवल जनता से जुड़े मुद्दों पर बात करती है। इसलिए कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में पिछली बार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करेगी। हम सभी आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। बैठक में सर्वसम्मति से महानगर कांग्रेस कमिटी के सभी प्रकोष्ठों ने यह प्रस्ताव पारित किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में रांची विधानसभा सीट इस बार इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के खाते में आनी चाहिए और इसके लिए प्रदेश नेतृत्व से आग्रह किया जायेगा क्योंकि परंपरागत रूप से यह शहरी सीट हमेशा से कांग्रेस के पास ही रही है और पार्टी ने कई बार बेहतर प्रदर्शन किया है. ऐसे में भाजपा से इसे छीनने की ताकत केवल कांग्रेस के पास ही है। कांग्रेस अपने संगठन और कार्यकताओं के उत्साह के बल पर इस सीट पर जीत दर्ज करने में सक्षम है। बैठक को रविन्द्र सिंह, अमूल्य नीरज खलखो, विनय सिन्हा दीपू समेत प्रदेश कांग्रेस के कई वरीय नेताओं के अलावा महानगर कांग्रेस कमिटी के सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्ष समेत सभी वरीय पदाधिकारी ने संबोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से शाहबाज अहमद, राजकुमार नागवंशी, शिवा कच्छप, जितेंद्र त्रिवेदी, गौरव सिंह, विक्की ठाकुर, अमन अहमद, सबिर अहमद, शिवशंकर सिंह, अनिल उरांव, संदीप उरांव, कुमार कच्छप, अंकित सिंह, विकास कुमार, अजय चौधरी, अजय मंडल, जॉन डंगवार, सम्राट, अजय मुंडा, अमरजीत, त्रिभुवन, तरूंण सांगा, डीके सिंह, शिवशंकर सिंह, वसिम कुमार, अख्तर अंसारी, मो मुजीब, जेकी अहमद, मजबूल, मो समीर कुरैशी, साहिल खान, सोनी नायक, राखी प्रियदर्शनी, राखीकोर, विनिता पाठक, चमन रजक, रंजन यादव, रामेश्वर पांडेय, दीपक राम, आवेश अंसारी, सदाब खान, यूसूफ, अर्चना मिर्धा, आदि शामिल थे।

महत्वपूर्ण खबरें

डॉ सर्वोत्तम कुमार को डीएसपीएमयू के छात्र कल्याण डीन का प्रभार

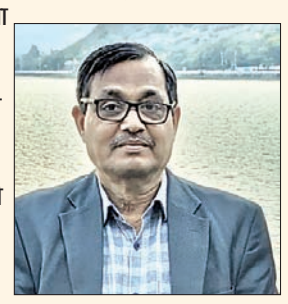

रांची (आजाद सिपाही)। डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वोत्तम कुमार को छात्र कल्याण के डीन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस आशय की अधिसूचना कुलपति के आदेश से कुलसचिव ने सोमवार को जारी कर दी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

याशिका ए यूनिट ऑफ ब्राइड एन ब्राइड स्टूडियो खुला

रांची(आजाद सिपाही)। ब्यूटी पार्लर और ब्राइडल का बाजार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। गांवों से लेकर शहरों तक ब्यूटी पार्लर खुलने लगे हैं। शादी हो या कोई और उत्सव हर मौके पर महिलाएं ब्यूटी पार्लर पहुंच रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आकाश सिंह ने रांची के हटिया में याशिका ए यूनिट ऑफ ब्राइड एन ब्राइड स्टूडियो रांची में खोला है। इस स्टूडियो का उद्घाटन समाजसेवी मुनचुन राय और आदिवासी ब्यूटी आइकन नैना तिर्की ने किया। मुनचुन राय और नैना तिर्की ने आकाश को इस स्टूडियो के लिये शुभकामनाएं दी। कहा कि यह फैशन के दौर में फ्यूजन है। यहां आपको सभी सुविधाएं एक साथ मिलती है। इस अवसर पर आकाश सिंह ने कहा कि रांची शहर में दुल्हन के लिए पहली बार एक ही छत के नीचे मेकओवर के साथ ड्रेस और ज्वेलरी की सुविधा दे रहे है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अपनी दुल्हनों को सबसे अच्छा अनुभव और सबसे अच्छा उत्पाद देना है, ताकि वे बड़े दिन पर सहज और आत्मविश्वासी महसूस कर सकें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको ठीक-ठीक पता है कि आप क्या लुक चाहती हैं, लेकिन आपको नहीं पता कि कपड़े का नाम क्या है। उन्होंने कहा कि अभी हमारे स्टूडियो में ग्राहकों को ऑफर भी दिया जा रहा है। इसमें 30 प्रतिशत तक के छूट का लाभ ले सकते है।

आरयू पीएचडी प्रवेश परीक्षा के टॉपरों को फेलोशिप दी जाये : एनएसयूआइ

रांची(आजाद सिपाही)। एनएसयूआइ का एक प्रतिनिधिमंडल रांची जिलाध्यक्ष अमन अहमद के नेतृत्व में सोमवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि पिछले वर्ष दिसंबर में लगभग 36 विषयों में रांची विवि ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा ली। इसमें बहुत से छात्र-छात्राएं इस उम्मीद से शामिल हुए थे कि वे इसमें टॉप करेंगे, तो उन्हें विवि से फेलोशिप की सुविधा दी जायेगी। लेकिन विवि की उदासीनता के कारण वैसे मेधावी टॉपर छात्र-छात्राओं को अभी तक फेलोशिप देने की प्रक्रिया प्रारंभ भी नहीं की गयी है। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से आग्रह किया कि टॉपर छात्र-छात्राओं को यथाशीघ्र फेलोशिप देना प्रारंभ किया जाये अन्यथा कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। कुलपति ने आश्वस्त किया कि इस मामले में जल्द निर्णय लिया जायेगा और टॉपर छात्र-छात्राओं को फेलोशिप दी जायेगी। प्रतिनिधिमंडल में एनएसयूआइ के जिला उपाध्यक्ष पवन कुमार, हुसैन अंसारी, इमरान हाशमी, तालिब हुसैन, सरफराज अहमद, शाहबान अंसारी, एनामुल अंसारी शामिल थे।

डीएसपीएमयू के छात्र-छात्राओं ने पश्चिम बंगाल का भ्रमण किया

रांची(आजाद सिपाही)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के कुरमाली विभाग के स्नातक और स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला के ऐतिहासिक पंचकोट महाराजा के झालदा, केसरगढ़, कांसीपुर और गड़पंचकोट स्थित राजमहल और किला का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण की शुरुआत झालदा से हुई। झालदा स्थित महाराजा के राजदरबार का छात्र दल ने गहन अध्ययन किया, जो कि लगभग 1500 वर्ष पुराना माना जाता है। यहां से सभी छात्र-छात्राएं केसरगढ़ गये। वहां कई राजघराने के किलों के अवशेषों को देखा। पंचकोट महाराजा के कांसीपुर स्थित राजबाड़ी का भ्रमण भी किया। इस किला के एक भाग में इसके वंशज के एक सदस्य अभी निवास करते हैं। छात्र दल ने पंचेत डैम का भ्रमण किया, जो झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर दामोदर नद पर है। इसके बाद गड़पंचकोट का भ्रमण किया। यहां पर कुड़माली भाषा, साहित्य, संस्कृति और समाज से जुड़े कई साक्ष्य शिल्प कला के रूप में प्राप्त हुए। जैसे- दासांई पर्व में होनेवाले- कोहड़ा पूजा का प्रतीक, नटुवा नृत्य में प्रयोग होनेवाला फरि, जिलहुड़ का चिह्न, गुप्त दिरखा (कनगा), बूढ़ा बाबा का स्थल आदि। इस शैक्षणिक भ्रमण में 54 छात्र-छात्राएं शामिल थे। उनके साथ कुरमाली विभाग के अध्यक्ष डॉ परमेश्वरी प्रसाद महतो, सहायक प्राध्यापक डॉ निताई चंद्र महतो और पीएचडी शोधार्थी अशोक पुराण शामिल थे।

प्रदीप सिंह के निधन से सिख समाज शोक में : तजेंद्र सिंह

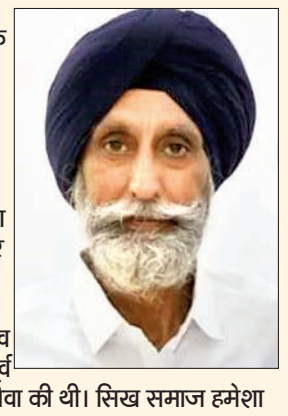

रांची(आजाद सिपाही)। आल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के अध्यक्ष तजेंद्र सिंह मक्कड़ ने फेडरेशन के पूर्व कार्यवाहक एवं मौजूदा मार्गदर्शक प्रदीप सिंह चढ्ढा के निधन पर शोक व्यक्त किया। कहा कि प्रदीप सिंह चढ्ढा समाज और कौम की सेवा भावना के साथ जीवन व्यापन किया और हमेशा युवा पीढ़ी को सेवा करने का प्रोत्साहन देते थे। प्रदीप सिंह गुरुनानक हॉस्पिटल में महासचिव के पद पर सेवा कर रहे थे और पूर्व में समाज की कई संस्थाओं में सेवा की थी। सिख समाज हमेशा उन्हें समानपूर्वक याद रखेगा।

पहाड़ी बाबा की भव्य संध्या महाआरती का आयोजन हुआ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पहाड़ी बाबा पूजा कमेटी ने सोमवार को पहाड़ी बाबा की भस्म के द्वारा भव्य संध्या महाआरती का आयोजन किया। संध्या में आरती की मुख्य अतिथि झारखंड की कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह रहीं। आयोजक नंद किशोर सिंह चंदेल ने कहा कि श्रावण मास की दूसरी सोमवारी को रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के पास रांची शहर के तमाम धार्मिक और सामाजिक संगठनों के द्वारा संध्या को पहाड़ी बाबा सहित तमाम देवी देवताओं की टीम तान्या के

बोल बम के नारों से पूरा पहाड़ी परिसर गुंजायमान हो गया

कन्याओं के द्वारा भगवान भोले शंकर, माता पार्वती, अघोरी, भूत पिशाच के स्वरूप के साथ साथ पहाड़ी बाबा के भक्तों के द्वारा सैकड़ों दियों एवं भस्म से भव्य संध्या महाआरती की गयी। महाआरती के बाद बोल बम के नारों से पूरा पहाड़ी परिसर गुंजायमान हो गया। इसके बाद भक्तों के बीच खीर महाप्रसाद का वितरण किया गया। संध्या महाआरती की मुख्य अतिथि दीपिका पांडेय सिंह के द्वारा अंग वस्त्र देकर सभी को सम्मानित किया गया। साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश सिन्हा सन्नी उपस्थित थे। संध्या महाआरती में उज्जवल कुमार सिन्हा, सचिन कुमार, रंजन सिंह, अमर सिंह, गुलशन मिढ़ा, राजू काठपाल, जीतू अरोड़ा, नरेश मक्खड, अमन ठाकुर, लखन कुमार, अशोक यादव, नीतू सिंह, संध्या देवी, गीता देवी,सविता देवी, कमलेश यादव, हर्ष कुमार, विजय पांडे, सूर्यकांत सिंह सुनील कुमार सिंह, मोनू शर्मा सहित कई अन्य का विशेष रूप से योगदान रहा।

मासूम की दुष्कर्म कर हत्या करनेवाले सुनील को अंतिम सांस तक जेल में रखने का आदेश

रांची(आजाद सिपाही)। पांच वर्षीय मासूम की दुष्कर्म और हत्या के दोषी सुनील मछुआ को पॉक्सो की विशेष अदालत ने अंतिम सांस तक जेल में रखने का आदेश दिया है। साथ ही अदालत ने सुनील पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। महिला एवं बाल संरक्षण बुंडू थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। मामला 23 जनवरी 2020 का है। इस घटना को अंजाम देनेवाला सुनील मछुआ किसी बात को लेकर अपने घरवालों से झगड़ा कर धारदार हथियार लेकर घर से निकला था और मृतक मासूम के माता-पिता को मारने के लिए रात 10 बजे उनके घर पहुंचा था। जिसके डर से मासूम के माता-पिता सो रहे अपने दो बच्चों को छोड़ पड़ोसी से मदद मांगने पहुंचे थे। उसी दौरान आरोपी ने पांच वर्षीय मासूम बच्ची को अपने साथ कुछ दूर ले जाकर दुष्कर्म किया और मासूम को मरने के लिए एक कुआं में फेंक दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भागने लगा था, ग्रामीणों ने उसे खदेड़ कर पकड़ा था। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने पहुंच कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

कैपिटल हिल में फैशन प्वाइंट का एग्जीबिशन आज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। फैशन प्वाइंट का दो दिवसीय फेस्टिव एंड वेडिंग शॉपिंग एग्जिबीशन 31 जुलाई और 1 अगस्त को होटल कैपिटल हिल में होने जा रहा है। इसकी जानकारी सोमवार को रीना अग्रवाल ने सोमवार को होटल लिलेक में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। रीना अग्रवाल ने बताया कि यहां आप एक ही छत के नीचे आने वाले सारे पर्व त्यौहार रक्षाबंधन, तीज, दुर्गा पूजा, दिवाली के साथ साथ वेडिंग की शॉपिंग कर सकते हैं। एक साथ देश भर के मशहूर डिजाइनर्स के कलेक्शन को देखने का मौका मिलेगा। शो में एसपी ज्वेलर्स, दुबई से सेलिब्रिटी डिजाइनर ज्वेलरी मिनी ज्वेल्स मयूरी के इमिटेशन और इंप्रेशन, एस एस ज्वेलर्स जयपुर से डायमंड, पोलकी ज्वेलरी, जयपुर से ही जड़ायी और कुंदन मैन्युफैक्चरर, दिशा ज्वेलर्स, सूरत से सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी और कैरेट्स एंड क्राउन्स (लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी), अपराल डिजाइनर मुंबई, के अलावा दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी, पंजाब से खास आपके लिए आ रहे हैं। मेले में प्रतिदिन विजिटर के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विजिटर को चांदी का सिक्का जीतने का मौका मिलेगा। इस मौके पर प्रीति केजरीवाल, सारिका अग्रवाल और रेनू डिडवानिया मौजूद थे।

विधि विधान के साथ राजधानी के शिवपुरी में कल्पवृक्ष का रोपण

प्रकृति से जुड़कर ही मिलेगी समृद्धि : अखिलेश

कल्पवृक्ष की उत्पत्ति समुद्र मंथन के दौरान कामधेनु से हुई थी : शबनम प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को राजधानी में धार्मिक, आध्यात्मिक और प्रकृति के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक दिवस था। जब द्वितीय सोमवारी के पवित्र दिन शिवपुरी शिव मंदिर परिसर में देवताओं के वृक्ष के रूप में पहचाने जानेवाले कल्पवृक्ष का रोपण किया गया। इस वृक्षारोपण का महत्व इसलिये भी बहुत ज्यादा है। क्योंकि पूरे देश में यह वृक्ष गिनी-चुनी संख्या में बचा है और रांची में भी ऐसे मात्र तीन कल्पवृक्ष हैं। पौधरोपण करने के बाद रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अतिरिक्त सचिव अखिलेश कुमार अंबष्ठ ने कहा है कि बिना कारण के भागदौड़ और जरूरत से अधिक भौतिकवादी बनकर एक अंधी दौड़ में शामिल होने की बजाय प्रकृति से जुड़कर ही हमें सच्ची समृद्धि प्राप्त होने के साथ ही अपनी प्रकृति का संरक्षण मिलेगा। परमवृक्षारोपण सम्मान से अलंकृत श्री अंबष्ठ ने विश्वास व्यक्त किया कि कल्पवृक्ष न केवल सभी श्रद्धालुओं के साथ ही शिव मंदिर में आनेवाले भक्तों व दर्शनार्थियों में श्रद्धा, आस्था और विश्वास को सुदृढ़ करेगा बल्कि सभी को अपनी जड़ से भी जोड़ेगा।

इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंह स्कूल की भूतपूर्व प्राचार्य शबनम प्रसाद ने कहा कि इस वृक्ष के सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी सभी जिम्मेदार लोगों की है।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज प्रसाद ने कहा कि पवित्र कल्पवृक्ष बेहद प्रसिद्ध और पूजनीय है। कार्यक्रम में कलावती देवी, गोपाल बाबू, मलय कुमार, नागदेव यादव, जटा मिश्र डेविड, मनसुख, अभिषेक कुमार उपस्थित थे।

डॉ इरफान ने कंप्यूटर ऑपरेटरों को मानदेय बढ़ाने का आश्वासन दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का शिष्टमंडल ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री डॉ इरफान अंसारी से उनके आवास पर मिलकर महासंघ की ओर से पुष्प गुच्छा देकर सम्मानित किया गया। मंत्री को महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह के नेतृत्व में झारखंड राज्य आजीविका कंप्यूटर आपरेटर संघ के उचित मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा गया। राज्य में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर जो झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार में विगत 2014 से संविदा पर कार्यरत है। वर्तमान में इस संवर्ग को 14036 रुपया मानदेय दिया जा रहा है, विगत चार वर्षों से उन्हें कोई वेतन/ मानदेय की वृद्धि नहीं की गयी। कोई प्रोन्नति नहीं दी गयी। मंत्री ने महासंघ को आश्वस्त करते कहा कि आपका वेतन तुरंत बढ़ाया जा रहा है और एफटीइ में जोड़ने के लिए पत्र अग्रसरित किया जा रहा है। स्पष्ट आश्वासन मिलने पर संघ/ महासंघ द्वारा खुशी जाहिर की गयी। इस अवसर पर महामंत्री, गणेश प्रसाद सिंह, संरक्षक, आशीर्वाद महतो, सौरभ कुमार, विनोद कुमार सहित कई अन्य मौजूद थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 30 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

महत्वपूर्ण खबरें

युवा कांग्रेस रांची जिला ग्रामीण का हर घर खटाखट कार्यक्रम लांच

रांची (आजाद सिपाही)। रांची जिला ग्रामीण युवा कांग्रेस का हर घर खटाखट कार्यक्रम लांच किया गया। इसकी अध्यक्षता रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष अमरनाथ मुंडा एवं रिशु कुज्जूर उर्फ रोशन ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में मुख्य रुप से आइवाइसी कोऑर्डिनेटर सत्यव्रत दास, प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची जिला ग्रामीण प्रभारी सौरभ अग्रवाल एवं प्रदेश महासचिव सह रांची जिला ग्रामीण के सह प्रभारी दीनबंधु बोईपाई उपस्थित थे। कार्यक्रम में सत्यव्रत दास ने कार्यकर्ताओं को इस अभियान से जुड़ने व कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को झारखंड सरकार के योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार रवि, प्रदेश महासचिव फहद खान, प्रदेश महासचिव विक्की ठाकुर, ग्रामीण उपाध्यक्ष अमित खलखो, हसीब अंसारी, सद्दाम अंसारी, इशान खान, ज्ञान अहीर, हिमांशु कुज्जूर, त्रिलोचन मुंडा, गौतमराज सिंह मुंडा, सुमित कुमार, राजेश मुंडा के साथ दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। संतोष गंगवार को झारखंड का राज्यपाल बनाने पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने स्वागत किया है और उन्हें बधाई दी है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि हम सभी लोगों को उम्मीद है, कि झारखंड की सभ्यता संस्कृति को समझते हुए झारखंडी सेंटीमेंट के अनुरूप झारखंड के हित में अपने अनुभव का लाभ राज्य को देंगे। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि नये राज्यपाल का ध्यान मूलवासी सदानों की हो रही लगातार उपेक्षा पर उनका ध्यान आकृष्ट कराने की बात कही है। प्रसाद ने कहा नियोजन नीति तथा स्थानीय नीति का मामला हो या राज्य में विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर पिछले कई महीनों से राज्य के कई विश्वविद्यालय का संचालन कुलपति के बिना ही हो रहा है और जिसकी खामियाजा झारखंड के विद्यार्थी और विश्वविद्यालय कर्मी भुगत रहे हैं। राजेंद्र प्रसाद ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नये राज्यपाल इन सभी समस्याओं का समाधान अवश्य करेंगे।

आइआइसीएम में कैपेसिटी बिल्डिंग पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

रांची (आजाद सिपाही)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट रांची, कोल इंडिया के वित्त विभाग के अधिकारियों के कैपेसिटी बिल्डिंग एंड नॉलेज शेयरिंग के लिए दो दिवसीय मैराथन प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। क्षमता निर्माण पर आइआइसीएम में चल रही श्रृंखला के हिस्से के रूप में, आइआइसीएम ने 29 और 30 जुलाई, 2024 को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) और इसकी सहायक कंपनियों के वित्त अधिकारियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य वित्त पेशेवरों के ज्ञान को बढ़ाना और उन्हें उनके क्षेत्र में नवीनतम विकास पर अद्यतन करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा ने किया, जिन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में वित्त पेशेवरों के लिए क्षमता निर्माण के महत्व पर जोर दिया। प्रशिक्षण निदेशक वित्त, मुख्य सतर्कता अधिकारी और सीआइएल के कार्यकारी निदेशक वित्त के साथ-साथ आइआइसीएम के कार्यकारी निदेशक के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम क्षमता निर्माण के विभिन्न पहलुओं को कवर करेगा, जिसमें सीआइएल का वित्त मैनुअल, जीएसटी आदि शामिल है।

शहद से श्री श्यामेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक

रांची (आजाद सिपाही)। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर श्रवण माह के दूसरे सोमवारी के अवसर पर प्रातः से ही स्फटिक के श्री श्यामेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। मालूम हो कि श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा संचालित हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में स्फटिक के महादेव विराजमान हैं। दोपहर 3 बजे से गौरी शंकर मीना देवी सरावगी के पुत्र अभिषेक सरावगी व पुत्री पायल सरावगी ने महादेव का महा रुद्राभिषेक अनुष्ठान करवाया। दूध दही गंगाजल गन्ना का रस आदि से अभिषेक किया गया। शुद्ध शहद से रुद्राभिषेक रूद्री पाठ के साथ किया गया। बाबा भोलेनाथ की जय जयकार से श्री श्याम मंदिर गूंजता रहा। बाबा को फल एवं मिष्ठान का भोग लगाकर आरती की गयी। संध्या 6 बजे विशेष दर्शन के लिए भक्तों की कतार लग गयी। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया अनिल नारनोली अभिषेक सरावगी श्याम सुंदर जोशी सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

कोलकाता (आजाद सिपाही)। पूर्व रेलवे में जून 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक महाप्रबंधक मिलिंद के देऊस्कर की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। बैठक का आयोजन पूर्व रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक के नये सभाकक्ष में हुई। बैठक में सभी विभागाध्यक्षों ने प्रत्यक्ष रूप से एवं मंडलों एवं कारखानों के उपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। समिति के पदेन सदस्य सचिव एवं उपमहाप्रबंधक राजभाषा पीसी डांग ने पूर्व रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर, सभी विभागाध्यक्षों एवं मंडलों एवं कारखानों के उपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारियों का स्वागत। महाप्रबंधन ने प्रधान मुख्य वाणिज्य अधिकारी, पूर्व रेलवे सौमित्र मजुमदार के रेलवे बोर्ड द्वारा रेल मंत्रालय हिंदी में विशिष्ट कार्य 2022-23 के लिए रेल मंत्री रजक पदक से पुरस्कृत किये जाने पर बधाई दी। प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी वीर भद्र विश्वकर्मा ने कहा कि पूर्व रेलवे में नियमित बैठकों का आयोजन किया जा रहा है । वर्ष 2024 की क्षेत्रीय स्तर पर हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी वाक प्रतियोगिताओं में कुल 16 विजेता कर्मचारियों को महाप्रबंधक ने पुरस्कार से सम्मानित किया। महाप्रबंधक ने पूर्व रेलवे मुख्यालय द्वारा प्रकाशित प्रतिबिम्ब पत्रिका की अप्रैल-जून अंक, 2024 का विमोचन किया। समिति के सदस्य सचिव एवं उप महाप्रबंधक राजभाषा श्री पी.सी. डांग ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

झारखंड के राज्यपाल से मिले संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार संजय सेठ ने झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार से नयी दिल्ली में शिष्टाचार मुलाकात किया। इस दौरान उनके साथ झारखंड के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

गृहमंत्री अमित शाह से मिले आदित्य साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने नयी दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री से राजनितिक बातचीत हुई और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

घुसपैठ के मुद्दे पर सदन के बाहर विपक्ष का धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विपक्ष के सदस्य विधानसभा सदन के बाहर धरने पर बैठ गये। वोट बैंक की राजनीति के लिए मुस्लिम आबादी बढ़ाना बंद करो, आदिवासी बहन बेटियों के साथ खिलवाड़ करना बंद करो, बांग्लादेशी घुसपैठ को संरक्षण देनेवाली हेमंत सरकार शर्म करो लिखी तख्तियों के साथ उन्होंने धरना दिया और नारेबाजी की। उन्होंने सरकार पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पाकुड़ में छात्रों की पिटाई को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की।

झामुमो विधायकों का भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सदन के बाहर झामुमो विधायकों ने भी प्रदर्शन किया। इस दौरान जम कर भाजपा विरोधी नारे लगाये गये।

सभी जेएमएम विधायकों के हाथों में तख्ती थी, जिसमें लिखा था कि झारखंड और झारखंडी विरोधी भाजपा हाय हाय, संथाल है वीरों की धरती ,जब अंग्रेजों को नहीं छोड़ा, तो तुम्हारी क्या हस्ती। हेमंत है तो हिम्मत है। झारखंडी झुक कर जोहार करता है, अस्तित्व पर बात आये तो हूल के साथ वार करता है। हेमंत को झुका ना सके, तो झारखंड तोड़ने चल पड़े मिट जाओगे। कैसे लिया झारखंड लड़ के लिया झारखंड आदि स्लोगन लिखे थे। उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान के विरोध में नारे लगाये।

एसआइटी गठित करें या केंद्र को भेजें प्रस्ताव : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एक बार बांग्लादेशी घुसपैठियों के सवाल पर राज्य सरकार को घेरा। मरांडी मानसून सत्र के दौरान सोमवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अविलंब एसआइटी गठित कर आदिवासियों की घटती जनसंख्या के कारणों की जांच कराये। नहीं तो केंद्र सरकार को जांच कराने के लिए अनुशंसा कर प्रस्ताव भेजे। मरांडी ने कहा कि पूरे राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने जगह बन ली है। संथाल परगना में तो यह स्पष्ट दिखाई पड़ रहा। पूरे संथाल परगना क्षेत्र की डेमोग्राफी ही बदल चुकी है। 1951 से 2011 के बीच लाखों की संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड क्षेत्र में आये हैं। उन्होंने कहा कि 1951 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में एसटी आबादी 36 प्रतिशत, हिंदू 87.9 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 8.9 प्रतिशत थी, जो 2011 में एसटी 26 प्रतिशत, मुस्लिम 14.5 प्रतिशत और सनातनी हिंदू 81.7 प्रतिशत पहुंच गयी। उन्होंने कहा कि केवल संथाल परगना क्षेत्र की जनगणना के आंकड़ों को देखा जाय तो 1951 में यहां एसटी आबादी 44.67 प्रतिशत, मुस्लिम आबादी 9.44 प्रतिशत और अन्य 45.2 प्रतिशत थी, जो 2011 में क्रमशः 28.11 प्रतिशत, 22.73 प्रतिशत और 49.2 प्रतिशत हो गयी।

हंगामे के बीच 4833.39 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सदन की कार्यवाही की शुरुआत हंगामे के साथ हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की तरफ से सदन के बाहर हंगामा किया गया। हंगामे के बीच प्रभारी मंत्री रामेश्वर उरांव ने 4833.39 करोड़ का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया। 30 जुलाई को उस पर चर्चा की जायेगी, जिसके बाद बजट पास होगा। अनुपूरक बजट पेश होते ही विपक्ष के हंगामे के बाद स्पीकर ने सदन मंगलवार 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सरकार का जवाब स्पष्ट नहीं : विनोद

रांची। भाकपा माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि सहायक पुलिसकर्मियों की मानदेय वृद्धि और नियुक्ति में प्राथमिकता को लेकर सरकार का जवाब स्पष्ट नहीं है। इस पर सरकार ने जवाब देते हुए कहा कि सहायक पुलिसकर्मियों की विभिन्न मांगों के संदर्भ में सरकार द्वारा गठित समिति में शामिल विधायक और सहायक पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधि के साथ हुए समझौते के क्रम में कार्रवाई जारी है।

शहीद प्रकाश गोप की पत्नी और बच्चों से मिले मिले हेमंत सोरेन

सहायता का आश्वासन दिया सीएम ने : शिल्पी नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि भारत-चीन सीमा पर शहीद हुए भारत तिब्बत सीमा पुलिस की 48वीं बटालियन के शहीद प्रकाश कुमार गोप के परिवार की हरसंभव मदद की जायेगी। श्री सोरेन ने कहा कि स्वर्गीय गोप के दोनों बच्चों आठ वर्षीय तनिष्क राज और चार वर्षीय त्रिशु राज की पढ़ाई अबाधित ढंग से आगे बढ़ती रहे, इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं रखी जायेगी। मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को शहीद प्रकाश कुमार गोप की पत्नी बेबी कुमारी एवं उनके दोनों बच्चों तनिष्क राज और त्रिशु राज के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा कक्ष में उनसे मुलाकात की। उनके साथ पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की भी थे। श्रीमती तिर्की ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार प्रत्येक शहीद के परिवार के साथ खड़ी है और स्वर्गीय गोप के परिवार की हरसंभव सहायता की जायेगी। ज्ञातव्य है कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के इटकी प्रखंड के निवासी और भारत तिब्बत सीमा पुलिस की 48वीं बटालियन में कार्यरत प्रकाश कुमार गोप पिछले वर्ष 19 अगस्त 2023 को शहीद हुए थे।

सुदेश ने हिमंता विस्वा सरमा से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के भाजपा सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा से मुलाकात की है। यह मुलाकात दिल्ली में हुई है। सुदेश कुमार महतो ने इस बाबत सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर तस्वीर साझा की है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि नयी दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्वा सरमा से मुलाकात की। इन दौरान राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात और आनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

E-mail-mdjscb@jscb.gov.in Ph.No. 0651-2913111
JHARKHAND STATE COOPERATIVE BANK LIMITED, RANCHI
1st Floor, Shaheed Chowk, Main Road, Ranchi-834001

Ref.:- 1121 Date: 29.07.2024

Jharkhand State Cooperative Bank Ltd. invites tender from interested bidders for printing and supply of stationery items for Head Office, Regional offices and Branches of Jharkhand State Cooperative Bank Limited.

Last date for submission of Bids: 20.08.2024 till 3.00 PM.

For eligibility criteria and other details, please visit website: **http://www.jscb.gov.in** Sd/- CEO, JSCB, Ranchi

भारतीय रेल
आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं. 2018/ट्रैक–I (पी) / आरएसपी–ईयूआर / वॉल्. I दिनांक : 29.07.2024

शुद्धिपत्र सं. 7

विषय : लॉन्ग रेल एक्सचेंज (अनलोडिंग एवं लोडिंग) सिस्टम और 05 (पांच) वर्ष के लिए इसकी वार्षिक अनुरक्षण संविदा (भारतीय रेल द्वारा मौजूदा ईयूआर उपलब्ध कराए जाने हैं) की आपूर्ति हेतु ई–निविदा सं. टीकेपी–1–2024.

इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि वे शुद्धिपत्र के ब्यौरों के लिए http://ireps.gov.in वेबसाइट देखें।

निविदा समापन तिथि और ई–बोली खोलने की तिथि बदलकर 13.08.2024 कर दी गई है।

(आलोक कुमार)
कार्यपालक निदेशक / रेलपथ (पीएंडपी)
कमरा नं. 256–डी, रेल भवन,
नई दिल्ली – 110001
फोन : 011–23304852
ई मेल: alokkumar.g@gov.in

2310/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय खाद्य निगम / FOOD CORPORATION OF INDIA
क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर / REGIONAL OFFICE, BHUBANESWAR

ई-निविदा आमंत्रण सूचना / Notice Inviting e-Tenders

सहायक महाप्रबंधक (सीई) भा खा नि, क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर निम्नलिखित कार्यों के लिए **https://eprocure.gov.in/eprocure/app** पर द्वि बोली प्रणाली के तहत भारतीय खाद्य निगम की ओर से ऑनलाइन प्रतिशत दर पर निविदाएं आमंत्रित करता है ।

The Assistant General Manager (CE) FCI, Regional Office, Bhubaneswar invites on behalf of Food Corporation of India online percentage rate tenders under two bid systems at **https://eprocure.gov.in/eprocure/app** for following works.

NIT NO. **CE- 02 (01)/ 2024-25**. Name of Work- **Changing of AC roof sheet of Godown No. 3 to 7 and verandah roofing of G No. 1 & 2 (rail side) along with Provision of Verandah roof (Road side) for G. No 1 to 4 at FCI FSD Balijhori**. Estimated Cost **Rs. 2,83,52,783/- (Rupees Two Crores Eighty-three lakhs Fifty-two thousand Seven hundred Eighty-three Only)**. Earnest Money- **Rs. 5,67,060/- (Rupees Five lakhs Sixty-seven thousand Sixty Only)**, Period of Completion **180 Days**. Last time and date of submission of bid: **12/08/2024 upto 2:00 pm.**

NIT NO. **CE- 02 (02)/ 2024-25**. Name of Work- **Replacement of CGI Sheets with profile sheets of Godown no. 1, isolation shed and Cycle stand at FSD Jagannathpur**. Estimated Cost **Rs. 39,12,819/- (Rupees Thirty-nine lakhs Twelve thousand Eight hundred Nineteen Only)**. Earnest Money- **Rs. 78,260/- (Rupees Seventy-eight thousand Two hundred sixty Only)**, Period of Completion **150 Days**. Last time and date of submission of bid: **01/08/2024 upto 2:00 pm.**

NIT NO. **CE- 02 (03)/ 2024-25.** Name of Work- **Replacement of CGI Sheets with profile sheets of Godown no. 1 at FSD Hirakud.** Estimated Cost **Rs. 37,08,943/- (Rupees Thirty seven lakhs Eight thousand Nine hundred Forty-three Only)**. Earnest Money- **Rs. 74,180/- (Rupees Seventy-four thousand One hundred Eighty Only)**, Period of Completion **120 Days**. Last time and date of submission of bid: **01/08/2024 upto 2:00 pm.**

NIT NO. **CE- 02 (04)/ 2024-25**. Name of Work- **Replacement of AC roof sheet of Godown No. 3 & 4 with Profile sheet at FSD Bhubaneswar.** Estimated Cost **Rs. 29,37,865/- (Rupees Twenty-nine lakhs Thirty-seven thousand Eight hundred Sixty-five Only)**. Earnest Money- **Rs. 58,760/- (Rupees Fifty Eight Thousand Seven Hundred Sixty Only)**. Period of Completion **150 Days**. Last time and date of submission of bid: **01/08/2024 upto 2:00 pm.**

NIT NO. **CE- 02 (05)/ 2024-25**. Name of Work- **Replacement of damaged AC sheets of Godown No. 1 with profile sheet at FSD Jaleswar**. Estimated Cost **Rs. 21,31,188/- (Rupees Twenty-one lakhs Thirty-one thousand One hundred Eighty-eight Only)**. Earnest Money- **Rs. 42,630/- (Rupees Forty-two thousand Six hundred Thirty Only)**, Period of Completion **120 Days**. Last time and date of submission of bid: **01/08/2024 upto 2:00 pm.**

NIT NO. **CE- 02 (06)/ 2024-25**. Name of Work- **Replacement of damaged AC sheets of Godown No. 2 with profile sheet at FSD Phulbani**. Estimated Cost **Rs. 21,13,249/- (Rupees Twenty-one lakhs Thirteen thousand Two hundred Forty-nine Only)**. Earnest Money- **Rs. 42,270/- (Rupees Forty-two thousand Two hundred Seventy Only)**, Period of Completion **120 Days**. Last time and date of submission of bid: **01/08/2024 upto 2:00 pm.**

बोली प्रपत्र एवं अन्य विवरण **www.eprocure.nic.in** के वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है ।
The bid forms and other details can be obtained from the website **www.eprocure.nic.in.**
नोट : किसी भी विवादित स्थिति में भूल अंग्रेजी पाठ ही मान्य होगा ।

P.P.K. COLLEGE (BUNDU) RANCHI
(A CONSTITUENT UNIT OR RANCHI UNIVERSITY, RANCHI)

TENDER NOTICE

Sub: Notification for calling sealed quotation for Cloud based Library Management Software.

Work Description:- On behalf of Ranchi University, PPK College, Bundu is invited a sealed quotation for Design, Development, Implementation, Testing, Demonstration, Training, Books Entry, Maintenance and execution of all infrastructure relating to racks and bookshelves of cloud based Library Management Software for Panch Pargana Kisan College, Bundu for the period of one year from complition of the work. The interested firm can send a sealed quotation including full details and terms and conditions. The quotation should reach the undersigned on or before 8 August 2024

Note: -
1) Quotation received after last date will not be entertained.
2) Applicant/Seller should be minimum 10 years of experience in IT field.
3) Applicant/Seller should be registered in GSTIN.
4) Demand Draft of Rs. 500/-(Non-refundable) in favour of Principal P. P. K. College, Bundu at the time submission of Quotation.

Undersign has power to cancel the tender/quotation without given any prior information.

Sl. No. G/PPK/95/24
Date 29/07/2024

Sd/-
Mukul Kumar
Prof-In-Charg

मनु का कमाल

जब पूरा देश यह आस लगाये बैठा है कि पेरिस ओलिंपिक में हमारे ऐथलीट टोक्यो में जीते अब तक के सबसे ज्यादा 7 पदकों का रिकॉर्ड तोड़ कर नयी और लंबी लकीर खींचेंगे, तब मनु भाकर की जीत की खबर ने स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना बढ़ा दिया है। उनका यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि यह पेरिस ओलिंपिक में किसी भारतीय ऐथलीट का पहला मेडल है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक चमक के पीछे कई और बातें हैं। पहली बात तो यह कि मनु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कामयाब निशाना लगा कर एक साथ कई कीर्तिमान स्थापित कर दिये हैं। वह ओलिंपिक मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला शूटर हो गयी हैं। इससे पहले इस ऑल बॉयज क्लब में राज्यवर्धन सिंह राठौर, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार ही थे। यही नहीं, मनु पिछले 20 साल में किसी इंडिविजुअल इवेंट में ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला भी बनीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मुकाबले में तो आज तक कोई महिला शूटर ओलिंपिक फाइनल में भी नहीं पहुंची थी। मनु जिस मंजिल पर पहुंची हैं, उसे उनकी उतार-चढ़ाव भरी यात्रा भी खास बनाती है। मात्र 19 साल की उम्र में टोक्यो ओलिंपिक तक पहुंच कर वहां अचानक पिस्टल खराब होने की वजह से चूक जाना किसी भी टीनेजर के लिए कितना बड़ा झटका होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। मनु न केवल उस झटके से उबरीं, बल्कि अगले ही ओलिंपिक में जीत दर्ज करा कर अपनी फाइटिंग स्पिरिट का सिक्का जमा लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम की नुमाइंदगी करती हैं, जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगे हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं, जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं। इनमें से कई नाम अगले कुछ दिनों में देश को सुनहरी आभा प्रदान करें तो आश्चर्य नहीं। इसी बिंदु पर उन प्रयासों को दर्ज करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जिनकी बदौलत ये खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर पा रहे हैं। चाहे सरकार की ओर से मुहैया करायी जाने वाली सुविधाएं हों या भारतीय कॉरपोरेट जगत की ओर से स्पॉन्सर की जाने वाली सहूलियतें- इनका ऊंचा होता ग्राफ ही वह माहौल बनाता है, जिसमें खिलाड़ी ऊंचे मनोबल के साथ पदक तक पहुंचने वाली छलांग लगा पाता है। गौर करने की बात है कि पिछले आयोजनों के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक में इंडिया इंक ने अपना निवेश 30-40 फीसदी बढ़ाया है। मनु की ताजा उपलब्धि की खासियत यही है कि इसमें पूरे देश की भावना, उत्साह और प्रोत्साहन की झलक दिख रही है।

सबसे बड़ी बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम की नुमाइंदगी करती हैं, जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगे हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं, जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

हिंदू समाज में कांवड़ यात्रा कई किलोमीटर चलने वाली, एक कठिन तीर्थयात्रा है। कुछ कांवड़िए डाक कांवड़ भी लाते हैं। इसमें गंगाजल से भरे कांवड़ को बिना जमीन पर रखे भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को अर्पित करने और सात्विक भोजन ग्रहण करने की मान्यता है। करोड़ों हिंदू पवित्र दिनों में तामसिक खाद्य वस्तुओं, जैसे प्याज-लहसुन आदि के साथ साधारण नमक तक का सेवन भी नहीं करते हैं।

भोजन का मजहब और राजनीति

बलबीर पुंज

कांवड़ संबंधित मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने भी उपभोक्ताओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की देश भर में अनुपालना पर बल दिया है। जब नामपट्टिका का मामला सामने आया, तब मेरे समक्ष नाना प्रकार के विचार आये। उसमें सात्विक भोजन की पवित्रता से भी जुड़ा विचार था। मुझसे कहा गया कि मुस्लिम समुदाय में 'हलाल' और यहूदी समाज में 'कोशर' की भांति सनातन परंपरा में 'सात्विक' की कोई निश्चित परिभाषा नहीं है और 'सात्विक भोजन' करने वाले हिंदुओं की संख्या बहुत कम है।

गत शुक्रवार (26 जुलाई) को सर्वोच्च न्यायालय ने कांवड़ मार्ग पर नामपट्टिका संबंधित आदेश पर रोक को आगामी पांच अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। इस मुद्दे के तीन पहलू सामने आये हैं। पहला-यह उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार से जुड़ा है। दूसरा-कानून-व्यवस्था को बनाये रखना राज्य का दायित्व है और वह भंग न हो, उसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की है। तीसरा-यह कोई नयी व्यवस्था नहीं है, अपितु पहले से स्थापित कानून-नियम के अनुरूप है, परंतु राजनीति से प्रेरित बहस ने इस विषय को हिंदू-मुसलमान बना दिया। यह दिलचस्प है कि इस निर्णय का मुखर विरोध करने वाला राजनीतिक वर्ग वही है, जो लोकसभा चुनाव में बारंबार प्रचार कर रहा था कि सत्तासीन होने पर घर-घर जाकर लोगों से नाम के साथ उनकी जाति भी पूछेगा।

प्रश्न यह है कि देश के विभिन्न मतावलंबियों को अपनी आस्था के अनुरूप भोजन चुनने का अधिकार है या नहीं? यहूदी समाज में कोशर की मान्यता है। इसमें खाद्य उत्पादों को लेकर मजहबी नियम है। इनके समुदाय में केवल खाना ही नहीं, अपितु भोजन का स्थान भी कोशर होना चाहिए। इसी तरह, इस्लाम में हलाल की अवधारणा है, जिसका अर्थ वैध है। मुसलमानों के लिए शूकर का मांस हराम है। यही कारण है कि जब मुस्लिम समाज में ईद या फिर मुहर्रम का पर्व होता है, तो उनकी मजहबी आस्था का सम्मान करते हुए यातायात परिचालन तक में अस्थायी तौर पर उचित परिवर्तन किए जाते हैं। हिंदू समाज में कांवड़ यात्रा कई किलोमीटर चलने वाली, एक कठिन तीर्थयात्रा है। कुछ कांवड़िए डाक कांवड़ भी लाते हैं। इसमें गंगाजल से भरे कांवड़ को बिना जमीन पर रखे भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को अर्पित करने और सात्विक भोजन ग्रहण करने की मान्यता है। करोड़ों हिंदू पवित्र दिनों में तामसिक खाद्य वस्तुओं, जैसे प्याज-लहसुन आदि के साथ साधारण नमक तक का सेवन भी नहीं करते हैं।

आस्था के मुताबिक खाना-पीना सबका दायित्व, शासकीय व्यवस्था के साथ सभ्य समाज भी जवाबदेह

इतना ही नहीं, नवरात्र के पवित्र दिनों में यदि कोई गैर-मजहबी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तब चाहे नवरात्र के व्रत रखने वाले सीमित हों, उनके खाने-पीने के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जाती है। जिस दिशा निर्देश पर विवाद हुआ, उसमें कहीं भी यह नहीं लिखा था कि कोई गैर-हिंदू कांवड़ यात्रा के मार्गों पर अपनी दुकान-ढाबा-ठेला आदि (मांस विक्रेताओं को छोड़ कर) नहीं लगा सकता। इस आदेश के अनुसार, प्रत्येक दुकानदार-ढाबा संचालक, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, उसे अपने वास्तविक नाम की पट्टी लगानी थी। इस शासनादेश की एक पृष्ठभूमि भी है।

कई गैर-हिंदू अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर देवी-देवताओं आदि के नामों पर खाद्य-पेय दुकानों, ढाबों का संचालन करते हैं। आखिर अपनी असली पहचान छिपाने और गलत पहचान बताने के पीछे क्या मंशा हो सकती है? यहां बात केवल उपभोक्ता को धोखा देने तक सीमित नहीं है। इस छल के खुलने पर तीर्थयात्रियों की आस्था पर कुठाराघात की बात उठने पर छोटी-सी घटना भी दंगे का रूप ले सकती है। इस आशंका को निरस्त करने तथा कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाये रखने हेतु दुकानों-ढाबों आदि पर नामपट्टिका लगाने का आदेश बताया गया था।

उपभोक्ताओं के अधिकार की रक्षा करने हेतु देश में पहले से विनियमन हैं। वर्ष 2005 से जारी जागो ग्राहक जागो रूपी केंद्रीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के साथ वर्ष 2006 में पारित खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम और वर्ष 2011 में लागू 'खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण' से उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार की रक्षा की जा रही है। इन कानूनों के अनुसार, खाद्य परिसरों में सभी प्रतिष्ठानों को लाइसेंस/पंजीकरण संख्या प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिसमें धारक के नाम का भी उल्लेख होता है। रेलवे स्टेशनों पर पंजीकृत विक्रेता और टैक्सी-ऑटो के मालिक-चालक अपना विवरण प्रदर्शित करते हैं। अधिकतर ऑनलाइन एप में भोजन-दवा-राशन आदि वस्तुओं का वितरण करने वालों का नाम उपभोक्ताओं को दिखता है।

कांवड़ संबंधित मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने भी उपभोक्ताओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की देश भर में अनुपालना पर बल दिया है। जब नामपट्टिका का मामला सामने आया, तब मेरे समक्ष नाना प्रकार के विचार आये। उसमें सात्विक भोजन की पवित्रता से भी जुड़ा विचार था। मुझसे कहा गया कि मुस्लिम समुदाय में 'हलाल' और यहूदी समाज में 'कोशर' की भांति सनातन परंपरा में 'सात्विक' की कोई निश्चित परिभाषा नहीं है और 'सात्विक भोजन' करने वाले हिंदुओं की संख्या बहुत कम है। ऐसा कहने वाले या तो भारतीय संस्कृति को नहीं समझते या पूर्वाग्रह के शिकार हैं। मूलतः सनातन संस्कृति में एकरूपता के बजाय समरसता का दर्शन है। एकेश्वरवादी मजहबों के प्रतिकूल इसमें 'सह-अस्तित्व' की भावना है। प्रत्येक सनातनी को अपने देवी-देवता को चुनने, उनकी आराधना करने और उनसे आध्यात्मिक पूर्ति करने की स्वीकृति है। अपने बहुलतावादी चिंतन के अनुरूप सनातन में 'सात्विक भोजन' को परिभाषित करने हेतु कोई संकीर्ण इकाई नहीं है। यह एक सनातनी पर निर्भर करता है कि उसके लिए 'सात्विक' क्या है। मेरा मत है कि देश में यदि एक भी हिंदू, मुस्लिम या यहूदी अपनी मजहबी आस्था के अनुरूप भोजन करना चाहता है, तो उसकी पूर्ति करने का दायित्व हमारी सांविधानिक-शासकीय व्यवस्था के साथ सभ्य समाज का भी है।

कौन-सा खाद्य उत्पाद मुसलमानों की मजहबी मान्यताओं के अनुरूप है, उसे निर्धारित करने के लिए वर्षों से निजी संस्थाओं द्वारा 'हलाल' प्रमाणपत्र जारी हो रहे हैं। इसी तरह, अन्य आस्थाओं के अनुरूप भोजन आवश्यकतानुसार उपलब्ध होते हैं। वैसे ही कांवड़ियों के 'भोजन चुनने के अधिकार' को लिया जाना चाहिए। उसे सांप्रदायिक विवाद का मुद्दा बनाने का कोई औचित्य नहीं है।

जमशेदपुर की खबरें

शिक्षक पात्रता परीक्षा में भूमिज भाषा को शामिल कराने के लिए तीन विधायकों ने की सीएम से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की और से ली जानेवाली परीक्षा में आदिवासी भूमिज भाषा को शामिल करने की मांग को लेकर पोटका के विधायक संजीव सरदार के नेतृत्व में भूमिज समाज के युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को मिला। इस दौरान विधायक मंगल कालिंदी और विधायक समीर महंती भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौपकर शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 जेएससी की और से ली जानेवाली परीक्षा मे जनजातीय भूमिज भाषा को शामिल करने की मांग किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड अधिविद्य परिषद, रांची के द्वारा विज्ञापन संख्या-30/2024, दिनांक-18.07.2024 के तहत शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 के लिये ओन-लाईन आवेदन लिया जा रहा है। इस विज्ञापन के 2 (च) मे उल्लेख किया गया है कि शिक्षक पद पर नियुक्ति हेतू अभ्यर्थी को भाषा-2 मे कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के अधिसूचना संख्या-1428, दिनांक-10.03.2023 (प्राथमिक कक्षा (कक्षा 01 से 05) और अधिसूचना संख्या-1427, दिनांक- 10.03.2023 (उच्च प्राथमिक कक्षा (कक्षा-06 से 08) के लिये) मे उल्लेखित 15 भाषाओं मे से किसी एक भाषा की परीक्षा देना अनिवार्य होगा। लेकिन उक्त भाषाओं की सूचि मे भूमिज भाषा को शामिल नहीं किया गया है। भूमिज भाषा झारखंड की जनजातीय भाषा है। जिसका जनसंख्या लगभग तीन लाख के करीब है। जिसकी मातृभाषा भूमिज है। इसके पूर्व झारखंड अधिविद्य परिषद, रांची द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा-2012 एवं 2016 मे भूमिज भाषा को शामिल करते हुये कोड संख्या-57 दिया गया था। इसके साथ ही जेएससी की और से ली गयी झारखंड वनरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा-2014, झारखंड कक्षपाल प्रतियोगिता परीक्षा-2015 मे भूमिज को जनजातीय भाषा के रूप मे शामिल किया गया था, जिस विषय मे परीक्षा देकर अनेक युवा आज सरकारी नौकरी कर रहे है। लेकिन 2023 के बाद किसी भी परीक्षा मे भूमिज भाषा को शामिल नहीं किया जा रहा है। इसलिये शिक्षक पात्रता परीक्षा-2024 और जेएससी की और से ली जानेवाले परीक्षाओ भूमिज भाषा को अविलंब शामिल किया जाये। इसपर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तत्काल शिक्षा विभाग के सचिव को अग्रेत्तर कार्रवाई का निर्देश दिया। इस दौरान परमेश्वर सरदार, जगजीवन सरदार, बिहारी लाल सरदार, हाड़ी राम सरदार, देवजन्त्र सरदार, श्रीकंन्त भूमिज, मोनिका सिंह, दशरथ सरदार, रविंद्र सरदार, रोहित सिंह सरदार, सूरज सरदार, कृष्ण सिंह सरदार, विशुन पद सरदार, कंचन सरदार, बिरजय सरदार आदि शामिल थे।

आदित्यपुर में नहाने के दौरान खरकई में बहे दो युवा, एक की मौत

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। आदित्यपुर के आसंगी चेक डैम में रविवार को नहाने के क्रम में डूबे इच्छापुर के एक किशोर (आदित्य महतो- 15) का शव घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर नदी से बरामद किया गया। उधर सोमवार सुबह से ही रांची से पहुंची एनडीआरएफ की तीस सदस्यीय टीम पूरे दिन चेक डैम और आसपास के क्षेत्रों में दोनों किशोरों की तलाश करती रही, मगर उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी। अभी भी एक किशोर सुमित मोदी (15) का सुराग नहीं मिल पाया है। अंधेरा और बारिश होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया है। पुरेन्द्र नारायण सिंह ने इसे एक मार्मिक घटना बताते हुए भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो इस पर मंथन करने की जरूरत बतायी है।

आदित्यपुर पुरानी बाजार का खुलेआम हो रहा अतिक्रमण, जांच का आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। नगर निगम वार्ड 20 स्थित दिंदली बाजार सरना स्थल के पास पुरानी बाजार के खाली पड़े जमीन का इन दिनों खुलेआम अतिक्रमण जारी है।उधर जिम्मेदार सरकारी अधिकारी चुप्पी साधे हुए है। बताया जारहा है दिंदली बाजार के पास में खाली जमीन पुरानी बाजार की है लेकिन उसके ठीक पास से आदिवासी समाज का सरना स्थल भी है। जहा हर साल सरना उत्सव का आयोजन की जाती है।धीरे-धीरे जमीन माफियाओं के सह पर कुछ लोग यहां बड़े भूखंड पर बांस-बल्लियों व टीना सेट बनाकर घेराबंदी करने में जुट गये। जबकि बाजार का रखरखाव व मेंटेनेंस के एवज में संवेदक बहाल करके समिति इसका शुक्ल वसूलती है।जहा गंदगी का अंबार लगा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है गंदगी को लेकर कृषि उत्पादन बाजार समिति व आदित्यपुर नगर निगम किनता गंभीर है।उधर गंदगी के आड़ में जमीन माफिया घेराबंदी कर जमीन का कब्जा लेने में जुटे हैं। समय रहते यदि नहीं रोका गया तो आने वाले दिनों में सरना स्थल का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। फिलहाल सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी कमल किशोर सिंह ने जांच के आदेश दी। उन्होंने कहा जो भी व्यक्ति इसमें शामिल है उस पर ऊपर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

नशा के खिलाफ जमशेदपुर के डीसी और एसएसपी ने की बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर के डीसी (उपायुक्त) अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आहूत की गयी। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किशोर कौशल, रूरल सह सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, सिविल सर्जन डॉ जुझार माझी समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण, तस्करी रोकने तथा नगर क्षेत्र के युवा आबादी तक पेडलर के माध्यम से बिक्री व नशा निवारण से संबंधित अन्य प्रबंधों की समीक्षा की गयी तथा नशा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर चर्चा की गयी। जिले में नशीली दवाओं के खिलाफ पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग को मिलकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया साथ ही लाईन होटल व ढाबों में शराब बेचने की शिकायतों पर उत्पाद और पुलिस विभाग को त्वरित रूप से कार्रवाई का निर्देश दिए गये। जिले भर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार को खत्म करने के लिए उठाए गये कदमों की समीक्षा की गयी।

कदमा में सावन क्वीन महोत्सव 2024 का आयोजन विधायक ने दीप जला कर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर के कदमा उलियांन अनिल सुर पथ में अनु ओझा और प्रिया श्रीवास्तव के नेतृत में भव्य सावन क्वीन महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। रविवार को कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि झामुमो के जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी उपस्थित रहे। मौके पर विधायक के द्वारा दीप प्रजलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सावन का पवित्र महीना में आयोजित सावन क्वीन महोत्सव में सैकड़ो महिलाएं हरे रंग के परिधान में 16 श्रृंगार कर चार चांद लगाते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने खुशियां मनाते हुए फैशन शो, क्विज प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम में बढ़चढ़ का हिस्सा लिया। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का सोच है झारखण्ड की सभी महिलाएं शिक्षित हो सभी के परिवार में खुशियां आये। विधायक ने कहा इस तरह के आयोजन से सामाजिक समरसता बनी रहती है। इससे महिला शक्ति एकजुट होकर और मजबूत होग।मौके पर उन्होंने आयोजक समिति को बधाई दी। कहा महिला समूह के बीच इस तरह का आयोजन आगे भी होती रहे।

टाटा मोटर्स यूनियन में जेआरडी टाटा की 120वीं जयंती मनी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में जेआरडी टाटा की 120 वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। मौके पर यूनियन अध्यक्ष गुरमीत सिंह व महामंत्री आर के सिंह समेत सभी कमिटी मेंबर और आफिस बेयरर उपस्तित रहे। इस अवसर पर सभी ने बारी बारी से भारत की औद्योगिक क्रांति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जे आर डी टाटा के फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

गम्हरिया कृषि विज्ञान केंद्र की सुरक्षा भगवान भरोसे, ट्रॉली परिसर में, लेकिन ट्रैक्टर गायब

गम्हरिया (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का ट्रैक्टर (खल्ह01उठ- 6917) गायब होने का सनसनी खोज खबर प्रकास में आया है। बताया जारहा है विभाग के अधिकारियों ने न तो अब तक वरीय अधिकारियों सूचना नही दी,ना ही थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराया। सूत्रों की मानें तो ट्रैक्टर का विभागीय अधिकारियों के मिली भगत से व्यावसायिक उपयोग में लिया जा रहा है। सोमवार को इस मामले में केंद्र की प्रभारी डॉ सुनीता कंडियांग से संपर्क करने पर उन्होंने बताया। इसकी कोई जानकारी उन्हें नहीं है। सूचना मिला है जांच के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। वैसे ट्रैक्टर की ट्रॉली कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में है, लेकिन ट्रैक्टर गायब है। कैमरे में लगे जीपीएस लोकेशन पर उसकी तस्वीर निकाली। जिसमें साफ देखा जा सकता है दिन के 12:57 बजे ट्रैक्टर का पोजिशन कहां दर्शा रहा है। बताया जारहा है चालक चेतन मुर्मू पर प्रभारी की विशेष कृपा बरसती है। उसकी बहाली कैसे हुई है यह भी जांच का विषय है। मिली जानकारी के अनुसार बीते एक सप्ताह से संस्थान का ट्रैक्टर गायब है। वैसे गम्हरिया कृषि विज्ञान केंद्र की सुरक्षा भगवान भरोसे है। परिसर के सुरक्षा की अगर बात करें तो यहां बने तालाब में बाहरी लोगों का प्रवेश होता है। इसमें गाय- भैस को नहलाया जाता है। कुछ लोग तो मछली पकड़ने भी आते हैं। परिसर में बने दो- दो भवन बेकार और जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। जहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने का अनुमान लगाया जा सकता है। उधर भवन में करोड़ों की मशीन रखरखाव के अभाव में बर्बाद हो रही हैं। जिसकी सुध लेनेवाला भी कोई नहीं।

इडी की टीम पहुंची गढ़वा, कचहरी रोड में एक घर पर नोटिस चिपकाया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सोमवार को रांची से ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की दो सदस्यीय अधिकारियों की टीम गढ़वा पहुंची है। गढ़वा पहुंचते ही अधिकारी शहर थाना पहुंचे, जहां सुरक्षाकर्मियों को साथ लेकर अधिकारी शहर में निकल पड़े। खबर है कि कचहरी रोड में ईडी के टीम के द्वारा हृदयानंद तिवारी के घर पर नोटिस चिपकाया गया है। टीम के अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे कहां जा रहे हैं या किसे रडार पर लिया गया है, किसी भी सवाल का जवाब देने से उन्होंने परहेज किया। लेकिन ईडी की टीम के गढ़वा आने की जानकारी के साथ ही उन लोगों में हड़कंप मच गया है, जो खुद को ईडी के दायरे में मानते हैं। शहर में टीम के आने की चर्चा जंगल में आग की तरह फैल गयी।

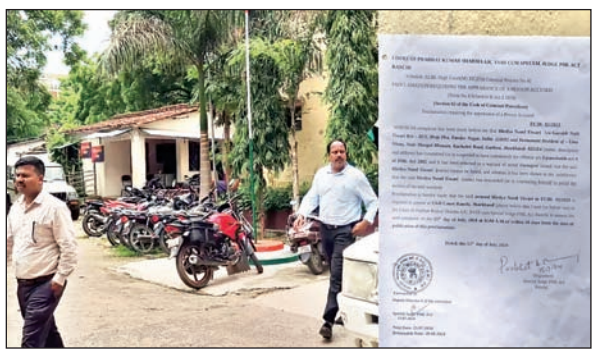

सूत्रों की माने तो यह पूरा मामला इंजीनियर वीरेंद्र राम से जुड़ा बताया जा रहा है। खबर है कि मंगल भवन के निकट उमा भवन में जिस हृदय नंद तिवारी के यहां नोटिस चिपकाया गया है, श्री तिवारी इंजीनियर वीरेंद्र राम का दिल्ली में जो सीए थे, जो सीए इडी के द्वारा पकड़े गये तो उन्होंने ही हृदयनंद तिवारी के सबंध में ईडी को जानकारी दी है कि हृदयनंद तिवारी ने ही उन्हें इंजीनियर वीरेंद्र राम से मिलवाया था। समझा जाता है का गिरफ्तार सीए द्वारा हृदयानंद का। न्यायालय में नाम लेने के कारण ही न्यायालय के कार्रवाई के दौरान इनका नाम सामने आया है, जिसके आलोक में आज नोटिस चिपकाया गया है। दरअसल हृदयनंद तिवारी गढ़वा सदर प्रखंड के एक गांव के हैं तथा खुद भी सीए है। वे न्यायालय से फरार चल रहे है। सूत्रों की माने तो कुछ माह पुर्व भी इडी की टीम हृदयानंद तिवारी नमक व्यक्ति की तलाश में उनके घर पर आयी थी।

दरअसल आज जो नोटिस हृदयानंद तिवारी के आवास पर चिपकाया गया है, उसमें उन्हें 15 जुलाई को सिविल कोर्ट रांची के विशेष अदालत प्रभात कुमार शर्मा के द्वारा जारी किया किया गया है। नोटिस के अनुसार एक माह के अंदर यानी 15 अगस्त तक हृदयानंद तिवारी को न्यायालय में हाजिर होने का आदेश दिया गया है। इधर इंजीनियर वीरेंद्र राम का ग्रामीण विकास में हुए बड़े घोटाले का तार गढ़वा पहुंचते ही यहां के कई लोगों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। शहर में चर्चा है कि कुछ और सफेद पोश इंजीनियर वीरेंद्र राम प्रकरण में जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के करीबी होने के कारण घेरे में आ सकते हैं।

मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से कामकाज ठप

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर जाने से प्रखंड में संचालित मनरेगा योजना का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। जहां एक तरफ नई योजना स्वीकृत नहीं हो रहा है वहीं दूसरी तरफ स्वीकृत योजना में डिमांड नहीं लग रहा है। डिमांड नहीं लगने से मनरेगा मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा है। जिससे मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। उनकी रोजी-रोटी के लिए आमदनी का एकमात्र जरिया भी समाप्त हो गया है। लिहाजा मजदूरों की दिनचर्या फांकाकशी में गुजर रही है। प्रखंड में रोजगार के अभाव में बड़ी संख्या में मजदूर मनरेगा कार्य पर ही निर्भर हैं। ऐसे में मनरेगा कर्मियों की हड़ताल उन्हें प्रभावित कर रही है। मानसून के समय में अभी बिरसा सिंचाई, आम बागवानी समेत अन्य कई योजना संचालित है। हड़ताल की वजह से योजनाओं के लाभुक भी आधा-अधूरा काम कराकर फंस गये हैं। कई अधूरे कूप बारिश की चलते धसने की स्थिति में है।

बता दें कि मनरेगा के तहत मजदूरों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके तहत विभाग द्वारा जल कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर मजदूरों को काम उपलब्ध कराया जाता है। मनरेगा मजदूर सलीम अंसारी विश्वनाथ सिंह ने बताया कि उनकी कमायी का एकमात्र जरिया मजदूरी है। बरसात की वजह से क्षेत्र में मजदूरी का काम नहीं मिलता। ऐसे में मनरेगा में मजदूरी ही एकमात्र साधन है। इधर मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने की वजह से काम नहीं मिल रहा है। जिससे रोजी रोटी पर भी संकट खड़ा हो गया है।

ग्रामीण को जंगली हाथी ने कुचला, मौत

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना क्षेत्र अंतर्गत कदवा उर्फ लिखनीधावरा गांव निवासी सकूराज कोरवा (65) जंगली हाथी ने कुचल कर मार डाला। जंगली हाथियों का उपद्रव दोबारा चालू जंगली हाथियों का झुंड एक आदिम जनजाति वृद्ध व्यक्ति को कुचल कर मार डाला मृतक की पहचान सकुराज कोरवा के रूप में की गयी है। घटना सोमवार की है। घटना की खबर सुनने के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी। वहीं ग्रामीणों में दहशत का भी माहौल है। शव को देखने के लिए काफी संख्या में लोग जमा हो गये। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग और थाना प्रभारी को दिया, जिसके बाद वन विभाग के प्रमोद यादव और थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। वहीं वन विभाग की टीम ने मृतक के परिजन को तत्काल सहायता के रूप में चार लाख रुपये मुआवजा के रूप में देने की बात कही। जानकारी के अनुसार मृतक लकड़ी चुने के लिए जंगल गया हुआ था, जहां एक जंगली हाथी ने उसपर हमला कर दिया और उसे कुचलकर मार डाला। इस दौरान प्रमुख शांति देवी, विधायक प्रतिनिधि अखिलेश यादव, सांसद प्रतिनिधि सुदर्शन प्रसाद गुप्ता, मुखिया रघुनाथ सिंह, सुंदर कोरवा सहित काफी लोगों मौजूद थे।

JHARKHAND SPACE APPLICATIONS CENTER
Department of Information Technology & e-Governance
Engineer's Hostel-I, Gol Chakkar, Dhurwa, Ranchi - 834 004
Tel. 0651 - 2401719 : : Email - directorjsac@gmail.com

Letter no. Su.Pra/JSAC/2024/367 Dated: 26.07.24

Tender Notice No. JSAC/02/2024

Jharkhand Space Applications Center (JSAC), Dept. of Information Technology & e-Governance, Government of Jharkhand invites online sealed Bids (Technical and Commercial) for Upgradation of ESRI Products and AMC.

The complete description, tender document & participation details can be seen and download from the website https://jsac.jharkhand.gov.in and https://jharkhandtenders.gov.in. The important date and time of the tender is as follows:

Tender Reference	**JSAC/02/2024, Date 26/07/2024**
Bid publishing Date	**30.07.2024 at 11.00 AM**
Start date of bid submission	**30.07.2024 at 11.00 AM**
Last date and time of Online Bid Submission.	**20.08.2024 at 3.00 PM**
Technical Bid Opening	**21.08.2024 at 01.00 PM** at Jharkhand Space Applications Center Engineer's Hostel-I, Dhurwa Ranchi – 834004
Financial Bid Opening	Will be communicated after opening and evaluation of technical bids.

Yours Sincerely
Sd/-
Director, JSAC

PR 331164 (Information Technology) 24-25 (D)

कार्यालय नगर परिषद रामगढ़

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि अपरीहार करणों से निविदा संख्या–NIT/RGH/NP/02/2024-25 3rd Call जिसका PR No.- 329870 District(24-25)D के द्वारा प्रकाशित निविदा Online भरने की तिथि में निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है :–

1	Last Date/ Time for Receipt of Bid Online	05.08.2024 By 4:00 PM
2	Opening of technical bid	06.08.2024 By 5:00 PM

नोटः– अन्य सभी निविदा की शर्तें यथावत् रहेंगे।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद रामगढ़।

PR.NO.331116 District(24-25):D

आजसू पार्टी के नेताओं ने दुख जताया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य नगवां निवासी डॉ इश्तियाक रजा की माता जी के निधन की सूचना प्राप्त होते ही पार्टी के नेताओं ने उनके आवास पर पहुंच कर डॉ इश्तियाक रजा और शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया और शोक संवेदना व्यक्त किया। ईश्वर पूरे परिवार वालों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति देने के लिए भगवान से कामना किया। मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव श्री गुप्तेश्वर ठाकुर, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक रविंद्र नाथ ठाकुर, युवा अजसू जिला सह प्रभारी राजन कुमार रवि, आजसू छात्र संघ के महासचिव जयनंद कुमार रवि,आजसू पार्टी के नगर मंडल प्रवक्ता मोहम्मद इकराम, अजय सिंह, नसीम खान आदि शमिल हुए।

डीएवी लीलाबच्चन पब्लिक स्कूल में हुआ पौधरोपण

मेराल (आजाद सिपाही)। डीएवी लीलाबच्चन पब्लिक स्कूल लातदाग मेराल के परिसर में पौधरोपण किया गया। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि प्राकृतिक चक्र दिशा बदलने और अनियंत्रित होने के कारण लोगों को प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसे बड़े पैमाने पर जन-धन की हानि हो रही है। कहीं बाढ़ तो, कहीं सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है। प्राकृतिक समस्याओं का समाधान सिर्फ प्राकृतिक संरक्षण देकर ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आयें हम सब मिलकर प्रकृति को बचायें। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार, ट्रेजर पारसनाथ विश्वकर्मा, उप प्रधानाचार्य मधु कुमारी सिंह, रिजवान अंसारी समेत स्कूल के बच्चे उपस्थित थे।

योजनाओं को जल्द पूर्ण करें पदाधिकारी : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभाकक्ष में वन अधिकार अधिनियम 2006 के (फॉरेस्ट राइट एक्ट) के तहत सरकार द्वारा चलाए जा रहे अबुआ बीर, अबुआ दिशोम अभियान की जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ समीक्षात्मक बैठक संपन्न की गयी।

बताते चलें कि पूर्व में अबुवा बीर अबुआ दिशोम अभियान के तहत जिला स्तर पर एक कार्यशाला आयोजित कर संबंधित पदाधिकारियों को अनुसूचित जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासियों को सामुदायिक वन

पट्टा/अधिकारों और वन संसाधनों पर अधिकारों से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया था। इस हेतु जिसे फॉरेस्ट राइट एक्ट के तहत भूमि पट्टा दिया जाना है, इसके लिए ग्राम स्तर पर ग्रामसभा का आयोजन किया जाता है। इस हेतु एफआरसी का गठन किया जा चुका है।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से सरकार द्वारा चलायी जाने वाली इस महत्वपूर्ण योजना को सक्रियता के साथ कार्य में तेजी लाते हुए पूर्ण करने का निर्देश दिया।

उक्त समीक्षात्मक बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी और दक्षिणी, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, रंका और श्री बंशीधर नगर, जिला कल्याण पदाधिकारी और समिति के गैर सरकारी सदस्यगण उपस्थित थे।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, राँची ।
(पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
Email - dsoranchigov@gmail.com

पत्रांक–233 / जि०खे० राँची, दिनांक–29.07.2024

आवश्यक सूचना (खेल)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–361 दिनांक–23.07.2024 के आलोक में राँची जिला के वैसे खिलाड़ी एवं उनके प्रशिक्षक जिन्होंने दिनांक–01.04.2023 के बाद अन्तर्राष्ट्रीय / भारतीय ओलम्पिक संघ से मान्यता प्राप्त खेलों की विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं आदि में पदक प्राप्त किये हो तथा विभागीय संकल्प संख्या–03 दिनांक–11.03.2023 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत "नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि)" प्राप्त करने की अर्हता (Eligible) धारित करते हो एवं जिन्हें अभी तक नकद पुरस्कार राशि प्राप्त नहीं हो सकी है, उनसे "नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि)" हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया जाता है। योग्य खिलाड़ियों का उनकी उपलब्धियों के लिए विभागीय संकल्प सं०–03 दिनांक–11.03.2023 के अनुसार नकद पुरस्कार राशि देय होगा।

योग्य खिलाड़ी / प्रशिक्षक "नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि)" हेतु अपना आवेदन विहित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरकार अनिवार्य रूप से दिनांक–06.08.2024 (मंगलवार) के अपराह्न 05:00 बजे तक कचहरी के विकास भवन स्थित (प्रथम तल) जिला खेल पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

नोटः– आवेदन का प्रपत्र एवं सम्मान राशि संबंधी विभागीय संकल्प संख्या–03 दिनांक–11.03.2023 जिला के अधिकारिक वेबसाईट ranchi.nic.in पर अथवा खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची की वेबसाईट–sports.jharkhand.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

विश्वासभाजन
ह०/–
जिला खेल पदाधिकारी, राँची।

PR 331132 (Art Culture Sports and Youth Affairs) 24-25 (D)

राजकीय माध्यमिक विद्यालय रपुरा (कांडी) में लगभग 10 लाख की चोरी, कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरपुर। ओपी क्षेत्र अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय रपुरा (कांडी) में भीषण चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। घटना शनिवार या रविवार रात्रि की है, इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। मिली सूचना के अनुसार सोमवार की सुबह जब विद्यालय खुला तो विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देखा कि विद्यालय के आई.सी.टी. लैब का ताला टूटा हुआ है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक उमाकांत तिवारी ने बताया कि सोमवार की सुबह जब विद्यालय खुला, तो विद्यालय के बच्चों के द्वारा देखा गया कि आई.सी.टी. लैब का ताला

टूटा हुआ है। मामले की सूचना मिलते ही मैं विद्यालय पहुंचा, वहां ग्रामीणों और पंचायत के मुखिया अनुज सिंह की उपस्थिति में देखा, तो लैब के सारे सामान चोरों के द्वारा चोरी की गयी है। उसके बाद मामले की सूचना हरिहरपुर ओपी को दी गयी। जांच करने पहुंची पुलिस के खिलाफ विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने जमकर नारेबाजी किया। इधर उचित कार्रवाई हेतु हरिहरपुर ओपी को लिखित आवेदन देकर मामले की छानबीन कर उचित कार्यवायी करने की गुहार लगायी है। हरिहरपुर ओपी में दिये गये आवेदन के अनुसार विद्यालय का 11 पीस कंप्यूटर पूरा सेटअप (आईएनपी कंपनी का माउस, कीबोर्ड, यूपीएस, इयरफोन), वेब कैमरा एक पीस, प्रिंटर एक पीस, बैट्री 100 अस्त्र 8 पीस, स्टेबलाइजर 5 किलोवाट एकपिस, इंवर्टर, कूलर, सर्वर वायरिंग पूरे सिस्टम, ए4 साइज के पेपर, प्रोजेक्टर और टीवी का चार पीस रिमोट, साउंड सिस्टम सहित आईसीटी का एक्स्ट्रा सामान और अभिलेख जिसकी कुल अनुमानित मूल्य 10 लाख रुपये की है। अब उक्त घटना से सारे विद्यालय में हड़कंप मच गयी है। क्योंकि कांडी प्रखंड के विद्यालयों में अब चोरी की घटना आम हो गयी है। इस संबंध में हरिहरपुर ओपी के एसआई दिलीप कुमार ने बताया कि मामले की प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई हेतु भेज दिया गया है और मामले की छानबीन में पुलिस लग गयी है।

Office of District Legal Services Authority, Lohardaga

Notice regarding vacancy of Member in Permanent Lok Adalat,

Application in the prescribed format is invited from persons having adequate experience in public utility services *(transport service for the carriage of passengers or goods by air, road or water, or postal telegraph or telephone service, or supply of power, light or water to the public by any establishment or system of public conservancy or sanitation: or service in hospital or dispensary, or insurance service, or banking service or education or educational institutions; or housing and real estate services)* for filling up the post of Member, PLA of Lohardaga.

Number of posts- 1

Entitlement: Sitting fee of Rs.2000/- per sitting and Rs.5000/- conveyance allowance per month.

Period of appointment: The Member shall hold office for a term of 5 years or till the age of sixty-five years, whichever is earlier. Applicant must attach **one recent passport size photograph affixed in application, two self addressed stamped envelope (Rs.42/- each)** with the application.

Last Date of application: Application addressed to **Chairman, District Legal Services Authority, Civil Court, Lohardaga** must reach by Speed Post/Courier/Registered Post latest by **27-08-2024** by **5 PM**.

The application form may be downloaded from official website of Civil Court, Lohardaga https://districts.ecourts.gov.in/lohardaga and can be obtained from the office directly.

Sd/-
Secretary
D.L.S.A., Lohardaga

PR 331146 (Lohardaga) 24-25 (D)

गढ़वा से अपराध और भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए कमर कस चुकी है जनता: सत्येंद्रनाथ तिवारी

झामुमो के 50 से अधिक लोग भाजपा में हुए शामिल, पूर्व विधायक ने माला पहनाकर किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा के पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा है कि हेमंत सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गयी है। राज्य सरकार के पौने पांच वर्ष में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। गढ़वा में दिनदहाड़े गोली चालन की घटना घट रही है। सभी जाति व धर्म के व्यवसायी वर्ग सहमा हुआ है। एक तरफ लोगों को झूठे केस में फंसाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ आए दिन आपराधिक घटनाएं घट रही है। पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी सदर प्रखंड के टेढ़ी हरैया गांव में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। इस दौरान गांव के 50 से अधिक

मुस्लिक समुदाय के लोग झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये। पूर्व विधायक ने सभी को पार्टी का पट्टा और माला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार के कार्य प्रणाली से लोग ऊब चुके हैं। सभी की निगाह भाजपा की ओर है। आने वाले समय में भाजपा की सरकार बनेगी और राज्य की विधि-व्यवस्था को फिर से चुस्त दुरुस्त किया जायेगा। ताकि लोग अमन व चैन से जीवन गुजर बसर कर सकें। उन्होंने कहा कि स्थानीय मंत्री सह विधायक गढ़वा का अपराधिकरण की ओर ढकेल दिया है। गढ़वा के लोग न्यायप्रिय व्यवस्था में विश्वास करते हैं। आने वाले चुनाव में गढ़वा से अपराधिकरण को समाप्त करने के लिए क्षेत्र की जनता आतुर है। चारों ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। बिना पैसा का कोई काम नही हो रहा है। मौके पर पार्टी में शामिल होने वाले ग्रामीणों ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में गढ़वा ही नहीं बल्कि पूरे राज्य की जनता, खासकर व्यवसायी शांति से रह रहे थे। लेकिन जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है। विधि-व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गयी है। आये दिन गोली चालन की घटना से आम-आवाम दहशत में है। गढ़वा में कई घटनाएं घटी है। जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों की हत्या की दी गयी। बावजूद किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गयी है। गढ़वा के पचपड़वा में युवक की हत्या, चिनियां में मुखिया पति की हत्या और कुछ दिन पहले ही मुस्लिम युवक पर गोली चलायी गयी, जिसमें वे बाल-बाल बचा है। भाजपा सरकार में ही लोग अमन व चैन से जीवन गुजार सकते हैं। लोगों ने कहा कि फिर से 2009 की चुनाव की तरह हलचल पैदा होगी। मुस्लिम बहुल्य गांव में एक टीम बनाकर दौरा किया जायेगा। भाजपा के पक्ष में कार्य किया जायेगा। मौके पर हाजी जउवाद, जिला मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, लक्ष्मीकांत पांडेय, विकास तिवारी आदि उपस्थित थे। भाजपा में शामिल होने वालों में आजम अंसारी, गुलाम मुस्तफा, मोजकीर हुसैन, डॉ. मेहदी हसन, जिसान अंसारी, सदाम अंसारी, गुलाम अहमद रजा, रिजवान अंसारी, तौहीद, मकसूद, फारूक, मोख्तार, रकीम, दिलकस, शफुर्दीन अंसारी, इमामुदीन, जहीर, असगर, आरिफ, अलीमुर्दीन अंसारी सहित 50 से अधिक लोगों का नाम शामिल हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

अति अल्पकालीन ई–पर्नुनिविदा आमंत्रण सूचना

PR No.-317608 REO (23-24)#D

पत्रांकः– दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा संख्याः–18/RE/2023-24/RWD /EE/RANCHI

क्रम सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि / अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/RANCHI/ 31/ STPKG/17/ 2023-24	भौरा स्कूल मोड़ से दलादली आर0ई0ओ0 रोड तक पथ का सुदृढ़कीकरण कार्य। (ल0–1.200 कि0मी0) चौली मोड़ से पतराचौ ली तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–1.530 कि0मी0) बिजुलिया मोड़ से तिगरा पथ तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–3.000 कि0मी0) पिस्का रेलवे स्टेशन से भागलपुर तुसमु तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–2.250 कि0मी0) दलादली बगीचाटोली से सतीश चौक तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–3.000 कि0मी0) मलमांडू चौक से ता रूप तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (ल0–3.400 कि0मी0)	13,21,38,900.00	तेरह करोड़ इक्कीस लाख अड़तीस हजार नौ सौ रूपये मात्र।	15 माह	द्वितीय

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः–**02.08.2024**
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–**10.08.2024** अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–**12.08.2024** अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमण्डल, राँची

PR 331153 (REO) 24-25 (D)

अंजुमन इस्लामिया ने खलारी सीओ को मैदान पर अवैध कब्जा रोकने के लिए ज्ञापन सौंपा

खलारी (आजाद सिपाही)। अंजुमन इस्लामिया के लोगों ने सोमवार को खलारी अंचलाअधिकारी प्रणव अंबष्ट से मिल कर खलारी पंचायत अंतर्गत टी-2 टाइप क्वार्टर के समीप स्थित मैदान पर अवैध कब्जा को रोकने के लिए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि उक्त मैदान को विगत कुछ दिनों से अज्ञात लोगों के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। कहा गया कि वर्ष 1937 से खलारी सिमेट फैक्ट्री के स्थापना काल के बाद से पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिन के अवसर पर मिलाद और लंगर खानी का आयोजन लगातार होता आ रहा है। जिसमें 12 गांवों के लोग उपस्थित होकर एक साथ मिलकर ईद-मिलादुन्नबी का आयोजन करते आ रहे है। समुदाय की भावना का सम्मान करते हुए खलारी सिमेंट फैक्ट्री के द्वारा उक्त स्थल (जमीन) को मुस्लिम समप्रदाय के लोगों को पैगंबर मुहम्मद साहब का मिलाद मनाने हेतू चिन्हित कर दिया गया था। अत: इस जमीन में अवैध रूप से हो रहे कब्जे को रोक लगाने का आग्रह किया। वहीं मामले को लेकर खलारी अंचलाधिकारी प्रणव अम्बष्ट ने अवैध निर्माण पर रोक लगाने सहित कानूनी कार्रवाई करने का आष्वासन दिया। मौके पर असलम अंसारी, अब्दुल कादिर अंसारी, वाहिद अंसारी, नियामत अंसारी, मो चांद अंसारी, अरशद अंसारी, अशरफ खान, सद्दाम अंसारी आदि मौजूद थे।

ऑल इंडिया माइंस सेफ्टी प्रतियोगिता में अशोक परियोजना को मिला दूसरा पुरस्कार

पुरस्कार प्राप्त करते जीएम और मैनेजर।

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार एरिया के अशोक परियोजना को खान सुरक्षा मे कोल इंडिया स्तर पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। जानकारी के अनुसार विश्व बंगला कंवेंशन सेंटर कोलकाता में आयोजित माइंस सेफ्टी आवार्ड 2024 के पुरूस्कार समारोह में पिपरवार एरिया के अशोक परियोजना खुली खदान को मध्यम ओपनकास्ट खदान में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबधंक संजीव कुमार ओर अशोक परियोजना के खान प्रबंधक एसके सिंह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया है। ज्ञातव्य हो कि यह कंपटीशन भारत सरकार श्रम मंत्रालय की ओर से खान सुरक्षा महानिदेशालय के द्वारा देश के सभी तरह के खदानों जैसे कोयला, लौह, चूना पत्थर, पेट्रोलियम और गैस इत्यादि के बीच आयोजित की गयी थी और सर्वश्रेष्ठ खदानों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें सीसीएल के आधीन संचालित खदानों में दो पुरस्कार प्राप्त हुए, जिसमें एक अशोक ओसीपी भी सम्मिलित है। इधर अशोक परियोजना को पुरस्कार मिलने पर पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार और अशोक परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

एनसीसी कैडेट्स का विशेष प्रशिक्षण संपन्न

सांस्कृतिक महोत्सव 2024 की पुस्तकों का लोकार्पण के दौरान एनसीसी कैडेट्स प्रशिक्षक और प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह।

खलारी (आजाद सिपाही)। सरस्वती विद्या मंदिर करकट्टा में सोमवार को एनसीसी कैडेट्स का विशेष प्रशिक्षण संपन्न। प्रशिक्षण में विद्यालय के प्रथम और द्वितीय वर्श के कुल 50 एनसीसी कैडेट्स शामिल हुए। इस दौरान प्रशिक्षण देने के लिए तीन बॉयज एनसीसी बटालियन रांची से आये सुबेदार विजय कुमार गुप्ता तथा हवलदार रविंद्र प्रताप विशेष रूप से उपस्थित थे। वहीं प्रशिक्षण के पश्चात दोनों प्रशिक्षकों के कर कमलों से सांस्कृतिक महोत्सव 2024 की पुस्तकों को नये कलेवर के साथ लोकार्पण संपन्न कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह के अलावा सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित थे।

कांवरियों का दल बाबाधाम के लिए रवाना

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज से कांवरियों का दल बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। जाने से पुर्व रामसेवक प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में दल के सभी कावरियों ने हरिहरनाथ धाम बगोदर में पूजा अर्चना किया। साथ ही हर हर महादेव और बोल बम का जयकार लगाया। जाने वाले कावरियों में बसंत कुमार पंकज, अशोक प्रसाद गुप्ता, इंदर साहु, राजू भुइयां, प्रदीप प्रसाद, वीना देवी, बसंती देवी, पुष्पा गुप्ता, फूलकुमारी देवी, मुन्नी देवी, रुक्मणी देवी, रेणु देवी, रजंती देवी, अरविंद शामिल है।

सात हाइवा डंपर जब्त, गाड़ी मालिकों ने 16 घंटे तक कोयला ढुलायी बंद रखी

आजाद सिपाही संवाददाता

पुलिस द्वारा जब्त किया गया हाइवा डंपर।

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में हो रही कोयला ढुलाई के काम में सड़क सुरक्षा सहित अन्य मानकों का पालन कराने को लेकर विशेष अभियान चलाया। सिमरिया एसडीओ के निर्देश पर पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा के नेतृत्व में चलाये गये इस अभियान में करीब सात कोयला लदे हाईवा डंपरों को जप्त किया गया है। पिपरवार पुलिस का यह अभियान सीएचपी/सीपीपी से बचरा साइडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई के ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर चलाया गया। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात पिपरवार पुलिस ने सिमरिया एसडीओ के निर्देश पर पिपरवार थाना क्षेत्र के बचरा झूला पुल स्थित किशोर गैरेज के समीप अभियान चलाया, इस दौरान बिना तिरपाल और ओवरलोड के साथ कोयला ढुलाई कर रहे कुल सात हाईवा डंपरों को जब्त किया गया। इस दौरान कई गाड़ियों में संबंधित कागजात की भी कमी पायी गयी। जब्त सभी वाहनों को सड़क किनारे ही खड़ा कर दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने बताया कि तिरपाल ढक कर कोयला ढुलाई करने, अंडर लोडिंग कोयला ढुलाई और गाड़ी से संबंधित सभी कागजात साथ में रखने और सुरक्षा मानकों को सख्ती से पालन करने को लेकर सिमरिया एसडीओ के निर्देश पर पुलिस के द्वारा यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगी। पुलिस के द्वारा जब्त किये गये वाहनों में जेएच01 डीयु-3644, जेएच01बीएन-1473, जेएच01 एडब्ल्यू-7903, जेएच01सीजे-6970, जेएच01 एबी- 0227, जेएच02 एसी-1974 और जेएच01सीके-1705 शामिल है। इधर पुलिस के इस अभियान के बाद सीएचपी से बचरा साईडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई के काम को गाड़ी मालिकों ने बंद करा दिया। गाड़ी मालिकों का कहना था कि टंडवा एनटीपीसी से ओभरलोड होकर जहरीले राख की ढुलाई हो रही है, वहीं आम्रपाली और चट्टी बारियातु से बड़े-बड़े कोल वाहनों का परिचालन ग्रामीण इलाकों से हो रहा है, लेकिन इस पर कोई कारवाई नहीं हो रही है, लेकिन सीएचपी से बचरा साईडिंग तक होने वाली कोयला ढुलाई मे लगे डंपरों पर कार्रवाई की जा रही है। जिससे गरीब आनरों को काफी परेशानी हो रही है। सोमवार की दोपहर जब्त वाहनों के मालिको द्वारा ऑन लाईन जुर्माना देने के बाद सभी वाहनों को छोड़ा गया, जिसके बाद करीब 16 घंटे के बाद कोयला ढुलाई का काम चालु हुआ।

आदिवासी हरिजन गरीबों को वन पट्टा नहीं दिया गया, तो होगा जन आंदोलन : मथुरा प्रसाद साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातु। प्रखंड के जिंतुडीह मुंडा टोली में किसान जनाधिकार मंच की बैठक हुई बैठक में मुख्य रूप से किसान जनाधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मथुरा प्रसाद साहू की उपस्थिति में एक ग्राम सभा समिति का गठन किया गया। साहू ने कहा कि किसान जनाधिकार मंच एक सामाजिक संगठन है तथा चुनाव की राजनीति नहीं करती है। इस संगठन के माध्यम से प्रखंड के विभिन्न ज्वलंत जन समस्याओं के सवाल पर काम करती है। साथ ही श्री साहू ने कहा कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक गांव में ग्राम समिति बनाया जा रहा है। सोनाहातू पूर्वी में कई गांवों में वन भूमि को जोत कोड के लायक बनाकर करीब तीस-चालीस वर्षों से खेती आबाद करते आ रहे हैं तथा मकान बनाकर रह रहे हैं। वन विभाग द्वारा इन आदिवासी हरिजन को जमीन खाली करने का नोटिस किया गया है। उक्त विषय पर श्री साहू ने कहा, वन विभाग के पदाधिकारी से बात कर वन पट्टा दिलाने पर पहल किया जायेगा। अगर यहां के आदिवासी हरिजन गरीबों को वन पट्टा नहीं दिया गया, तो इसके खिलाफ जन आंदोलन किया जायेगा। ग्राम समिति में निम्नलिखित साथियों का चयन किया गया अध्यक्ष दीनबंधु सिंह मुंडा, कार्यकारी अध्यक्ष बेनी माधन सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह मुंडा, महासचिव बुद्धेश्वर सिंह मुंडा, सचिव लक्ष्मीकांत सिंह मुंडा, संगठन सचिव सुधु स्वांसी, कोषाध्यक्ष रासबिहारी महतो, कार्यकारिणी सदस्य में चैता स्वांसी, राजेंद्र लोहरा, जवाहरलाल सिंह मुंडा, शरत सिंह मुंडा आदि का चयन किया गया।

लिनियर प्लांटेशन योजना के तहत सभी विद्यालयों और सरकारी कार्यालयों के पास होगा पौधरोपण : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। लिनियर प्लांटेशन योजना के तहत मनरेगा योजना से जिले के सभी विद्यालयों और सरकारी भवनों के पास पौधरोपण किया जायेगा। इस योजना की शुरूआत उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सोमवार को श्री हरि प्लस टू उच्च विद्यालय में पौधारोपण कर किया। मौके पर उपायुक्त ने आम, हाइब्रीड जामुन, सगवान, लीची आदि के पौधे लगाये। इस मौके पर बीडीओ कुमुद कुमार झा, सीओ पूजा बिन्हा, बीइइओ सुदामा मिश्रा, श्री हरि उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका किरण हेरेंज आदि उपस्थित थे। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा के तहत जिले के सभी विद्यालयों में लिनियर वृक्षारोपण होगा। इस मुहिम की शुरूआत तोरपा से हुई। इससे पर्यावरण संतुलन में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चे पौधा लगायें तथा उसका संरक्षण करें। शहीदों के नाम पर होंगे वृक्षों के नाम मौके पर तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद कुमार झा ने बताया कि विद्यालय में लगाये जाने वाले पौधों के हमारे स्वतंत्रता सेनानियों तथा अमर शहीदों के नाम पर होगा। प्रत्येक वृक्ष की जिम्मेवारी अलग-अलग स्कूली बच्चों को दी जायेगी। ये बच्चे पौधों की देखभाल करेंगे तथा उनका संरक्षण करेंगे। ऐसा करने से विद्यार्थी शहीदों की गाथा के बारे में जानेंगे तथा उनमें पर्यावरण संरक्षण की भावना का विकास होगा।

डीसी ने किया विद्यालय का निरीक्षण पौधरोपण के बाद डीसी लोकेश मिश्रा ने श्री हरि उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया उन्होंने अलग-अलग कक्षा में जाकर विद्यार्थियों से बात की तथा मेहनत व ईमानदारी से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विद्यालय की स्मार्ट क्लास, साइंस लैब का भी निरीक्षण किया।

अस्पताल से गायब रहने वाले चिकित्सकों पर होगी कार्रवाई : लोकेश मिश्रा

अपने तोरपा दौरे के क्रम में उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सोमवार को रेफरल अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित पंजी की जांच की और बारी-बारी से सभी स्टाफ को बुलाकर उपस्थिति की जांच की। ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सकों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गायब रहने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी।

प्रधानाध्यापिका तथा विद्यालय के शिक्षकों से बात कर उनकी समस्या जानी तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया।

सावन की दूसरी सोमवारी पर बोल बम के नारों से गुंजायमान रहा बाबा आम्रेश्वर धाम

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पवित्र सावन महीने की दूसरी सोमवारी पर क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी, शहर के पुरातन महादेव मंडा, तोरपा के बाबा नागेश्वर धाम सहित जिले के अन्य शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम के स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए रविवार रात से ही श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे थे। देर रात से ही यहां मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार पर जलाभिषेक के लिए आये श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गयी थी। तड़के साढ़े तीन बजे जैसे ही मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों के पट खुले, पूरा वातावरण बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान घंटों कतार में खड़े भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में शांति और सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस के जवान, एनसीसी कैडेट और प्रबंध समिति के सदस्य व्यवस्था संभालते हुए भक्तों को कतारबद्ध मंदिर में प्रवेश कराते रहे। तड़के प्रारंभ हुए जलाभिषेक का यह दौर पूरे दिन अनवरत जारी रहा। पूजा-अर्चना के बाद दूर-दराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने धाम परिसर में लगे श्रावणी मेले का आनंद उठाया। मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। साथ ही डंडाधिकारियों के साथ समुचित संख्या में महिला और पुरुष बल के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। मेले में लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं। चिकित्सा सुविधा के लिए अंगराबारी स्थित हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को चिकित्सकीय सुविधा के साथ 24 घंटे क्रियाशील बनाया गया है। जलाभिषेक के लिए आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसे ध्यान में ल्ररख बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार के अलावा संतोष पोद्दार, श्रीपाल जैन, सुखदेव भगत, कैलाश भगत, अरुण कर, महेंद्र भगत, परिमल घोष, महेंद्र अग्रवाल, सत्यजीत कुंडू, दुर्गा महतो, ओम प्रकाश कुमार, आदि प्रबंध समिति के पदाधिकारी व सदस्य पूरे दिन धाम परिसर में मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

खलारी में भक्तों ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में सावन माह की दुसरी सोमवारी पर शिवभक्तों का भीड़ काफी संख्या में देखा गया। खलारी क्षेत्र के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर, श्री जानकी रमण मंदिर, खलारी बाजारटांड़ स्थित शिवालय, न्यू शांति नगर शिवालय, करकट्टा शिवालय, धमधमियां नौ नंबर शिवालय, डकरा, मोहननगर, सुभाषनगर, बी-टाईप सहित अन्य शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्तों ने हर-हर महादेव व बोल बम के नारों के साथ भोलेनाथ को जलाभिषेक किया। इससे पूर्व मंदिर परिसर तथा भोलेनाथ को फुल मालाओं से सजाया गया। सुबह से ही क्षेत्र के शिवालयों में भक्ति गीत बजने से वातावरण भक्तिमय हो गया था।

शिवालयों में सावन की दूसरी सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में सोमवार से सावन माह की दुसरी सोमवारी पर कोयलांचल क्षेत्र के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गई। बचरा चार नंबर चौक स्थित जय बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर प्रांगण में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालु भक्त मंदिर प्रांगण जाकर विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। इस दौरान भगवान भोलेनाथ के जयकारे से पूरा इलाका गूंज उठा।इधर बेंती शिव मंदिर के प्रांगण में सावन माह के दुसरी सोमवारी पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। इस दौरान श्रद्धालु भक्त मंदिर प्रांगण जाकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया। साथ ही क्षेत्र की अमन चैन और खुशहाली की प्रार्थना की। इस मौके पर मंदिर समिति के सभी लोग मौजूद थे। इधर बचरा चार नंबर चौक स्थित जय बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर के प्रागंण में देर शाम को मंदिर समिति के द्वारा सभी श्रद्धालुओं के बीच खीर महाप्रसाद का वितरण किया गया।

पांच लाख रुपये का स्क्रैप बरामद

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। सोनाहातू थाना क्षेत्र के रगामाटी सिल्ली पथ पर डीबाडीह के पास पुलिस ने छापामारी कर लगभग पांच लाख का स्क्रैप बरामद किया है और चार ट्रैक्टर और एक हाइवा को जब्त किया है। इस संबंध में सोनाहातू थाना में मामला दर्ज किया गया है। छापामारी में थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल थे

दशमफॉल पुलिस ने बालू लदे हाइवा को किया जब्त

तैमारा (आजाद सिपाही)। दशम फॉल पुलिस ने जेएच 01 एसपी 6222 में बालू लदे हाईवा को जब्त किया। हाइवा सरायकेला खरसावां जिले के तिरूलडीह इचागढ़ घाट से बालू लाद कर रांची जा रही थी। हाइवा का जांच करने पर 600 सीएफटी बालू के स्थान पर 900 सीएफटी बालू लगी थी। इस विषय पर बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी ने कहा कि ऐसे अवैध बालुओं की जांच समय-समय पर किया जाता है।

श्राद्धक्रम में शामिल हुए राजा पीटर

बुंडू (आजाद सिपाही)। नावाडीह टोली निवासी राजकुमार माझी के पिताजी के श्राद्धक्रम में राजा पीटर शामिल हुए। उन्होंने दुखित परिवार को इस दुख की घड़ी में संयम बरतने को कहा। इस अवसर पर अटकू चौधरी, प्रमोद भगत, राजा कर्मकार और सचिन दास शामिल हुए।

कर्रा में अवैध बालू लदा हाइवा जब्त, चालक गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी राम नरेश सिंह और खान निरीक्षक पिंटू कुमार ने सशस्त्र पुलिस बल और कार्यालय कर्मी पवन देव गंझू तथा मथुरा मुंडा के सहयोग से विवार की रात दो बजे से छह बजे तक कर्रा और जरियागढ़ थाना क्षेत्र के अवैध बालू खनन स्थलों में छापामारी अभियान चलाया। खनन विभाग की टीम ने अवैध उत्खनन स्थल कौआखाप (जलंगा), मास्को तथा बमरजा में छापामारी अभियान चलाया। बमरजा से 700 घनफीट अवैध बालू लदे एक हाइवा को जब्त कर उसके चालक को गिरफ़्तार किया गया। इस संबंध में कर्रा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी कयी है। बमरजा कर्रा रोड से एक बिना रजिस्ट्रेशन नंबर का ट्रैक्टर 100 घनफीट बालू लदी ट्रॉली के साथ जब्त कर थाने को सुपुर्द किया गया है। यह जानकारी जिला प्रशासनन द्वारा जारी विज्ञप्ति में दी गयी।

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का जिला परिषद खूंटी में विलय

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का जिला परिषद, खूंटी में विलय हो गया है। जिला परिषद की परिषद सभागार में सोमवार को परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आशय का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में केंद्र प्रायोजित डीआरडीए प्रशासन योजना के बंद होने तथा पंचायतीराज अधिनियम, 2001 की धारा 77 (ख) के आलोक में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) का जिला परिषद (पंचायती राज विभाग) में विलय होने की जानकारी परिषद के सदस्यों को दी गयी। बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, खूंटी जिला परिषद के सभी सदस्य के लावा शासी निकाय के सभी अधिकारी, सदस्य उपस्थित थे।

मिंज ब्रदर्स रांची की टीम ने जीती शहीद वाल्टर गुड़िया फुटबॉल प्रतियोगिता

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा में चल रही तीन दिवसीय शहीद वाल्टर गुड़िया फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच सोमवार को खेला गया। फाइनल मैच में मिंज ब्रदर्स रांची की टीम भगत इलेक्ट्रॉनिक पीएमपी परेहाट की टीम को ट्राई ब्रेकर में 5-4 के अंतर से हराकर चौंपियन बनी। विजेता टीम को 81 हजार रुपए नकद, ट्रॉफी और मेडल तथा दिया गया। उपविजेता टीम को भी 51 हजार रुपये नगद, ट्रॉफी मेडल व दिया गया। पुरस्कार वितरण सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक डीएन लाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। ये थे उपस्थित रू प्रतियोगिता के समापन के मौके सीआरपीएफ के द्वतीय कमान अधिकारी मृत्युंजय कुमार, बीडीओ कुमुद झा, पुलिस इंस्पेक्टर अशोक सिंह, थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, जिप अध्यक्ष मसीह गुड़िया, जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, प्रमुख रोहित सुरीन, उप प्रमुख संतोष कर, भाविमो के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महासचिव कैसर खान, भाजपा नेता कलीम खान आदि उपस्थित थे।

श्रमिक क्लब में इंडिया गठबंधन की बैठक आज

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा श्रमिक क्लब में आज इंडिया गठबंधन की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी है। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया जायेगा। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अंबा प्रसाद और उनके भाई सुमित उर्फ अंकित राज उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान बचरा उतरी और दक्षिणी पंचायत कांग्रेस कोर कमेटी का भी गठन किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता ने इंडिया गठबंधन के सभी लोगों से बैठक में शामिल होने की अपील की है।

आजसू पार्टी की विधानसभा चुनाव पर हुई चर्चा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी पिपरवार नगर कमेटी की एक आवश्यक बैठक सोमवार को बचरा बाजारटांड़ स्थित पार्टी कार्यालय मे संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के पिपरवार नगर अध्यक्ष बिनोद सिंह और संचालन उमेश मेहता ने किया। बैठक में पार्टी को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान चलाने सहित पिपरवार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत के बूथ में चूल्हा प्रमुख बनने को लेकर विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशनलाल चौधरी को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से जीत दिलाने का संकल्प लिया गया। नगर अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार है। केंद्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर बुथ स्तर पर चूल्हा प्रमुख बनाया जा रहा है। बैठक मे बिनोद सिंह,उमेश मेहता, उगन महतो, काशीनाथ महतो, राज कमल सिंह सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीआइपी में सुरक्षा प्रहरी की बहाली को लेकर असिस्टेंट सिक्योरिटी ऑफिसर पर 40 हजार मांगने का लगा आरोप

बहाली के नाम पर अवैध रूप से राशि मांगने वालों पर होगी कार्रवाई : एरिया मैनेजर

पूर्व से कार्य कर रहे सुरक्षा कर्मियों ने एओ को दिया ज्ञापन

सुनील कुमार गुप्ता

कांके (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मन चिकित्सा संस्थान (सीआइपी) इन दोनों फिर विवादों में है। कारण यहां कई वर्षों तक कार्य करने वाले निजी सिक्योरिटी एजेंसी एसआइएस को इस सुरक्षा कर्मियों को रखने का ठेका अधिकार नहीं मिला। इसके स्थान पर इंटेलिजेंस सिक्योरिटी ऑफ इंडिया को ठेका निविदा के तहत मिला है। इसी के आलोक में कंपनी ने असिस्टेंट सिक्योरिटी ऑफिसर परवेज आलम को रखकर यहां संस्थान में कार्य करने

वाले सुरक्षा प्रहरी सहित चार पदों की नियुक्ति की जा रही है। जानकारी के अनुसार इस कंपनी को 150 सुरक्षा प्रहरी पुरुष और महिला रखने का ठेका मिला है। इसके तहत कंपनी ने 26 जुलाई तक कार्य करने के इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन भरवाया और 27-28 और 29 जुलाई को टाटीसिलवे में स्किल टेस्ट लिया। सोमवार की दोपहर पूर्व से संस्थान में कार्य कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने समाजसेवी बॉबी खान के नेतृत्व में संस्थान के प्रशासकीय पदाधिकारी डॉ अविनाश शर्मा को ज्ञापन सौंप कर कहा कि उन लोगों को असिस्टेंड सिक्योरिटी ऑफिसर परवेज आलम और पुराने एक सुपरवाइजर फिरोज अंसारी द्वारा फोन कर कंपनी के तहत बहाली नियुक्ति के लिए 40 हजार रुपये की मांग की जा रही है। साथ ही जितने दिन भी कंपनी सिक्योरिटी गार्ड का काम देगी उसके हिसाब से प्रत्येक दिन का 60 रुपये अलग से वेतन मिलने के बाद देना होगा। सुरक्षा गार्ड्स ने इसकी लिखित शिकायत डॉ अविनाश शर्मा से की है। सुरक्षा कर्मियों ने यह भी आरोप लगाया कि रजिस्ट्रेशन, वर्दी, ट्रेनिंग के लिए भी अलग से रुपया देने को कहा जा रहा है। परवेज आलम और फिरोज अंसारी के फोन आने के बाद सुरक्षा कर्मियों ने किस्त में पैसा देने की बात की। जिसे परवेज ने नकार दिया और एक से दो दिनों के भीतर पैसा नहीं देने पर नौकरी छोड़ने को कहा। इसके बाद सुरक्षा कर्मी अपना आपा खो बैठे और डॉ अविनाश शर्मा से मिलकर अपनी व्यथा सुनायी। कहा कि इस कंपनी को ही हटा दिया जाए, क्योंकि यह अभी कार्य भी आरंभ नहीं की और अनियमितता कर रही है। अवैध ढंग से राशि की वसूली कर रही है। इस संबंध में डॉ अविनाश शर्मा ने निदेशक डॉ तरुण कुमार से बात कर इस पर कार्रवाई करने की बात कही। कई सुरक्षाकर्मियों ने आरोप लगाया कि परवेज आलम और निदेशक डॉ तरुण कुमार की मिली भगत से ही पैसा की अवैध वसूली की जा रही है। इस संबंध में इंटेलिजेंस सिक्योरिटी आफ इंडिया के एरिया मैनेजर अजय कुमार सिंह ने बताया कि बहाली के नाम पर इस तरह की अगर अवैध वसूली की जा रही है तो कंपनी कार्रवाई करेगी। इसकी जानकारी कंपनी के अधिकारियों को दी जाएगी। कंपनी निविदा के तहत आने वाले पैरामीटर के हिसाब से सुरक्षाप्रहरियों सहित अन्य पदों की बहाली करेगी। पैसे की वसूली हो रही है तो यह गलत है।

महत्वपूर्ण न्यूज

जंगली हाथियों ने रातभर मचाया उत्पात दुकान क्षतिग्रस्त कर चट किया खाद्यान

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिकिदिरी थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों का आंतक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की रात दो जंगली हाथी हुण्डरू फॉल में माला देवी की दुकान का दरवाजा तोड़कर चावल, दाल, आलू आदि खाद्य सामग्री को चट कर गए। बताया जा रहा कि रात 11 बजे जंगली हाथी हुण्डरू फॉल परिसर में घुसे और कियोस्क नंबर एक दुकान को निशाना बनाया। दरवाजा तोड़कर पुरी तरह बर्बाद करने के बाद कमरे में रखे एक क्विंटल चावल एवं 25 किलो आलू की बोरी को खींच कर बाहर निकाल कर खा गए। उस वक्त दुकान में माला देवी एवं बेटा आशीष कुमार मौजूद थे। दोनों मां बेटे ने किसी तरह छिपकर अपनी जान बचाई। इधर जंगली हाथी हुण्डरू जारा के प्राथमिक विद्यालय के चारदीवारी के अंदर भी प्रवेश किए। लेकिन कोई नुकसान नहीं किया। उधर, सूचना पाकर सोमवार की सुबह कुच्चू मुखिया सहदेव बेदिया एवं ग्राम प्रधान बालेश्वर बेदिया हुण्डरू फॉल पहुंचे और जंगली हाथियों से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने जंगली हाथी से प्रभावितों को उचित मुआवजा देने एवं सर्च लाईट आदि की व्यवस्था करने की मांग वन विभाग के रेंजर से की। इधर, वनरक्षी कृष्ण महतो ने हुण्डरू फॉल पहुंचकर ग्रामीणों के बीच चार पैकेट पटाखे बांटे। मौके पर ग्राम प्रधान जयदेव बेदिया, हुण्डरू वन समिति के अध्यक्ष बुधराम बेदिया, नयूम अंसारी, मेघनाथ बेदिया, जीतवहन भोगता, राजेश बेदिया विष्णु बेदिया चंद्र उदय बेदिया हरिचरण बेदिया आदि उपस्थित थे।

झारखंड के 24 जिलों के मुखियाओं ने सोमा उरांव को बनाया प्रदेश मुखिया संघ का अध्यक्ष

कांके (आजाद सिपाही)। झारखंड के 24 जिलों के मुखिया, जिला, प्रखंड व पंचायत के मुखियाओं ने झारखंड प्रदेश मुखिया संघ का गठन करने को लेकर बोड़ेया गोल्डन मोमेंट्स बैंक्विट हॉल में बैठक की। जिसमें सर्वसम्मति से रांची जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष, सह बोड़ेया पंचायत के मुखिया सोमा उरांव को झारखंड मुखिया संघ का अध्यक्ष चुना। वहीं, उपाध्यक्ष प्रमिला सिंह, गुरुचरण मुंडा, महासचिव रंजीत कुमार मेहता, प्रधान महासचिव महताब आलम, सचिव साधो उरांव, जितेंद्र कुमार पांडे, संगठन सचिव अजय टोप्पो, कोषाध्यक्ष मुकेश यादव बनाया गया है। बाद में कमेटी का विस्तार करते हुए प्रदेश भर से कुल 11 पद उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव पांच, प्रदेश सचिव 11, प्रदेश संगठन सचिव 11, प्रदेश कोषाध्यक्ष 2 , तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के लिए प्रत्येक जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला से पुरुष महिला मिलकर पांच- पांच मुखियाओं का नाम मांगा गया है। लगभग 100 के आसपास मजबूत कार्यकारिणी की टीम बनायी जाएगी. जिसे शीघ्र ही कमेटी विस्तार में जोड़ दिया जाएगा। वहीं, सोमवार को हुई बैठक में झारखंड के सभी जिलों के मुखिया, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं पंचायत के मुखिया उपस्थित हुए। इनमें उदय सिंह, मुकेश सिंह, सरस्वती टुडू, दुलारी सोरेन, बालमुकुंद प्रसाद यादव, संतोष कुमार साव, अनिल कुमार शाह, संदीप उरांव, उर्मिला देवी, दिनेश गुप्ता, चंद्रशेखर नायक, कंचन मंडल, तपन मुर्मू, रामप्रसाद बड़ाईक, सरवन राम, गौरी किंडो, मुकेश सिंह, महेश प्रसाद साव, राम विष्णु नगेसिया, प्रमिला देवी, वीरेंद्र यादव, गौतम कुमार गुप्ता, नीरज कुजूर उपस्थित थे।

रामनारायण भगत ने राज्य के नये राज्यपाल से की शिष्टाचार मुलाकात

बेड़ो (आजाद सिपाही)। झारखंड के नए राज्यपाल संतोष गंगवार से सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा नेता रामनारायण भगत व वरिष्ठ नेता ने शिष्टाचार मुलाकात की। रामनारायण भगत ने राज्यपाल से झारखंड में वर्तमान परिस्थिति में विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया और उनके निदान का आग्रह किया। साथ ही जनहित से जुड़े कई अन्य विषयों पर पहल करने का अनुरोध किया है।

बेड़ो थाना के हवलदार क्यूम अंसारी का निधन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत ग्राम लमकाना में सड़क बना रही आरकेडी कंपनी की सुरक्षा में तैनात हवलदार क्यूम अंसारी का इलाज के दौरान सोमवार को रांची में निधन हो गया। वे पिछले 20 दिनों से बीमार थे। स्वजनों ने रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। इधर उनके निधन पर थाना प्रभारी नकुल शाह, एसआई रोशन झा समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने शोक प्रकट किया है। क्यूम अंसारी गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के लौंगा गांव के रहने वाले थे। वे काफी मृदुभाषी थे। इनके आकस्मिक निधन पर स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बेड़ो में आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण संपन्न

बेड़ो (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार को एकल अभियान के नवीन आचार्य का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिसमें बेड़ों संच एकल अभियान के आचार्यों को गांव के विकास के लिए युवा शक्ति एवं किसानों को उत्साहित करने के लिए कहा गया। वहीं ग्रामीणों को बीमारी से बचाने के लिए सभी आचार्यों को शिक्षित किया गया। साथ ही आचार्यों को अपने-अपने गांव में ग्रामीणों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दो दिवसीय वर्ग में एकल अभियान बेड़ों संच अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता के बड़े भाई स्वर्गीय मनीष गुप्ता की पांचवीं पुण्यतिथि भी मनायी गयी। वहीं, प्रशिक्षक के रूप में कमलना, हीरालाल महतो एवं अर्जुन सिंह मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण शिविर में संस्कार प्रमुख मुकेश कुमार रॉय, संघ के रंजीत खत्री, विकास कुमार सिंह का सराहनीय योगदान दिया। मौके पर लक्ष्मी देवी, रूप रानी देवी, आरती कुमारी, विष्णु कुमार, संदीप उरांव, अनिता कुमारी, चिरंजीव देवी, सुषमा देवी, ज्योति कुमारी, नीतू कुमारी, अलका कश्यप और मुन्नू लकड़ा उपस्थित थीं।

सावन की दूसरी सोमवारी पर बेड़ो में उमड़ी भीड़

बेड़ो (आजाद सिपाही)। सावन की दूसरी सोमवारी पर बेड़ो महादानी मंदिर समेत प्रखंड के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हर-हर महादेव, ओम नमः शिवाय व बोल बम के जयघोषों के साथ सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं, भगवान भोलेनाथ से अपनी मुरादें मांगते हुए महिलाओं व पुरूषों ने सोमवारी व्रत रखा। मंदिर के पुजारी अशोक पंडा व मेघनाथ गिरी ने व्रतियों को पूजा कराया। मंदिरों में महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई।

लापुंग में दूसरी सोमवरी पर जलाभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग के घाघारी बाबा धाम में सोमवार को सावन की दूसरी सोमवरी पर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने वालों का तांता लगा रहा। जमीनी नदी से लोटे में जल लेकर हर हर महादेव के गूंज से पूरा घघारी परिसर गूंज उठा। घघारी धाम प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष राज कमल गोप ने जलाभिषेक के लिए आए लोगों को बधाई दी। इसके अलाव बाबा वनखंडी, गलगली धाम व गांव घर के शिवालयों में पूजा पाठ करते दिखे लोग।

पर्यावरण के रक्षक है पेड़-पौधे : डॉ रविंद्र

इटकी (आजाद सिपाही)। हजारीबाग विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रविंद्र नाथ भगत ने कुर्जी स्थित किसपद उच्च विद्यालय में सोमबार को वन महोत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि वृक्ष और पौधों के बिना प्रकृति और पर्यावरण की कल्पना नहीं की जा सकती। पेड़ पौधे प्रकृति की संरचना और पर्यावरण के रक्षक हैं। सभी के कल्याण के लिए पौधों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है।

शराबी पति ने की पत्नी की हत्या

मां के पास सो रही बेटी जान बचाकर भागी, आरोपित गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। थाना क्षेत्र के गुरुटोली में शराबी पति ने रविवार देर रात अपनी पत्नी की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। मृतका की पहचान प्रभा देवी (32) के रुप में हुई है। उधर, पुलिस ने घटना के बाद आरोपित पति रंथू महतो (39) को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार रंथू बेंगलुरु में राजमिस्त्री का काम करता था। पिछले महीने बेंगलुरु से नामकुम स्थित गुरुटोली अपने घर आया

मृतका के घर में जांच करती पुलिस की टीम।

था। रंथू शराब का अत्यधीक सेवन करता था। बताया जा रहा कि रंथू रविवार की रात 11 बजे शराब पिकर घर आया और बिस्तर पर सो रही पत्नी और बेटी कनक कुमारी (12) पर धारदार हथीयार से हमला कर दिया। हमले में प्रभा देवी गंभीर रुप से घायल हो गई। जबकि बेटी कनक किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। कनक ने ही आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद लौट पहुंच गये। यह देख रंथू ने भी कुंआ में कुदकर जान देने की कोशिश की। पर उसमें पानी नहीं होने के कारण वह बच गया। इधर, घायल प्रभा को अस्ताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जेबीकेएसएस सभी 81 विस सीटों पर मजबूत करेगी दावा: दीपक महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां जीत की जुगत में जुट गयी है। इस कड़ी में खतियान आधारित स्थानीय नियोजन नीति की मांग को लेकर लगातार तीन साल तक आंदोलनरत व लोकसभा चुनाव में अप्रत्याशित साढ़े आठ लाख वोट लाकर सभी को चौंकाने वाली नवोदित टाईगर जयराम महतो की जेबीकेएसएस/जेएलकेएम पार्टी भी इस बार विधानसभा चुनाव में

अपनी पैठ बनाने में लगी है। जेबीकेएसएस कार्यकर्ता घर-घर पहुंच बनाकर लोगों को बदलाव के लिए एकजुट कर रहे हैं। जेबीकेएसएस को विशेष समुदाय की पार्टी बताने वालों लोगों की मंशा पर पानी फेरते हुए सिमडेगा, गुमला और खूंटी आदि आदिवासी बहुल क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ों कार्यकर्ता राजधानी पहुंच रहे और पुराने आंदोलनकारी सह केंद्रीय महासचिव दीपक महतो व सचिव सुमित कुमार महतो, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल संगठन महामंत्री पंचम एक्का आदि से मिलकर आदिवासी बहुल क्षेत्र में विशाल जनसभा आयोजित करने की रणनीति बना रहे हैं। इसमें खड़िया, हो, मुंडा एवं ईसाई समाज के अगुवा जनप्रतिनिधि शामिल हैं। विभिन्न मुद्दों को लेकर ठेठईटांगर प्रखंड के जिप सदस्य अजय एक्का सोमवार को दीपक महतो के आवास पहुंचें। मौके पर अमर महतो, मनीष साहू आदि मौजूद थे।

मानदेय बढ़ाने को लेकर ग्राम प्रधानों ने खिजरी विधायक को ज्ञापन सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने सोमवार को मानदेय बढ़ाने को लेकर खिजरी विधायक राजेश कच्छप को ज्ञापन सौंपा। प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश उरांव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने ग्राम प्रधानों का मानदेय 200 रुपये निर्धारित किया था। लेकिन सरकार परिवर्तन के बाद कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। अब वर्तमान गठबंधन सरकार से प्रधानों का मानदेय 10 हजार रुपये

बढ़ाने की मांग की जा रही है। कहा कि जिस तरह सांसद व विधायकों की विकास कार्यों के लिए निधि होती है, उसी तरह ग्राम प्रधानों की निधि की भी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक मानदेय बढ़ाने की मांग किसी भी जनप्रतिनिधि ने विधानसभा में नहीं उठाई है। इसलिए खिजरी विधायक से पूरी उम्मीद है कि सरकार के समक्ष विधानसभा में ग्राम प्रधानों की आवाज को बुलंद करेंगे। वहीं खिजरी विधायक ने कहा कि ग्राम प्रधान अपने हक और अधिकार समझे, गांवों के विकास में ग्राम सभा की भूमिका महत्वपूर्ण है। मौके पर ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव, बालेश्वर उरांव, सुखराम पाहन, कैलाश बेदिया आदि उपस्थित थे।

चोरी के शक में खंभे में बांधकर युवक की पिटाई

रातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सिमलिया निवासी गणेश कुमार यादव (18) ने गांव के ही सूरज गोप के ऊपर चोरी के संदेह में बिजली के खंभे से बांधकर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। गणेश यादव ने रातू थाना में दिए गए आवेदन में बताया है कि सिमालिया में उसके मामा का घर है। वह खेती बारी कर जीवन यापन करता है। सोमवार को सूरज गोप उसे मजूरी करने के बहाने बुलाया और अपने वेल्डिंग दुकान में चोरी करने का आरोप लगाते हुए बिजली के खंभे में रस्सी से बांध दिया। इसके बाद जनलेटर के बेल्ट से उसके पीठ, चेहरा एवं शरीर के अन्य भाग में मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दूसरी ओर, रातू पुलीस मामले की जांच में जुट गयी है।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 1590 Dated 24.07.2024 I Binay Kumar, S/o. Late Shambhu Nath Sharma, R/o Near Panchmukhi Hanuman Mandir, or, No.- B/ 942, Sector-ii, Dhurwa, P.o- Dhurwa, P.S. Jagarnathpur, Dist. Ranchi (Jharkhand) - 834004, do Hereby 1. That I am indian National by Birth.

2. That I am Residing on the above mentioned address. 3. That my son's correct and actual name is PRATIK KUMAR and date or birth 15/12/2029 4. That my son's name mentioned in his Aadhar Card is PRATIK which is wrong. being Aadhar No - 7748 7673 6623. 5. That PRATIK and PRATIK KUMAR both name are same and only one person. 6. That I have this affidavit for the purpose of correction of my son's name PRATIK of PRATIK KUMAR.

7. That the above Statements are true and correct.

गुप्त सूचना के आधार पर रातू पुलिस ने की कार्रवाई

4 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। पुलिस ने रविवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर 4 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनकी पहचान धीरज सिंह और गौतम सिंह के रूप में हुई। दोनों बिहार के रहने वाले है। वर्तमान में तिलता रिंग रोड स्थित गोकुल नगर में राजेंद्र यादव के मकान में किरायेदार के रूप में रहने थे। पड़ोसियों के मुताबिक दोनों दो महीने से यहां रह रहे थे। जानकारी के मुताबिक पुलिस को किसी ने फोन कर सूचना दी कि दो लोग गांजा का सेवन कर मुहल्ले में शोर मचा रहे हैं। खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तो

दोनों घर जा चुके थे। पुलिस भी जब उनके घर पहुंची तो वे घर में ही गांजा का सेवन करते पाये गये। शक होने पर पुलिस ने घर की तलाशी ली तो एक काले रंग के बैग से चार बंडल गांजा मिला। जिसका वजन 4 किलो 1.48 ग्राम था। पूछने पर दोनों ने बताया कि उक्त गांजा सिमडेगा निवासी बाबा नामक एक व्यक्ति से 50 हजार रुपये में खरीदा था। पुलिस ने गांजा को जब्त कर दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के सुसंगत धाराओं के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। वहीं, छापामारी दल में एसआई अनुरंजन कुमार, अनूप पांडेय, आशीष के अलावा पुलिस के अन्य जवान शामिल थे।

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Office of the General Manager, Transmission Zone-III, Jamshedpur
132/33 KV. Grid Campus Gamharia, P.O- Gamharia, Distt- Seraikella-Kharsawan, Pin- 832108
email id: tz3jsr_jusnl@rediffmail.com

e-TENDER NOTICE

e-Tender in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following works :-

NIT No.	Description of work	Cost of B.O.Q	E/M to be deposited
123/PR/JUSNL/ 2024-25	Supply, laying, fabrication, fitting and fixing of concertina coil/barbed wire along with associate work for safety purpose at 220/132 kV GSS, Chandil-I.	Rs. 5,900.00 (Rs. 5,000/- + GST@18% (SGST9%+CGST9%)	Rs. 86,600.00
124/PR/JUSNL/ 2024-25	Concreting & metal spreading work in 132 kV Transformer no- 02 bay, 132 kV Jadugoda bay & adjoining area at 132/33 kV GSS, Golmuri.	Rs. 5,900.00 (Rs. 5,000/- + GST@18% (SGST9%+CGST9%)	Rs. 66,200.00
125/PR/JUSNL/ 2024-25	Construction of chemical earthing in forest rocky and normal area for tower location no. 01 to 80 of 132 kV S/C KNPS-NMD transmission line under T/S/D, Noamundi.	Rs. 5,900.00 (Rs. 5,000/- + GST@18% (SGST9%+CGST9%)	Rs. 49,800.00
126/PR/JUSNL/ 2024-25	Dismantling and repairing of damaged brick mortar work below expanded metal fencing along with painting of expanded metal fencing at 132/33 kV G/S/S, Dhalbhumgarh.	Rs. 5,900.00 (Rs. 5,000/- + GST@18% (SGST9%+CGST9%)	Rs. 66,700.00

Start Date and time of downloading of tender documents	:-	01.08.2024 at 02:00PM
Start Date and time of upload of BID	:-	01.08.2024 at 03:00PM
End date and time of upload of BID	:-	22.08.2024 upto 03:00PM
BID Opening date for technical part	:-	23.08.2024 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	:-	Will be communicated later on
Tender Inviting Authority and address for communication	:-	General Manager, Transmission Zone-III, Jamshedpur, Campus 132/33 kV. Grid Colony Adityapur-I, Phase-VI, Post- Gamharia,Seraikella-Kharsawan, Pin Code– 832108 (Jharkhand).

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours.
2. Bidder shall deposit online Tender fee (as mentioned above), as per rules of e-tendering portal. Bidder shall deposit online EMD (as mentioned above), as per rules of e-tendering portal.
3. The bids will be received through electronic tendering mode only.
4. Please contact 9771790288/7903674983 for any enquiry.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (Trans Zone-III)
(Jamshedpur)

PR.NO.331165 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25):D

व्यवसायियों ने अरुणा शंकर के लिए डाल्टनगंज से मांगा टिकट

बैठक कर झारखंड प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से विधानसभा चुनाव में अरुणा शंकर को उम्मीदवार बनाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के व्यवसाईयों ने होटल शिवाय ब्लू में बैठक कर झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी हेमंत विश्व शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं भाजपा प्रदेश कमेटी से मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर को डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की है। सोमवार को आयोजित बैठक में महापौर के रूप में अरुणा शंकर के कार्यकाल की सराहनीय की गयी। वक्ताओं ने कहा कि दो साल कोरोना के बावजूद शहर के समुचित विकास के साथ ही सुसज्जित, सुव्यवस्थित कर एक नई छवि गढ़ने में अरुणा शंकर कामयाब रही हैं। जिनके विजन को विरोधी भी स्वीकारते हैं। अगर उन्हें डाल्टनगंज भंडारिया विधानसभा से पार्टी नेतृत्व चुनावी मैदान में उतारती है तो निश्चित रूप से पूरे विधानसभा क्षेत्र में एक नया बदलाव नजर आएगा क्योंकि उनके पास विजन है। व्यवसाईयों ने कहा कि अरुण शंकर के पास काम करने की धुन है। यूथ, महिलाओं, बुद्धिजीवी वर्ग में उनकी लोकप्रियता चुनाव को अहम मोड़ दे सकती है। व्यवसाईयों ने कहा कि कोरोना काल में जब घर से लोग बाहर नहीं निकल पा रहे थे उस वक्त भी अरुणा शंकर बाहर निकल कर चेंबर की देखरेख में अपने निजी खर्च से निःशुल्क ऑक्सीजन बैंक खोलते हुए हजारों लोगों की जान बचाई जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। प्रथम महापौर शहर की पहली ऐसी नेत्री है जो अपने कार्यकाल खत्म होने के बाद भी जनहित में कई कार्य अपने निजी खर्च से कर रही हैं। आज भी चौक चौराहे, गांधी उद्यान, मरीन ड्राइव में जो हरियाली और सुंदर लाइट नजर आ रही है वह अरुणा शंकर की ही देन है। वह अपने निजी खर्चे से फॉगिंग मशीन मंगवा कर हर मोहल्ले-टोलों में चलवाते रहती है जिसकी सराहना हर जगह होती है। व्यवसायों ने भाजपा से मांग की कि व्यवसाईयों को नजर अंदाज न करते हुए अरुणा शंकर को भाजपा के टीकट से डालटेनगंज भंडारिया का प्रत्याशी बनाएं। वह भारी मतों से जीत दर्ज करेंगीं। सभी लोगों ने निर्णय लिया कि जरूरत पड़ी तो व्यवसायी चुनाव समिति से भी रांची जाकर मिलेंगे। वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण अग्रवाल और संचालन इंद्रजीत सिंह डिंपल ने किया। जिसमें शहर के कई जाने माने बड़े व्यवसायई उपस्थित थे।

हुसैनाबाद विधायक ने अनुसूचित जाति का आरक्षण शून्य करने का मामला विधानसभा में उठाया

आजाद सिपाही संवाददाता

विधायक कमलेश कुमार सिंह।

हुसैनाबाद। पलामू जिले में चौकीदार की सीधी भर्ती में अनुसूचित जाति को आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने का मुद्दा हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने सोमवार को विधानसभा में उठाया। गौरतलब हो कि पलामू में चौकीदार के पदों पर सीधी भर्ती के लिए डीसी ने दो जुलाई को विज्ञापन प्रकाशित किया है। इसमें चौकीदार के 156 पदों की भर्ती की जानी है। विज्ञापन में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण को शून्य कर देने पर विवाद उत्पन्न हो गया है। इस मामले को लेकर विधायक ने विधानसभा में पूछे गए अल्पसूचित प्रश्न संख्या-26 के उत्तर में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। पलामू प्रमंडल के आयुक्त की ओर से आरक्षण रोस्टर शोधन कोटिवार अनुमोदित किया गया है। जिसके अनुसार पलामू जिले में चौकीदार संवर्ग का कुल स्वीकृत पद-443 है, जिसके विरूद्ध कार्यरत बल-281 है और रिक्त 162 पद है। जिनमें अनुसूचित जाति श्रेणी अंतर्गत कुल स्वीकृत पद 120 के विरूद्ध वर्तमान में 120 चौकीदार कार्यरत हैं। इसलिए अनुसूचित जाति के लिए कोई रिक्त पद नहीं है। जिस कारण विज्ञापन में अनुसूचित जाति श्रेणी के लिए रिक्त पद की संख्या शून्य है। विधायक के अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में विभाग ने कहा कि बंगाल चौकीदार अधिनियम-1870 के तहत ब्रिटिश काल से अनुसूचित जाति के दुसाध उपजाति के लोगों को ही चौकीदार बहाल किया जाता था। लेकिन वर्तमान में झारखंड चौकीदारी संवर्ग नियमावली 2015 और 2019 के अनुसार चौकीदार की भर्ती, सेवा शर्तों और प्रोन्नति को विनियमित किया जाता है। इसके अलावे 1991 के बिहार सरकार के निर्देश के अनुसार, वे व्यक्ति जो 1990 के पूर्व से चौकीदार के रूप में काम कर रहे थे, उन्हें अनुकंपा के आधार पर सेवा में नियमित किया गया था। एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताय गया कि सरकार ने खंड-1 में वर्णित चौकीदार बहाली के लिए प्रकाशित विज्ञापन को रद्द करने और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण रोस्टर के अनुसार रिक्ति के विरुद्ध आरक्षण सुनिश्चित कर पुनः विज्ञापन प्रकाशित करने की योजना पर विचार नहीं किया है।

विधायक ने विस सत्र में उठायी पांकी को अनुमंडल बनाने की मांग

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। विधानसभा के शितकालीन सत्र के दौरान विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने पांकी को अनुमंडल बनाने की मांग फिर से दोहराई। कहा की अनुमंडल नहीं होने से पांकी के लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। किसी भी काम के लिए समय के साथ आर्थिक परेशानी भी उठानी पडती है। यदि पांकी को अनुमंडल बना दिया जाय तो लोगों को राहत मिलेगी। पांकीवासियों की सुविधा के लिए मनातू, तरहसी और पांकी को मिलाकर अनुमंडल बनाने व लोहरसी, सगालीम, कोनवाई, माड़न, कसमर को प्रखंड बनाने की मांग की।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर ट्री मैन डॉ कौशल ने पौधरोपण कर कटहल बगान का किया शुभारंभ

पौधा लगाने व उसे संरक्षित करने का लेना होगा संकल्प: डॉ कौशल

पर्यावरण धर्म गुरु ने प्रकृति को बचाओ अभियान के तहत 1967 से अब तक निजी भूमि पर विकसित किया छठा बागान

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रकृति की पूजा करते, वृक्षों पर रक्षाबंधन व पौधा लगाते पर्यावरणविद व अन्य।

मेदिनीनगर। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने अपनी पत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल एवं प्रकृति प्रेमियों के साथ प्रभात फेरी निकाली। इसके बाद कौशल नगर में करीब डेढ़ एकड़ में फैले अपनी निजी जमीन पर पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों के साथ कटहल का पौधा लगाकर कटहल बगान का शुभारंभ किया। उन्होंने लोगों से कहा कि एक पेड़ लगाओगे तो 10 पीढ़ी तर जाएगी। पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें। उन्होंने बताया कि वे अपने जन्मभूमि पर 1967 में 7.72 एक-ड़ 2001 में कुटिया पर 27 एकड़ 2015 में कौशल नगर में 2 एकड़ में पार्क और आज कौशल नगर में 1,5 एकड़ भूमि पर कटहल बगीचा लगा कर प्रकृति संरक्षण दिवस को यादगार बनाया है। क्योंकि कटहल पेड़ एवरग्रीन की श्रेणी में आता है। यह छायादार तो होता ही हैं साथ ही कच्चा रहने पर अच्छी सब्जी और पक जाने पर इसकी मिठास केला से भी मधुर होती है। इतना ही नहीं इसमें काबोहाइड्रेट प्रोटीन डाइटरी, फाइबर और फैट जैसे पोषक तत्व भी अधिक पाए जाते हैं। पर्यावरणविद डॉ कौशल, मुखिया पूनम जायसवाल, उप मुखिया नगीना खातून और महजन यादव ने संयुक्त रूप से प्रकृति की पूजा करने के बाद ग्रामीणों के साथ वृक्षों पर रक्षाबंधन किया। प्रकृति पूजा में खोढी मुखिया पूरन यादव, पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, मनोज यादव, सुचित कुमार जायसवाल, जुबेर अंसारी, जगदीश यादव, गुलाम गौस, योगेश्वर यादव, विनोद सिंह, चंद्रेश सिंह, बाबूराम, शिवनाथ राम, अवधेश राम, विनोद यादव, अखिलेश पासवान, धर्मदेव यादव, कोमल यादव, ईश्वर यादव, लक्ष्मण राम, बालेश्वर यादव, लखन यादव और संतोष यादव आदि ग्रामीण मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव में छतरपुर क्षेत्र से झामुमो का प्रत्याशी उतारने की उठी मांग

गठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार की बार-बार की हार को जीत में बदलने की रणनीति - पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष रविंद्र राम को उम्मीदवार बनाने की अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर/पलामू। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गयी है। पंचायत और बूथ कमेटी को मजबूत करने के लिए लगातार बैठकें की जार ही है। इसी क्रम में छतरपुर प्रखंड के चराई पंचायत में भी सोमवार को बैठक की गयी। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र राम और संचालन कोषाध्यक्ष शिवनाथ सुरीला ने किया। इस अवसर पर रविंद्र राम ने बताया कि केंद्रीय कमेटी द्वारा पंचायत स्तरीय सम्मेलन में सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचने एवं पंचायत व बूथ कमेटी को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है। जिसकी शुरूआत चराई पंचायत से की गई है। झामुमो कार्यकर्ता सभी पंचायत में बैठक कर पंचायत एवं बूथ कमेटी को मजबूत करने के साथ ही सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों को देने और उन्हें इसका लाभ दिलाने का प्रयास करेगी। लोगों तक पार्टी सीधा पहुंच बनाएगी, ताकि बिचौलिए एवं दलालों के चंगुल से उन्हें बचाया जा सके। प्राप्त आवेदनों पर जिन पदाधिकारीयों द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं की जाएगी उनसे संबंधित शिकायत जिला एवं राज्य कमेटी से की जाएगी। यदि आवश्यकता पड़ी तो संबंधित मंत्री एवं मुख्यमंत्री से भी शिकायत की जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि छतरपुर विधानसभा से गठबंधन समर्थित राजद के उम्मीदवार को बार-बार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की केंद्रीय कमेटी से छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से झामुमो का उम्मीदवार उतारने की मांग की जाएगी। साथ ही क्षेत्र की जनता की मांग पर विधानसभा चुनाव में रविंद्र राम को ही पार्टी उम्मीदवार बनाने की मांग की जाएगी। बैठक में ग्राम पंचायत चराई समिति सदस्य बलराम सिंह, बिहारी सिंह, कुलदीप सिंह, संदीप शाह, अखिलेश प्रजापति, निर्मल भुइंया, बाबूलाल सिंह, चंदन राम, शंकर राम प्रसाद भुइंया, वीरेंद्र सिंह, मदन यादव, सुरेश सिंह, कमलेश राम, पंचीय देवी, पंचायत अध्यक्ष अध्यक्ष कुसुम देवी, हृदय देवी, सुनीता देवी, सीता कुंवर और ललिता देवी आदि थीं।

सिगसिगी स्टेशन से लावारिस बैग से 36 बोतल विदेशी शराब जब्त

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला आरपीएफ पोस्ट ने रविवार की रात सिगसिगी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर लावारिस हालत में पिट्ठू बैग बरामद किया। जिसकी तलाशी लेने पर उसमें से 36 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। यह शराब झारखंड से तस्करी कर बिहार ले जाई जा रही थी। आरपीएफ इंस्पेक्टर राजेश कुमार मीणा ने बताया कि आरपीएफ जपला पोस्ट के प्रधान आरक्षी सुधीर कुल्लू व आरक्षी छोटेलाल यादव सिगसिगी रेलवे स्टेशन पर अपराधी गतिविधि निगरानी की गस्ती कर रहे थे। तभी सिगसिग्गी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन के उतरी छोर से हरे रंग का पिट्ठू बैग मिला। जिसके संबंध में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई। यात्रियों ने अनभिज्ञता जाहिर की। जब बैग खोल कर देखा गया तो उसमें विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब पाई गई। जिसका मूल्य 13 हजार 260 रुपये है। इस मौके पर उप निरीक्षक जितेंद्र प्रताप यादव और जयप्रकाश प्रसाद आदि मौजूद थे।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हमारा लक्ष्य : विकास कुमार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड क्षेत्र के अत्यंत सुदूरवर्ती सलैया पंचायत के ग्राम मझिगांवा में संचालित ज्ञान ज्योति मिशन स्कूल कम खर्च में बच्चों का भविष्य संवार रही है। सीबीएसई पैटर्न पर आधारित ज्ञान ज्योति मिशन स्कूल में अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों के द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है। संस्थान के निदेशक विकाश कुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य उच्च स्तर की शिक्षा देना एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना हमारा लक्ष्य है।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की सानिया फातिमा एवं अकांक्षा गुप्ता ने सीयूइटी में लहराया परचम

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। ऑक्सफोर्ड की सानिया फातिमा ने सीयूईटी 2024 की परीक्षा में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेस टेस्ट 2024 में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल मेदिनीनगर की छात्रा सानिया फातिमा 2024 सीबीएसई 12वीं की वार्षिक परीक्षा 95 प्रतिशत अंक लेकर पलामू प्रमंडल में टॉपर रही है। यह विद्यालय के कला संकाय की प्रथम बैच की छात्रा है। सीयूईटी 2024 की परीक्षा में कुल अंक 800 में 724 प्राप्तांक लाकर कीर्तिमान स्थापित की है। अंग्रेजी 148/200 राजनीति विज्ञान 200/200, इतिहास 194/200, मनोविज्ञान 182/200, विद्यालय के वाणिज्य संकाय की छात्रा आकांक्षा गुप्ता भी सीयूईटी 2024 में 684/800 लाकर अच्छा प्रदर्शन की है। अंग्रेजी 152/200 एकाउंटेंसी 182/200, बिजनेस स्टडीज 200/200, अर्थशास्त्र 152/200। इन्होंने भी सीबीएसई बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक लाकर कीर्तिमान स्थापित की है। दोनों बच्चों का दिल्ली विश्वविद्यालय एवं जेएनवी विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में नामांकन होगा। विद्यालय के चेयरमैन डॉ एसबीपी मेहता एवं प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई एवं शुभकामना देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीसी ने डायन प्रथा उन्मूलन को लेकर जागरूकता रथ को किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में डायन कुप्रथा को पूर्ण रूप से समाप्त करने के उद्देश्य से सोमवार को डीसी शशि रंजन, डीडीसी शब्बीर अहमद, उप निर्वाचन पदाधिकारी कानूराम नाग, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर दो जागरूकता रथ को रवाना किया। इसके माध्यम से डायन कुप्रथा उन्मूलन के लिए लोगों को जागरूक किया जायेगा। जागरूकता रथ पलामू के सभी प्रखंडों, प्रमुख चौक-चौराहों एवं हाट-बाजारों में ऑडियो के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम करेगी।

इस अवसर पर डीसी शशि रंजन ने कहा कि डायन प्रथा एक अंधविश्वास है और इसे जड़ से खत्म करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व जागरूकता के अभाव में लोग इस अंधविश्वास की ओर चले जाते हैं। इसी उद्देश्य से यह जागरूकता रथ को रवाना किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रथ के माध्यम से लोगों को डायन अधिनियम की जानकारी देकर डायन कुप्रथा के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने आम लोगों से कुप्रथा को समाप्त करने में जिला प्रशासन का साथ देने की अपील की।

बीसीसीएल की जांच टीम ने किया भू-धंसान क्षेत्र का निरीक्षण

मुरलीडीह आदिवस्ती गांव में हुए भू-धंसान की खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया बीसीसीएल प्रबंधन

- अधिकारियों ने कहा- घटना प्रबंधन की लापरवाही से नहीं, अवैध खुदाई के चलते हुई है

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। मुरलीडीह 13 नंबर आदिवासी टोला में रविवार को हुए भू-धंसान की घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन हरकत में आ गया। पश्चिमी झरिया क्षेत्र के जीएम के आदेश पर एक जांच टीम ने सोमवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। एजेंट बीएन साहा के नेतृत्व में पहुंची जांच टीम में बीके मिश्रा, भक्तू महतो माईनिंग सरदार, दुखन महतो और सर्वेयर आलम अंसारी आदि शामिल थे। अधिकारियों ने सर्वे रिपोर्ट चार्ट के आधार पर आदिवासी बस्ती के आसपास के प्रबंधन द्वारा किये गये खनन का अवलोकन किया। इसके बाद टीम ने आदिवासी स्थल की घटना को लेकर प्रबंधन द्वारा पूर्व मे किये गये खादानों अथवा ओसीपी की खुदाई से ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से साफ अनकार किया है। इस संदर्भ में क्षेत्रीय एजेंट ने कहा कि इस क्षेत्र में वर्ष 1942 में चलाये गये 12/12 'ए' के नीचे का सीम 65 मीटर, मिडिल सीम-100 मीटर एवं बॉटम सीम लगभग 150 मीटर दूर है, जबकि वर्ष 2010-11 में ढाई वर्ष तक चले ओसीपी भी लगभग 100 मीटर की दूरी पर है। ऐसे में क्षेत्र में हुए भू-धंसान के लिये प्रबंधन जिम्मेवार नहीं है। उन्होंने कहा कि निकटवर्ती बस्ती क्षेत्र में आयी बड़ी दरार पोखरिया क्षेत्र में की गयी संभावित अवैध खुदायी का परिणाम है। जिसका निरीक्षण कर पाना बहुत मुश्किल है। अधिकारियों ने कहा कि इस वक्त 13 नंबर आदिवासी बस्ती डेंजर जोन में है। यहां रह रहे सभी नागरिक अवैध रूप से हैं। जिन्हें समय-समय पर अन्यत्र स्थानांतरण चले जाने को लेकर नोटिस दिया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि बस्ती के वैसे परिवार जो रैयत है या प्रबंधन की सेवा निवृत कर्मी हैं। उन्हें पुनर्वासित के लिए प्रबंधन विचार करेगी। निरीक्षण दल ने कहा कि अभी गांव के प्रभावित इलाकों मे फेंसिंग गार्ड लगाकर लोगों को उधर न जाने की हिदायत दे दी गयी है। गौरतलब है कि क्षेत्र में भू-धंसान की घटना से पीड़ित वर्षों से रह रहे गरीब आदीवासी-हरिजन समुदाय के लोग दहशत में है।

स्पोर्ट्स

एफसीआइ मुख्यालय ने रोमांचक मुकाबले में एफसीआइ नॉर्थ जोन को 3-1 से पराजित कर कप पर कब्जा जमाया।

नॉर्थ जोन को 3-1 से हराकर हॉकी चैंपियन बना एफसीआइ मुख्यालय

मुनीश राणा 'मैन ऑफ द मैच' और अमर सिंह बने 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट'

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। 53वें अखिल-भारतीय भाखानि अंतर आंचलिक हॉकी टूर्नामेंट का समापन किट हॉकी स्टेडियम में एक रोमांचक फाइनल मैच के साथ हुआ। जिसमें एफसीआई मुख्यालय की टीम ने एफसीआई नॉर्थ जोन पर 3-1 की स्कोर लाइन के साथ जीत हासिल की। मुनीश राणा (एफसीआई मुख्यालय) को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया, जबकि अमर सिंह (एफसीआई नॉर्थ जोन) ने निरंतर उत्कृष्टता के लिए मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता। वहीं, पूरे टूर्नामेंट में श्री कोहिनूरप्रीत सिंह (एफसीआई मुख्यालय) अपनी उल्लेखनीय गोल करने की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। 23 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित इस टूर्नामेंट में छह प्रतिस्पर्धी टीमें : एफसीआई ईस्ट जोन, एफसीआई वेस्ट जोन, एफसीआई नॉर्थ जोन, एफसीआई साउथ जोन, एफसीआई मुख्यालय एवं एफसीआई नॉर्थ -ईस्ट जोन शामिल थी। इस कार्यक्रम में कई गरिमामयी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही जिसमें भारतीय खाद्य निगम के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अशोक केके मीना, भाप्र से मुख्य अतिथि एवं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ दिलीप तिर्की आदि शामिल हुए। इनके अलावा भाखानि के पूर्व उमप्र (सा) व ओलंपियन के थोइबा सिंह, कार्यकारी निदेशक (पूर्व) अश्विनी कुमार गुप्ता, डीएसपी ओडिशा पुलिस व ओलंपियन वीरेंद्र लाक्रा, अमित भूषण, महाप्रबंधक (बिहार क्षेत्र), निहार रंजन प्रधान, महाप्रबंधक (ओड़िशा क्षेत्र) भी शामिल थे। सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का निहार रंजन प्रधान ने आभार व्यक्त किया।

धनबाद शहर की अधिकांश एटीएम खराब, ग्राहक परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। शहर के अधिकांश एटीएम मशीनें खराब है। जिसने ग्राहकों की परेशानी बढ़ा दी है। भारतीय डाक कर्मचारी संघ के महासचिव प्रभात रंजन की मानें तो शहर के बैंक मोड़, हीरापुर, पुराना मिश्रित भवन, जगजीवन नगर के अलावा हावड़ा मोटर के पास स्थित एटीएम मशीने खराब पड़ी है। ऐसे में ग्राहकों को राशि निकासी में काफी परेशानी हो रही है। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने इसकी शिकायत भी की है। पर अब तक इसे ठीक नहीं किया जा सका है।

आंदोलन की चेतावनी

बंद एटीएम से आम जनमानस को हो रही परेशानी पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय मजदूर संघ डाक विभाग के पदाधिकारी प्रभात रंजन ने चेतावनी दी है कि अगर 10 दिनों के अंदर खराब एटीएम मशीनों को ठीक कर उसे चालू नहीं किया गया तो इसके खिलाफ आंदोलन करने को विवश होंगें।

मनोज कपरदार ने मुख्यमंत्री को भेंट की अपनी दो पुस्तकें, मिली सराहना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/धनबाद। लेखक व कला समीक्षक मनोज कुमार कपरदार ने अपनी दो पुस्तक झारखंड की आदिवासी कला परंपरा और झारखंड के भूले बिसरे क्रांतिवीर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सोमवार को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने दोनों पुस्तकों को देखने के बाद उसकी प्रशंसा की और मनोज कुमार कपरदार के उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि इनकी चर्चा देश व दुनिया में हो यही हमारी कामना है। उन्होंने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में झारखंड की भूमि उर्वर हो। वहीं, गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मनोज कुमार कपरदार की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये अपनी लेखनी से झारखंड की कला व संस्कृति से देश भर के लोगों को अवगत कराते रहते हैं। मालूम हो कि झारखंड की आदिवासी कला परंपरा पुस्तक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। जबकि दूसरी पुस्तक झारखंड के भूले बिसरे क्रांतिवीर नेहरू बाल पुस्तकालय सीरीज में शामिल है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अपनी किताबें भेंट करते मनोज कुमार कपरादार।

हत्या के प्रयास के दोषी को सात साल सश्रम कारावास की सजा

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम अनील कुमार ने जान मारने के कोशिश करने वाले पेटरवार थाना क्षेत्र के लुकेया निवासी शिवा मांझी को दोषी पाये जाने पर सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। बतातें चलें कि रजरप्पा थाना अंतर्गत सिद्धू कांदू नगर रजरप्पा प्रोजेक्ट निवासी शनिचर मांझी ने पेटरवार थाना प्रभारी के समक्ष 8-9 अगस्त 2014 को अपने जीजा शिवा मांझी पर नौकर से मिलकर उसके भांज सत्येंद्र की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण शुद्धि सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–2288 (अनु०) दिनांक–26.07.2024 पी०आर० संख्या–330918 (भवन) 2024–25D द्वारा आमंत्रित अल्पकालीन निविदा /कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 27/2024–25 जिसका परिमाण विपत्र की बिक्री दिनांक 03.08.2024 को 1.00 (एक) बजे अपराह्न तक एवं निविदा प्राप्ति दिनांक 03.08.2024 को 3.00 (तीन) बजे तक है, के क्रम संख्या 1 में अंकित परिमाण विपत्र की राशि 1250.00 के स्थान पर 5000.00 पढा जाय। निविदा की शर्तें यथावत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची

PR 331140 Building(24-25).D

विधायक ने शून्यकाल में उठाया सहारा से जमाकर्ताओं को पैसा लौटाने का मामला

बड़ी राशि डूबने से आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे सहारा के जमाकर्ता: डॉ लंबोदर महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/बेरमो। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सहारा इंडिया में निवेश व जमा की राशि का भुगतान करने का मामला उठाया। उन्होंने यह मामला शून्य काल में उठाया। कहा कि राज्य भर के लाखों उपभोक्ताओं ने सहारा इंडिया में लगभग 500 अरब रुपए से ज्यादा का निवेश व जमा किया था। जिसकी परिपक्वता अवधि पूरी होने के बावजूद सहारा इंडिया की ओर से राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। जिस कारण कई उपभोक्ता आत्महत्या करने को विवश हो रहे हैं। जबकि सहारा की सहकारी समितियों का भुगतान का आदेश दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिया है। साथ ही ऐसा आदेश सेंट्रल रजिस्टार सेंट्रल रजिस्टार आफ को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा भी दिया गया है। इसके बावजूद सहारा समूह भुगतान नहीं कर रहा है, जो दिल्ली उच्च न्यायालय का उल्लंघन है। उन्होंने सदन के माध्यम से राज्य सरकार से झारखंड में सहारा इंडिया के उपभोक्ता के निवेश व जमा की राशि का भुगतान कराने को लेकर शीघ्र जरूरी कदम उठाने पर जोर दिया।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्

ईच्छा की अभिव्यक्ति 02/2023-24 (3rd call)
(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)
(Very Short Term Tender Notice)

15वें वित्त आयोग द्वारा प्राप्त अनुदान राशि के माध्यम से क्रियान्वयन हेतु 15th FC Tied Grant स्वीकृत योजना अंतर्गत झुमरी तिलैया नगर परिषद् esa Establishment of 100 kg per day Capacity Waste paper/waste cloths Recycling plant and production of value added products from recycled paper/old,used, torn, Damaged clothes हेतु मशीन, उपकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति, निर्माण कार्य, अधिष्ठापन, प्रशिक्षण, दो (02) वर्ष तक विपणन लिंकेज, संचालन और रख–रखाव (Operation & Maintanance) हेतु Turnkey Basis पर इस क्षेत्र के अनुभवी निबंधित एवं इच्छुक गैर सरकारी संगठनों/अर्द्ध सरकारी संगठनों/निजी कम्पनी/ संस्थानों /फर्म/उत्पादक एवं उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि आदि से दिनांक 05/08/2024 के 05:00 बजे अपराहन तक ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमन्त्रित की जाती है। "ईच्छा की अभिव्यक्ति" तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड़ की अलग–अलग सीलबंद लिफाफे को एक बड़े पृथक सीलबंद लिफाफें में समर्पित किया जायेगा। ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) समर्पित करने संबंधी शर्त एवं दिशा निर्देश कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद् के सूचना पट्ट अथवा वेबसाईट https://udhd.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है। सीलबंद Expression of Interest के तकनीकी बिड को प्रस्तावकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दिनांक 06/08/2024 के 04:00 बजे अपराहन निविदा निस्तारण समिति के द्वारा खोला जायेगा, तत्पश्चात तकनीकी बिड के सफल प्रस्तावकों द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन से संबंधित कार्य योजना का PPT (Power Point Presentation) प्रस्तुति के पश्चात वित्तीय बीड़ खोला जायेगा। Expression of Interest या परियोजना संबंधी किसी प्रकार के संशय (Confusion) निराकरण हेतु मोबाईल नम्बर 6207805284 पर किसी भी कार्यालय दिवस के कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
प्रशासक, झुमरी तिलैया नगर परिषद्

PR.NO.331045 Urban Development(24-25):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA

(3rd Call) Very Short Notice Inviting e-quotation.
Notice :- WRD/MID, KODERMA-06/2024-25,Date-29.07.2024

Government of Jharkhand through its Public Work Department (PWD) is engaged in framing/ revision of Schedule of Rates and as part of this endeavor, quotations through e-tender are invited for rate of items/ Materials annexed as Annexure- I for Construction Work from Quarry Owner/Crusher Owners/Reputed Manufacturers/ authorized dealers/Suppliers and other stakeholders authorized for respective items having valid GSTIN of materials. The rates conforming to specifications for inclusion in the schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil construction/ infrastructure work and repair works shall be submitted online in the website http://jharkhandtenders.gov.in. Details of Materials and its specification are available on the above e-tender Portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of Materials online from 03.08.2024 at 10:30 hrs. to 10.08.2024 at 16:00 hrs. The quotation will be opened on 12.08.2024 at 14:00 Hours.

The Quotation is invited to ascertain and assess the rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Address for Communication:-
Executive Engineer Minor Irrigation Division, Koderma
Mobile No. :- +91 99391 93214
Email -eemidkod-cemr-jhr@nic.

Executive Engineer
Minor Irrigation Division,
Koderma

PR 331077 (Minor Irrigation)24-25*D

महत्वपूर्ण न्यूज

जिम्स अस्पताल एवं धनबाद रोटरी क्लब ने लगाया रक्तदान शिविर, 52 यूनिट रक्त संग्रह

धनबाद (आजाद सिपाही)। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद सेंट्रल (आरसीडीसी) ने जिम्स अस्पताल के सहयोग से सोमवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया। जिसका उद्घाटन पीएमसीएच के प्रधानाचार्य ज्योति रंजन प्रसाद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रोटेरियन अमरेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद सेंट्रल के सभी सदस्य धनबाद वासियों की सेवा के लिए निरंतर तत्पर रहते है। शिविर में 52 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि सेवा के लिए और भी कई कल्याणकारी कार्य धनबाद में शीघ्र किए जाएंगे जिसका शेड्यूल बन चुका है। वहीं, क्लब के कोषाध्यक्ष विनीत तुलस्यान ने बताया कि रोटेरियन अमित तुलसियान, रोटेरियन अमित जैन, रोटेरियन नितिन केडिया, रोटेरियन संजय अग्रवाल, रोटेरियन मनोज अग्रवाल, रोटेरियन रवि भवनिया, रोटेरियन मनोज मोदी आदि ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में डॉ प्रकाश सिंह, डॉ गायत्री सिंह, डॉक्टर यश सिंह व अमरेश सिंह की अहम भूमिका रही।

दिल्ली के जंतर मंतर पर महिला कांग्रेसियों के आंदोलन में शामिल हुई रांची-धनबाद की प्रतिनिधि

धनबाद (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा के नेतृत्व में आधी आबादी के हक-अधिकार को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला कांग्रेस ने आंदोलन की शुरूआत और संसद भवन का घेराव किया गया। जिसमें झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुंजन सिंह भी शामिल हुईं। इसमें धनबाद महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सीता राणा के नेतृत्व में नगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष पूनम देवी आदि ने भी भाग लिया। इस अवसर पर पूनम देवी ने कहा कि अखिल भारतीय महिला कांग्रेस सोमवार से आधी आबादी के हक के लिए देशव्यापी नारी न्याय आंदोलन की शुरूआत की है। यह आंदोलन जंतर मंतर से शुरू होकर पूरे देश में फैलेगा। वहीं, नगर अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि महिला कांग्रेस ने महत्वपूर्ण तीन मांगों को लेकर नारी न्याय आंदोलन कर रही है। इसमें 33 फीसदी महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने, आरक्षण में एससी-एसटी और ओबीसी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में भी इस पर चर्चा कर इसे लागू करना शामिल है। पूनम देवी ने कहा कि इस आंदोलन के माध्यम से देश के कोने-कोने से झारखंड सहित सभी राज्यों एवं जिलों से महिला कांग्रेसी लाखों की संख्या में उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनायेंगीं। कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रहेगा।

पड़ाव चार्ज में बढ़ोतरी का टेंपो चालकों ने किया विरोध

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। फुसरो नगर परिषद द्वारा फुसरो से डुमरी, नावाडीह तक चलने वाले टेंपो चालकों ने पड़ाव शुल्क में किए गए वृद्धि का विरोध शुरू हो गया है। फुसरो स्थित निर्मल महतो चौक पर सभी टेंपो चालकों ने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। टेंपो चालकों का कहना है कि पहले ही 20 रुपया वसूला जा रहा था, जो अन्य जगहों की अपेक्षा अधिक है। जिसे बढ़ाकर 25 रुपये किया गया है।

पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर किया जायेगा योजना का निष्पादन : डीडीसी

मइया सम्मान योजना को लेकर समाहरणालय में बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। महिला आत्म सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार ने मइया सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रतिमाह 1000 रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस योजना को लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में संबंधित पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें अंचल अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। डीडीसी के अनुसार योजना के लाभ को जोड़ने के लिए आगामी तीन से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है। सुरों के सफल संचालन के लिए सभी जरूरी कार्य समय पर निष्पादित और योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीडीसी ने निर्देश दिया कि सरकार का इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ लेने से एक भी योग्य महिला न छूटे और शिविर सुचारू रूप से चले इसलिए कार्यशाला का आयोजन कर सभी को आवश्यक निर्देश दिये जा रहे हैं। वहीं सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक नियाज अहमद ने कहा कि योजना के लिए आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। इसका वितरण जमा करने एवं स्वीकृति तक की सारी कार्रवाई निःशुल्क होगी। आंगनवाड़ी सहायिका सेविका अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को चिन्हित कर आवेदन उपलब्ध करायेंगीं। इसके लिए लाभुकों को फायदा पहुंचाने के लिए पंचायत स्तरीय शिविर लगाया जाएगा। आवेदन के स्वीकृति पदाधिकारी के रूप में अधिकृत बीडीओ को आवेदनों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करके स्वीकृति प्रदान करना होगा। बैठक में कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार, सीएससी मैनेजर अंजार हुसैन के अलावा सभी बीडीओ, सीओ, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और समाज कल्याण विभाग के कर्मी मौजूद थे।

Government of Jharkhand
Department of School Education and Literacy
(Jharkhand Education Project Council, Ranchi)
JSCA Stadium Road, Sector- III, Dhurwa, Ranchi-834004
Phone: 0651-2444501, E-Mail: jepcranchi1@gmail.com

शुद्धि–पत्र

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद् अतंर्गत समग्र शिक्षा के तहत राज्य के सरकारी विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु निविदा आमंत्रण सूचना पत्रांक JEPC/CIV/03/964/2024/2553, दिनांक 15.07.2024, PR No. 329799 Jharkhand Education Project Council (24-25)#D अंतर्गत निम्नलिखित तालिका अनुरूप के संशोधित माना जाय ।

मूल कंडिका	संशोधित कंडिका को निम्न प्रकार पढ़ा जाय ।
परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समयः दिनांक 18.08.2024 को 5:00 (पाँच) बजे अपराह्न तक ।	परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समयः दिनांक 10.08.2024 को 5:00 बजे अपराह्न तक ।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः दिनांक 11.08.2024 को 2:00 (दो) बजे अपराह्न तक ।	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः दिनांक 11.08.2024 को 2:00 (दो) बजे अपराह्न तक ।
निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समयः दिनांक 13.08.2024 को 3:30 (साढ़े तीन) बजे अपराह्न ।	निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समयः दिनांक 13.08.2024 को 3:30 (साढ़े तीन) बजे अपराह्न ।

शेष सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगे ।

Ref. No.: JEPC/CIV/03/964/2024/2770 Ranchi, Date : 29.07.2024

Sd/-
(Aditya Ranjan)
State Project Director
Jharkhand Education Project Council

PR 331033 Jharkhand Education Project Council(24-25).D

डीसी से शिकायत कर उक्त सरकारी जमीन मुक्त करवाने की अपील

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया मकान रास्ता संकीर्ण होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। थाना क्षेत्र के कुंजी बस्ती स्थित सरकारी जमीन के आम रास्ते पर फर्जी दस्तावेज बनाकर गांव के व्यक्ति द्वारा अवैध तरीके से कब्जा किए जाने व उक्त भूमि को मुक्त करवाने की मांग को लेकर कुंजी गांव निवासी नसीम अंसारी ने दर्जनों ग्रामीणों के साथ सोमवार को संवाददाता सम्मेलन किया। नसीम अंसारी ने बताया कि तेलमोचो में 78 डिसमिल जमीन सरकारी खाता की भूमि पर है। जिसपर गांव के ही समसुद्दीन अंसारी, अब्दुल हुसैन अंसारी, सिराजुद्दीन अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, बदरूद्दीन अंसारी, इकरामूल अंसारी और रज्जब अंसारी ने फर्जी दस्तावेज बनाकर अवैध तरीके से कब्जा कर मकान का निर्माण कर लिया हैं। जिससे रास्ते की चौड़ाई संकीर्ण हो गयी है। इससे दो-चार पहिया वाहनों व लोगों की आवाजाही थम गई है। बताया कि अतिक्रमण के पहले भी कई बार शिकायत की गयी, लेकिन कोई कार्यवाई नहीं होने से ग्रामीणों की परेशान जस की तस बनी हुई है। जबकि कब्जा की गई भूमि सरकारी है। नसीम अंसारी ने बताया कि उक्त मामले को लेकर झारखण्ड के भू-राजस्व सचिव समेत धनबाद के डीसी, वरीय पुलिस पदाधिकारी, बाघमारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी एवं महुदा थाना प्रभारी को ज्ञापन देकर उक्त सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाने की अपील की गयी है। इस मौके पर मो मुमताज अंसारी, मो नसीम अंसारी, विनोद बिहारी महतो, प्रकाश कुमार महतो, मो बरकत अंसारी व इस्लाम अंसारी आदि थे।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्

ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) - 03/2023-24 (2nd Call)
(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)
(Very Short Term Tender Notice)

15वें वित्त आयोग द्वारा प्राप्त अनुदान राशि के माध्यम से क्रियान्वयन हेतु 15th FC Tied Grant स्वीकृत योजना अंतर्गत झुमरी तिलैया नगर परिशद् में Establishment of minimum 40-50 pic pad per minutes Capacity Affordable Sanitary pad manufacturing unit/Plant हेतु मशीन उपकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति, निर्माण कार्य, अधिष्ठापन प्रशिक्षण, दो (02) वर्ष तक विपणन लिंकेज, संचालन और रख–रखाव (Operation & Maintenance) हेतु Turnkey Basis पर इस क्षेत्र के अनुभवी निबंधित एवं इच्छुक गैर सरकारी संगठनों / अर्द्ध सरकारी संगठनों / कम्पनी / संस्थानों / फर्म / उत्पादक एवं उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि आदि से दिनांक 05/08/2024 के 05:00 बजे अपराहन तक ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमन्त्रित की जाती है। "ईच्छा की अभिव्यक्ति" तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड़ की अलग–अलग शीलबंद लिफाफे को एक बड़े पृथक सीलबंद लिफाफें में समर्पित किया जायेगा। ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) समर्पित करने संबंधी विस्तृत शर्त एवं दिशा निर्देश कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद् के वेबसाईट https://udhd.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है। शीलबंद Expression of Interest के तकनीकी बीड़ को प्रस्तावकों /प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दिनांक 06/08/2024 के 04:00 बजे अपराहन् निविदा निस्तारण समिति के द्वारा खोला जायेगा, तत्पश्चात तकनीकी बीड़ के सफल प्रस्तावकों का वित्तीय बीड़ खोला जायेगा। इसके पश्चात् प्रस्ताव का Power Point Presentation प्रस्तावकों द्वारा मूल्यांकन समिति के समक्ष प्रदर्शित किया जायेगा। Expression of Interest या परियोजना संबंधी किसी प्रकार के संशय (Confusion) निराकरण हेतु मोबाईल नम्बर 6207805284 पर किसी भी कार्यालय दिवस के कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद्

PR 331047 Urban Development (24-25)_D

सांसद नवीन जिंदल को मिला महात्मा हंसराज गौरव सम्मान

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में कुरुक्षेत्र के सांसद और देश के अग्रणी उद्योगपति नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के लिए लंबा कानूनी संघर्ष करने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिंदल के अथक प्रयासों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंच से भरपूर तारीफ की।

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल को हंसराज कॉलेज ने दो दिन पूर्व अपने 77वें स्थापना दिवस पर खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया था। जिंदल ने इसी कॉलेज से कॉमर्स में डिग्री हासिल की है। अपने इस होनहार छात्र की उपलब्धियों को देखते हुए हंसराज कॉलेज ने नवीन जिंदल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया। यह सम्मान उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो योगेश सिंह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो रमा ने प्रदान किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ प्रभांशु ओझा ने बताया कि नवीन जिंदल हंसराज कॉलेज को लेकर अत्यंत भावुक हैं और सदैव कॉलेज के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। नवीन जिंदल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उपराष्ट्रपति द्वारा तिरंगे के लिए उनके प्रयासों और संघर्षों की सराहना उनके लिए गर्व का विषय है।

पूर्व तट रेलवे (इसीओआर) के महाप्रबंधक ने खुर्दा रोड-पलासा रेलवे खंड का निरीक्षण किया

भुवनेश्वर और पलासा के बीच चल रहे अमृत स्टेशनों की प्रगति की समीक्षा की

अनुभाग में ट्रैफिक सुविधा परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे (इसीओआर) के महाप्रबंधक परमेश्वर फूंकवाल ने हाल ही में भुवनेश्वर-पलासा रेलवे खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पूर्व तट रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, चल रही परियोजनाओं के लिए निर्माण दल और मंडल रेल प्रबंधक एचएस बाजवा के नेतृत्व में खुर्दा रोड रेलवे डिवीजन के प्रतिनिधि भी थे।

निरीक्षण के दौरान श्री फूंकवाल ने लक्षित समयसीमा का पालन करने के महत्व पर जोर देते हुए अमृत स्टेशन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। जिन स्टेशनों का निरीक्षण किया गया उनमें बालूगांव, भुवनेश्वर, ब्रह्मपुर, छत्रपुर, खुर्दा रोड, लिंगराज मंदिर रोड, पलासा और इच्छापुरम शामिल हैं। इन स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गयी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यातायात सुविधाओं और यात्री सुविधाओं से संबंधित बुनियादी ढांचे और विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर देते हुए अधिकारियों को इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी।

ओड़िशा का विकास दोगुना हो जायेगा: बैजयंत

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में अब डबल इंजन की सरकार चल रही है। पिछली सरकार के दौरान, गैर-राजनीतिक उद्देश्यों के तहत ओडिशा के लोगों को कई केंद्रीय योजनाओं से वंचित रखा गया था। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी पथप्रदर्शक योजनाओं के लाभार्थियों के चयन में भी गरीब लोगों को भेदभाव के माध्यम से परेशान किया जा रहा है। अब मोदी के ओड़िशा के विकास के लिए आने वाली सभी केंद्रीय सहायता का लाभ ओड़िशा के लोगों को मिलेगा। प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और केंद्रापड़ा सांसद श्री बैजयंत पंडा ने कहा कि कांग्रेस के 10 वर्षों के शासन में केंद्रीय योजना को केंद्रीय टिकस में राज्य के हिस्से के रूप में केवल एक लाख 14 हजार करोड़ मिले, जबकि मोदी सरकार के 10 वर्षों में यह 4 गुना बढ़ कर 4 लाख 57 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, जब रेलवे अनुदान की बात आती है, तो कांग्रेस ने 10 वर्षों में कभी भी 1,000 करोड़ रुपये को नहीं छुआ, लेकिन मोदी सरकार के मौजूदा रेल बजट में ओड़िशा को 10,500 करोड़ से अधिक केंद्रीय अनुदान मिला है। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस सरकार में ओड़िशा की किस तरह उपेक्षा हुई और मोदी सरकार में ओडिशा को कैसे न्यार्ज हक मिला। श्री पंडा ने कहा कि मौजूदा बजट में ओड़िशा में पर्यटन के विकास के लिए उठाये गये कदम आने वाले दिनों में ओड़िशा की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर की भूमिका निभायेंगे।

एनएमएल की पकरी-बरवाडीह कोयला खदान की उपलब्धि

अखिल भारतीय स्तर के खान सुरक्षा पुरस्कार में शीर्ष सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी-बरवाडीह कोयला खनन परियोजना को 28,204 जुलाई को कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रथम पैन इंडिया लेवल माइन सेफ्टी अवार्ड (टरअ-2024) में बड़ी ओपनकास्ट कोयला खदान श्रेणी में तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम खान सुरक्षा महानिदेशालय के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य कोयला, धातु, तेल और गैस क्षेत्रों में सर्वोत्तम सुरक्षा प्रथाओं का प्रदर्शन करने वाली खानों को पहचानना और पुरस्कृत करना था। खान के मुख्य निरीक्षक और डीजीएमएस के महानिदेशक प्रभात कुमार ने एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (ईंधन) और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) के अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव और फैज तैयब, चंद्र शेखर, खान एजेंट, टीएसएमपीएल के निदेशक (संचालन) और कोयला खनन मुख्यालय और टीएसएमएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पकरी-बरवाडीह में परियोजना प्रमुख को पुरस्कार प्रदान किया।

अपने संबोधन में प्रभात कुमार ने एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बनाये रखने और सर्वोत्तम श्रेणी की सुरक्षा प्रथाओं को लागू करने के लिए एनटीपीसी की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के निदेशक (ईंधन) और अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव ने कहा कि खनन उद्योग में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन बहुत महत्वपूर्ण हैं।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) प्रदर्शनी स्टॉल को कोयला क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल घोषित किया गया। यह पुरस्कार खनन क्षेत्र में सुरक्षा, नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के लिए एनटीपीसी की निरंतर खोज का एक प्रमाण है।

किट डिम्ड विश्वविद्यालय को विशेष परामर्शदात्री का दर्जा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट डीम्ड विश्वविद्यालय को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (यूएन इसीओएसओसी) द्वारा प्रतिष्ठित विशेष परामर्शदात्री का दर्जा प्रदान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद् सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में विश्वविद्यालय के महत्त्वपूर्ण योगदान को मान्यता देता है। गौरतलब है कि दुनिया भर से 476 आवेदनों में से किट डीम्ड विश्वविद्यालय सहित केवल 19 संगठनों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया। 23 जुलाई को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित यूएन इसीओएसओसी प्रबंधन खंड की बैठक के दौरान इस दर्जे हेतु किट डीम्ड विश्वविद्यालय को नवाजा गया। यह मान्यता संयुक्त राष्ट्र के एजेंडा 2030 और एसडीजी के प्रति किट की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। विशेष परामर्शदात्री दर्जा प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है।

इसके साथ एक अन्य विकास में किट ने यूएन वालंटियर्स (यूएनवी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह भागीदारी किट डीम्ड विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विभिन्न यूएन एजेंसियों के साथ जुड़ कर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय यूएन स्वयंसेवक के रूप में काम करने का एक उल्लेखनीय अवसर प्रदान करती है, जिन्हें यूएन एजेंसियों के भीतर विभिन्न विकास पहलों के लिए तैनात किया जायेगा। इसी तरह, अमेरिकन काउंसिल ऑफ यंग पॉलिटिकल लीडर्स (एसीवाइपीएल) ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (किस) और किट के साथ अपने ऐतिहासिक सहयोग की घोषणा की है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कीट भारत का एकमात्र व्यावसायिक/तकनीकी विश्वविद्यालय है, जिसने यूएन इसीओएसओसी विशेष सलाहकार का दर्जा हासिल किया है। साथ ही, भारत में किट और ओड़िशा में कीस दोनों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर हमें खुशी है। उन्होंने यह भी बताया कि कीस को पहले ही 2015 में यूएन इसीओएसओसी विशेष सलाहकार का दर्जा दिया जा चुका है और आज तक इस दर्जे पर अपना स्थान बनाये हुए है।

छह बंदूक कारोबारी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कमिश्नरेट पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी है। बंदूक कारोबारी से जड़ित छह अपराधियों को स्पेशल स्क्वार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच पिस्तौलें बरामद की गयीं। सोमवार को कमिश्नरेट पुलिस की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जानकारी मिली। सूचना मुताबिक, ये अपराधी कटक और भुवनेश्वर के अलग-अलग इलाकों में बंदूकों का कारोबार कर रहे थे। चोरी की बंदूकों के कारोबार की सूचना मिलने के बाद कमिश्नरेट पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर बंदूकें जब्त कर लीं और कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया। बिहार से बंदूकें लाते थे और ओड़िशा में बेचते थे। वे अपराधी केंदापड़ा और जगतसिंहपुर में सक्रिय थे।

रत्न भंडार कमेटी की बैठक में निर्णय

पहले रत्न भंडार की मरम्मत फिर गहनों की गिनती होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रत्न भंडार कमेटी की एक और अहम बैठक न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में हुई। न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ के अनुसार रत्न भंडार में अलंकारों की गिनती के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है, बल्कि रत्न भंडार की मरम्मत पर जोर दिया गया है। श्रीमंदिर की ढांचा पर कोई सवाल न हो, महाप्रभु के दर्शन में कोई विघ्न न हो और श्रद्धालुओं को दर्शन में कोई परेशानी न हो, इसके लिए बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि रत्न भंडार के अंदर की मरम्मत कैसे की जाये। रत्न भंडार के बाहरी और भीतर के हिस्से की मरम्मत में सबसे उन्नत और परिष्कृत उपकरणों का उपयोग किया जायेगा। हालांकि, श्रीमंदिर रत्न भंडार की सभी उपयोगी जानकारी का खुलासा उचित समय पर किया जायेगा।

200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगवाया

आजाद सिपाही संवाददाता

ट्रांसफार्मर के उद्घाटन के मौके पर भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह।

धनवार, गिरिडीह। धनवार प्रखंड के घोड़थंबा में बीते कई दिनों से अंधकार में जीवन बिता रहे लोगों में भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण सिंह के प्रयास से 200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाये जाने के बाद हर्ष का माहौल है। भाजपा नेता श्री सिंह ने सोमवार को स्थानीय लोगों के आग्रह पर उसका फीता काट कर उद्घाटन किया। बता दें कि घोड़थंबा में एक सौ के बी का लगा ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पिछले कई दिनों से अंधेरे में जीने को विवश थे। ग्रामीणों ने जब इसकी जानकारी पूर्व आइजी श्री सिंह को दी तो उन्होंने तत्काल विभाग के पदाधिकारियों से बात कर 200 केवीए का ट्रांसफार्मर दिलवाया। श्री सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता मेरा परिवार है और परिवार के लोग कष्ट में रहेंगे, तो हमें सुकून कैसे मिल सकता है। उद्घाटन के मौके पर उपस्थित जयप्रकाश साहा, अजय साव, महेश स्वर्णकार, लक्ष्मण स्वर्णकार, अनिल स्वर्णकार, अनिल स्वर्णकार, मनोज यादव, महेंद्र साव, कैलाश यादव, मुरली विश्वकर्मा मौजूद थे।

वेदांता एल्यूमीनियम ने कालाहांडी की सौरा कला को पुनर्जीवित किया

युवा ग्रामीण महिलाओं को बनाया जा रहा है सशक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

लांजीगढ़, कालाहांडी। वेदांता लांजीगढ़, भारत का प्रमुख स्मेल्टर-ग्रेड एल्युमिना उत्पादक और वेदांता एल्युमीनियम की एक इकाई, स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए समर्पित है। इसकी प्रभावशाली पहलों में प्रोजेक्ट आदिकला है, जो कालाहांडी की समृद्ध स्वदेशी कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने का एक रचनात्मक प्रयास है। यह परियोजना सौर पर केंद्रित है, जो एक अनूठी पारंपरिक आदिवासी कला है, जो अपने जटिल और रंगीन रूपांकनों के वर्णनात्मक पैटर्न और प्राकृतिक तत्वों, आत्माओं, पूर्वजों और दैनिक जीवन के चित्रण के साथ-साथ ढोकरा, एक सावधानीपूर्वक धातु-शिल्प तकनीक के लिए जानी जाती है। दोनों कला रूपों की जड़ें सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ी हैं।

वेदांता लिमिटेड के एल्युमिना बिजनेस के सीइओ प्रणब कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि युवा पीढ़ी को शामिल करके विरासत कला रूपों को पुनर्जीवित करना और बढ़ावा देना ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने के महत्व से उत्पन्न होता है। दीपिका दंडसेना ने कहा कि वेदांता की पहल से मैं अपने परिवार का भरण-पोषण भी कर पा रही हूं और इसके लिए मैं वेदांता के अटूट समर्थन के लिए उनकी बहुत आभारी हूं।

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**